3 राजधानी — खुशनुमा हुआ मौसम बारिश से गिरा पारा
6 अभिमत — जन-स्वास्थ्य बीमा का पुनरीक्षण जरूरी
10 स्पोर्ट्स — कैरेबियाई खिलाड़ी स्वदेश लौटे
11 विदेश — यरुशलम में झड़प में 153 फलस्तीनी घायल

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 183
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अनुचित टिप्पणियों का अमिताभ ने दिया जवाब
विविध-12

www.dailypioneer.com

देश में लड़खड़ाया टीकाकरण अभियान

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारत वैक्सीन का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, लेकिन मांग ज्यादा और टीकों की उपलब्धता कम होने के कारण यहां टीकाकरण अभियान लड़खड़ा गया है। देश में इसी साल 16 जनवरी को कोविड के विरुद्ध टीकाकरण अभियान शुरू किया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अब तक 19 करोड़ से अधिक लोगों ने सरकारी पोर्टल कोविन ऐप पर टीका लगवाने के लिए पंजीकरण कराया है। इसमें 1 से 7 मई के बीच 6.42 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया।

वैक्सीन को लेकर मारामारी ज्यादातर शहरी इलाकों में है। हालाँकि, जब से टीकाकरण शुरू हुआ है तब से अब तक केवल 2.6 प्रतिशत आबादी को ही दोनों टीके लग पाए हैं। दूसरी तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका में अब तक 40 प्रतिशत आबादी को दोनों टीके लग चुके हैं। अमेरिका पिछले साल से कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देश रहा है। मंत्रालय ने दावा किया है कि अभी भी राज्यों व केंद्र षासित प्रदेशों के पास कोविड वैक्सीन की 1,04,30,063 खुराक उपलब्ध हैं और अगले तीन दिनों में 9,24,910 से अधिक वैक्सीन की खुराक आपूर्ति कर दी जाएंगी, लेकिन यह

गुरुग्राम में सोमवार को कोरोनारोधी टीका लगवाती एक महिला

वैक्सीन 1 मई से 7 मई तक पंजीकृत 2.42 करोड़ लोगों में से अधे के लिए भी पर्याप्त नहीं है। यह देखते हुए कि टीके की उपलब्धता में समय लग सकता है, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले सप्ताह राज्यों को दूसरी खुराक देने का निर्देश दिया और केंद्र से आपूर्ति की गई दूसरी और पहली खुराक के बीच 70-30 के अनुपात के हिसाब से उपयोग करने को कहा। टीके की कमी के बीच ही सरकार द्वारा 1 मई से 18 से 44 वर्ष की आयु के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू कर देने से स्थिति और खराब हो गई। अब लोगों को टीका लगवाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि जब फ्रंटलाइन वर्कर्स और 45 से अधिक उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन कम पड़ रही थी, अब तो 18 से अधिक उम्र वालों को भी टीका लगना है।

इस तरह 90 करोड़ आबादी को लगना है, जिसमें 59 करोड़ वयस्क आबादी शामिल हैं। दोनों ही आयु समूह के लोग वैक्सीन नहीं लगने की शिकायतें कर रहे हैं। बड़ी बात यह कि कुल टीकाकरण संख्या भी घट रही है। अभी 9 मई को, लगभग 6.89 लाख लोगों को टीका लगाया गया, 8 मई को यह संख्या 20.15 लाख थी जबकि 7 मई और 6 मई को, टीका लगाने वाले लोगों की संख्या क्रमशः 22.89 लाख और 23.59 लाख थी। यह देखते हुए कि अप्रैल के प्रारंभ में टीकाकरण 40 लाख तक पहुंच गया था।

दिल्ली में बची सिर्फ एक दिन की वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोनारोधी वैक्सीन की भारी किल्लत है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि कोवैक्सीन का एक दिन का और कोविशील्ड का तीन-चार दिनों का स्टॉक बचा है। केंद्र सरकार को जल्द वैक्सीन उपलब्ध कराना चाहिए। दिल्ली में बड़ी संख्या में 18 से 44 आयु वर्ग के लोग वैक्सीन लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं लेकिन वैक्सीन का भंडारन काफी कम है। रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन को पत्र लिखकर कहा था कि केंद्र सरकार वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों को निर्देश दे कि वे जल्द से जल्द वैक्सीन की सप्लाई करें।

(विस्तृत पेज 3)

डर, अंधविश्वास, अज्ञानता से टीकाकरण में पिछड़े गांव

राजेश कुमार। नई दिल्ली

● देश के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड वैक्सीन को लेकर एक सी कहानी

उत्तर प्रदेश के बलिया से हरियाणा के नूह तक, बिहार के संपत चाक से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के समीप फरीदाबाद के मंझावाली तक ग्रामीण इलाकों में कोविड 19 टीकाकरण अभियान फेल होता दिख रहा है। इसका कारण वैक्सीन लगने के बाद इसके दुष्प्रभाव का डर, अंधविश्वास और जानकारी के अभाव के चलते ग्रामीण टीकाकरण कराने से झिझकते हैं और इसी कारण उन्होंने कोविड वैक्सीन की डोज अभी तक नहीं लगवाई। अगर रिपोर्ट की मानें तो देशभर में कई जगहों पर कई टीकाकरण केंद्र बंद हो गए, स्वास्थ्य कर्मियों को पीटा गया। फरीदाबाद के मंझावाली गांव के ग्रामीणों ने कुछ दिनों पहले गुरुकुल स्कूल में बनें टीकाकरण केंद्र में तोड़फोड़ की और स्वास्थ्य कर्मी की पिटाई की। उसके बाद यहां से स्वास्थ्यकर्मी चले गए और कोविड टीकाकरण केंद्र बंद कर दिया गया। हरियाणा के ही नूह में एक अन्य मामले में गांव वालों ने स्वास्थ्य कर्मियों को पीटा और टीकाकरण करवाने के प्रयास पर उनको धमकी भी दी।

जिले में वैक्सीन की कमी के अलावा टीकाकरण इसलिए भी धीमा है क्योंकि अधिकांश लोगों का मानना है कि वैक्सीन लगवाने से बांझपन या नपुंसकता हो सकती है। यहां स्वास्थ्य कर्मियों को टीकाकरण करवाने के लिए लोगों को तैयार करने में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिहार में अधिकांश टीकाकरण केंद्र गांवों से दूर हैं। उदाहरण के लिए बहुआराए कंदपए सोहगी गांवों के लिए टीकाकरण केंद्र संपत चक में है। जो इन गांवों से करीब पांच किलोमीटर या उससे अधिक दूर है। जिसके कारण अधिकांश ग्रामीण पैदल जाकर टीका लगवाने में हिचकिचाते हैं। संपत चक के टीकाकरण प्रभारी कहते हैं कि अगर किसी को समझाने के बाद अगर कोई ग्रामीण 17 से 20 किलोमीटर दूर चलकर पास के टीकाकरण केंद्र किसी तरह पहुंचता भी है तो इंटरनेट की धीमी स्पीड के कारण पंजीकरण में घंटों का समय लग जाता है।

उत्तर प्रदेश के बलिया के बासडीह रोड स्थित टीकाकरण केंद्र के स्वास्थ्यकर्मी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इस केंद्र पर पांच गांवों की करीब 20ए000 आबादी है लेकिन टीकाकरण सिर्फ 800 से 1000 लोगों का ही हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के पिलाना टीकाकरण केंद्र में भी कुछ इसी तरह की तस्वीर देखने को मिली। घर घर जाकर लोगों को कोविड वैक्सीन के बारे में बताने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि यहां 200 घरों में 1500 से 2000 लोग रहते हैं। इनमें से 50 साल से अधिक 500 लोग हैं लेकिन पिछले महीने लक्ष्य से सिर्फ एक तिहाई ही लोगों ने वैक्सीन लगवाया। उत्तर प्रदेश के लगभग सभी ग्रामीण क्षेत्रों वाराणसी, बागपत, अलीगढ़, आगरा, गोरखपुर और रामपुर की यही कहानी है। रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश लोग वैक्सीन लगवाने से होने वाले वायरल फीवर उसके दुष्प्रभाव के कारण टीका लगवाने से डर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार देश के दक्षिण राज्यों में भी कुछ ऐसी कहीन सामने आ रही है। वैक्सीन लगने के बाद अस्पताल में भर्ती होने का डर, दैनिक मजदूरी का नुकसान और दूर दराज के टीकाकरण केंद्रों तक पहुंचने में असमर्थता का हवाला देकर ग्रामीण टीकाकरण से बच रहे हैं।

दो बार के ओलंपिक विजेता सुशील कुमार के खिलाफ लुक आउट नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के लिए ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहलवान सुशील कुमार पर हत्या का आरोप है। हत्या के मामले में आरोपी तलाश में दिल्ली पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और वह दिल्ली और हरियाणा में लगातार अपने ठिकाने बदल रहा है। इसके चलते वह अब पुलिस की पकड़ से दूर है। अब दिल्ली पुलिस ने सुशील की गिरफ्तारी के लिए लुक आउट सर्कुलर नोटिस जारी किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार देर शाम नोटिस जारी किया गया है। पुलिस झगड़े के पीड़ितों का बयान पहले ही दर्ज कर चुकी है। उन्होंने कहा कि झगड़ा मॉडल टाउन इलाके में एक फ्लैट को खाली कराने को लेकर हुआ था। पहले बताया था कि इस मामले में कुमार का नाम प्राथमिकी में है और वह फरार है और उनका पता लगाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने बताया था कि पहलवान को पकड़ने के लिए दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों में छापेमारी की जा रही है। पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि जब झगड़ा हुआ तब

● पहलवान दिल्ली और हरियाणा में लगातार बदल रहा है अपने ठिकाने

मौके पर कुमार मौजूद थे।

पिछले मंगलवार की रात को छत्रसाल स्टेडियम में झगड़े में 23 वर्षीय पहलवान की मौत हो गई थी। स्टेडियम में उन्हें और उनके दो दोस्तों पर अन्य पहलवानों ने कथित रूप से बर्बरपूर्वक हमला किया था। पुलिस के मुताबिक, झगड़े में कुमार, अजय, प्रिंस दलाल, सोनू, सागर, अमित और अन्य शामिल हैं। मॉडल टाउन थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराओं और सशस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा के झज्जर निवासी दलाल (24) को पकड़ लिया गया है।

सेंट्रल विस्टा निर्माण के खिलाफ याचिका पर हाईकोर्ट से शीघ्र सुनवाई का अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 वैश्विक महामारी के बढ़ते मामलों के बीच यहां सेंट्रल विस्टा के निर्माण पर रोक लगाने के लिए दायर जनहित याचिका पर शीघ्र सुनवाई का दिल्ली उच्च न्यायालय से सोमवार को अनुरोध किया गया। वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ के समक्ष इसका उल्लेख किया जिस पर अदालत ने कहा कि इसके पहले अर्जी दायर की जाए। लूथरा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सात मई को याचिकाकर्ताओं से कहा था कि यदि वे याचिका पर शीघ्र सुनवाई चाहते हैं तो वे दिल्ली उच्च न्यायालय जाएं और इसी वजह से उन्होंने उच्च न्यायालय में इस मामले का जिक्र किया। याचिकाकर्ताओं आन्या मल्होत्रा और सोहेल हाशमी उच्च न्यायालय के चार मई के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत पहुचे थे जिसमें अदालत ने जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए 13 दिन के बाद यानी 17 मई की तारीख तय की थी। अदालत ने कहा था कि वह पहले उच्चतम न्यायालय के पांच जनवरी के फैसले पर गौर करना चाहती है। (शेष पेज 9)

कांग्रेस ने स्थगित किया अध्यक्ष पद का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति के मद्देनजर जून में प्रस्तावित पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव को अस्थाई तौर पर स्थगित कर दिया है और फिलहाल सोनिया गांधी ही पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालती रहेंगी। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि कोरोना महामारी से जुड़े हालात में सुधार होने तक यह चुनाव स्थगित किया जाता है।

सीडब्ल्यूसी के प्रस्ताव में कहा गया है, कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात को देखते हुए सीडब्ल्यूसी इस पर एकमत है कि हमें पूरी ऊर्जा एक-एक जिंदगी को बचाने और कोविड प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए लगानी चाहिए। ऐसे में चुनाव को अस्थाई तौर पर स्थगित करने का संकल्प लिया जाता है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि सोनिया गांधी ने स्पष्ट किया है कि यह स्थगन स्थाई नहीं होगा और हालात में सुधार होने पर चुनाव कराया

● कोरोना महामारी के चलते कांग्रेस कार्यसमिति ने किया फैसला

जाएगा। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव अगले दो-तीन महीने में होने की उम्मीद है। उनके मुताबिक, सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईसी) की ओर से तैयार चुनाव कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन बाद में फैसला किया गया कि मौजूदा स्थिति में चुनाव कराना उचित नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने 23 जून को कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया था। (शेष पेज 9)

पश्चिम बंगाल के सभी 77 भाजपा विधायकों की सुरक्षा करेंगे केंद्रीय अर्धसैनिक बल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए नवनिर्वाचित सभी 77 भाजपा विधायकों को संभावित खतरे के मद्देनजर केंद्रीय अर्धसैनिक बल के जवान सुरक्षा मुहैया कराएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा के भाजपा सदस्यों की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सशस्त्र कमांडों करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसकी मंजूरी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तैयार रिपोर्ट और मंत्रालय द्वारा चुनाव बाद भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हुई हिंसा की पृष्टभूमि में वहां भेजी गई उच्च स्तरीय अधिकारियों की टीम की ओर से मुहैया कराई जानकारी को संज्ञान में लेते हुए दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय के आदेश के मुताबिक 61 विधायकों को न्यूनतम एक्स श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी और सीआईएसएफ के कमांडो तैनात किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बाकी को या तो केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त है या उच्च वाई श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। (शेष पेज 9)

नेपाल के पीएम ओली प्रतिनिधि सभा में विश्वास प्रस्ताव हारे

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सोमवार को प्रतिनिधि सभा में पेश विश्वास प्रस्ताव हार गए। राजनीतिक रूप से संकट का सामना कर रहे ओली के लिए इसे एक और झटका माना जा रहा है जो कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल (माओवादी केंद्र) नीत पुष्पकमल दहल गुट द्वारा सरकार से समर्थन वापस लिए जाने के बाद पार्टी पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाली संविधान के अनुच्छेद-100 (3) के प्रावधान के तहत प्रधानमंत्री ओली स्वत: ही पद से अवमुक्त हो गए हैं। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान ने कहा कि विश्वास प्रस्ताव हारने के बाद प्रधानमंत्री स्वत: पद से हट गए हैं और अब संवैधानिक प्रक्रिया के तहत नई सरकार बनेगी। सीपीएन माओवादी के वरिष्ठ नेता गणेश शाह ने कहा कि ओली को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए और वैकल्पिक सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीपीएन-माओवादी , नेपाली कांग्रेस और ओली के खिलाफ

मद देने वाली पार्टियों के साथ यथा शीघ्र गठबंधन सरकार बनाने के लिए हाथ मिलाएगी। राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी के निर्देश पर संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के आहूत विशेष सत्र में प्रधानमंत्री ओली की ओर से पेश विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में केवल 93 मत मिले जबकि 124 सदस्यों ने इसके खिलाफ मत दिया। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष अग्नि सपकोटा ने नतीजों की घोषणा करते हुए बताया कि विश्वास प्रस्ताव पर कुल 232 सदस्यों ने मतदान किया जिनमें से 15 सदस्य तटस्थ रहे। ओली (69 वर्षीय) को 275 सदर्स्इय प्रतिनिधि सभा में विश्वासमत जीतने के लिए 136 मतों की जरूरत थी क्योंकि चार सदस्य इस समय निलंबित हैं। (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,502	↑ 296	
निफ्टी	14,942	↑ 119	
सोना	47,452	↑ 179	/10g
चांदी	71,540	↑ 826	/kg

क्विक न्यूज

शर्तें स्वीकार न करने वालों को नहीं मिलेंगी व्हाट्सऐप की सभी सुविधाएं

नई दिल्ली। व्हाट्सऐप ने आज कहा कि उसके नए निजता अपडेट को स्वीकार न करने केलिए कोई भी खाता डिलीट नही किया जाएगा लेकिन कई हफ्तों केबाद इन विवादित शर्तों को स्वीकार न करने वाले उपयोगकर्ता अपनी चैट सूची नही देख पाएंगे और आखिरकार उनकी ऐप पर आने वाले फोन कॉल या वीडियो कॉल का जवाब देने की सुविधा के इस्तेमाल पर रोक लग जाएगी। पिछले कंपनी ने कहा था कि 15 मई तक की उसकी समयसीमा तक उसकी निजता नीति अपडेट को स्वीकार न करने वाले उपयोगकर्ताओ के खाते डिलीट नही किए जाएंगे। व्हाट्सऐप ने अपनी वेबसाइट पर कहा किजिन लोगों को शर्तों को पढ़ने का मौका नही मिला है, वह उन्हें याद दिला रहा है।

मरीज के इलाज को डाकिया दवा लाया

● मुरादाबाद में गंभीर रोगियों के लिए डाक विभाग की नई पहल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसी जमाने में दुनिया और देश के लोगों तक उनकी चिट्ठी और सूचनाएं पहुंचाने वाले पोस्टमैन (डाकिया) को इंटरनेट और ऑनलाइन के जमाने में लोग भूलने लगे थे। लेकिन इस महामारी और संकट के समय गंभीर रोगियों तक दवा पहुंचा कर एकबार फिर से डाकिया किसी देवदूत की तरह जीवन रेखा साबित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का उदाहरण हमारे सामने है, जहां डाकिया बाबू को रविवार को अतिरिक्त काम करना हो रहा है, ताकि गंभीर मरीजों तक उनकी दवा पहुंचा कर उनको सुरक्षित किया जा सके, क्योंकि इन मरीजों के डॉक्टर मुंबई, कोलकाता और दिल्ली में हैं जो उनका ऑनलाइन इलाज कर रहे हैं। करीब 30 मरीज ऑनलाइन अपना इलाज करा रहे हैं, इनमें से कुछ कैंसर से पीड़ित हैं जो अपना इलाज नहीं रोक सकते। लॉकडाउन जैसे हालात में अस्पताल प्रबंधन इन मरीजों की दवाएं डाक सेवाओं के द्वारा उन तक पहुंचा रहा है,

है। हम तत्काल उसको ऑनलाइन चेक करते हैं और यहां आने तक इस पर नजर रखने के साथ उनतक पहुंचाते हैं, ऐसा रविवार रात को भी किया है। पोस्ट ऑफिस से अधिकारी और पोस्टमैन जुड़े रहते हैं और अवकाश

जब अधिकांश वायु और रेल सेवाएं बंद हो गई हैं। पोस्ट ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारी वीर सिंह के अनुसार, जब मरीज सूचित करता है कि उसकी दवा पोस्टल कूरियर के द्वारा बुक की गई के दिन भी मरीजों तक वो दवा पहुंचाते हैं।

मझोला में एक कैंसर रोगी को मुंबई के अस्पताल द्वारा लिखीं विशेष दवा को उसके पास सुनिश्चित करने के लिए डाकिया द्वारा दवा पहुंचाया गया ताकि लॉकडाउन और कोरोनोवायरस से उसका जीवन प्रभावित न हो, क्योंकि पिछले साल इसके कारण कई लोग इससे प्रभिवत हुए थे। सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर डाक सेवा को लॉकडाउन से से बाहर रखा है। जारी अधिसूचना के अनुसार डाक सेवा को आवश्यक सेवा में शामिल करते हुए उसे किसी भी आंशिक लॉकडाउन या संबंधित राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश सरकारों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से मुक्त रखा गया है। ताकि आवश्यक सेवा किसी भी हालत में न रुके। डाकिया के उत्साह और उसकी कार्य प्रेरणा से यह सुनिश्चत कर दिया कि मरीज का इलाज एक दिन के लिए भी बाधित नहीं होगा। मुरादाबाद में डाक बाबू की इस सेवा को देखते हुए गुलजार द्वारा एक फिल्म के लिखे गीत 'डाकिया डाक लाया' को बदल कर 'डाकिया दवा लाया' करने का समय आ गया है।

कब्रिस्तान और श्मशान से कफन चुराकर बेचने वाले सात गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। बागपत

जिला पुलिस ने कब्रिस्तान और शमशान घाट से कफ़न और शवों के कपड़े चोरी कर उन्हें बाजार में बेचने वाले गिरोह के सात लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार मामला बागपत के बड़ौत कोतवाली इलाके का है जहां यह गिरोह मानवता को शर्मसार करने के साथ ही कोविड-19 संक्रमण को भी दावत दे रहा था। बड़ौत के पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह ने रविवार को बताया कि एक कपड़ा व्यापारी समेत उसके अन्य साथी मिलकर श्मशान घाट, कब्रिस्तान से कफ़न और शव पर डाला गया चादर आदि चुरा लेते थे और उन वस्त्रों को इस्त्री करके ग्वालियर कम्पनी का मार्का लगाकर बाजार में बेचते थे।

पुलिस ने बताया कि गिरोह पिछले दस साल से यह काम कर रहा था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कपड़ा व्यापारी रोजाना 300 रुपए मजदूरी दिया करता था। आलोक सिंह ने बताया कि बड़ौत पुलिस ने शनिवार को कपड़ा व्यापारी प्रवीण जैन समेत उसके बेटे आशीष जैन, भतीजा ऋषभ जैन व अन्य राजू शर्मा, श्रवण शर्मा, बबलू कश्यप, शाहरुख खान सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है, सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। सिंह के मुताबिक पकड़े गए अभियुक्तों के पास से पुलिस ने 520 सफेद व पीली चादर, 127 कुर्ता, 140 सफेद कमीज, 34 सफेद धोती, 12 गर्म शाल रंगीन, 52 धोती महिला, 3 रिबन के पैकेट, 158 रिबन ग्वालियर,। टेप कटर, 112 ग्वालियर कम्पनी के स्टिकर भी बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों पर बड़ौत पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के अलावा महामारी अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया है।

बिहार के बक्सर में गंगा में उतराते मिले 40 शव

पायनियर समाचार सेवा। बक्सर

बिहार के बक्सर ज़िले के चौसा प्रखंड के चौसा श्मशान घाट पर गंगा में कम से कम 40 लाशें उतराती हुई मिली हैं। स्थानीय प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है लेकिन स्थानीय पत्रकारों ने दावा किया है कि उन्होंने श्मशान घाट पर इससे ज़्यादा लाशें देखी हैं। स्थानीय स्तर पर जो तस्वीरें आई हैं वो दिल दहला देने वाली हैं। लाशों को जानवर नोचते दिख रहे थे। चौसा के प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 30 से 40 की संख्या में लाशें गंगा में मिली हैं। इस बात की संभावना है कि ये लाशें उत्तर प्रदेश से बहकर आई हैं। मैंने घाट पर मौजूद रहने वाले लोगों से बात की है, जिन्होंने बताया कि लाशें यहाँ की नहीं हैं। इस बीच बक्सर के ज़िलाधिकारी अमन समीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा है कि हम लोग ज़िलाधिकारी गाजीपुर और बलिया के साथ समन्वय स्थापित कर रहे हैं ताकि उनके इलाक़े की लाशों का दाह संस्कार वहीं कर दिया जाए, (शेष पेज 9)

निगम ने श्मशान घाटों पर लकड़ियों के रेट किए तय

● 750 रू. प्रति क्विंटल दाम किया निर्धारित

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर के आधा दर्जन से भी अधिक श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार के नाम पर हो रही लूट पर नगर निगम प्रशासन ने नकेल कस दी है। सभी श्मशान घाटों पर लकड़ी के रेट एक समान निर्धारित कर दिए हैं। अब निर्धारित रेट 750रू. प्रति क्विंटल से अधिक कोई भी चार्ज नहीं करेगा।

इसके अलावा सभी श्मशान घाटों पर लकड़ी के रेट से संबंधित साइन बोर्ड लगा दिए गए हैं और इस तमाम प्रक्रिया को मॉनिटर करने के लिए नगर निगम के अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार को नोडल अधिकारी बना दिया गया है। श्मशान घाटों पर शवों की लंबी कतार का फायदा कुछ असामाजिक तत्व उठा रहे थे और मनमाने ढंग से उनसे अनाप-शनाप वसूली कर रहे थे। जब

नूरनगर स्थित श्मशान घाट पर निगम द्वारा निर्धारित लगाया गया साइन बोर्ड।

यह मामला नगर निगम प्रशासन के संज्ञान में आए तो नगर आयुक्त ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सभी श्मशान घाटों पर लकड़ी के रेट तय कर दिए।

खास बात यह है कि कोरोना संक्रमण से मारे गए लोगों के शवों के अंतिम संस्कार में कुछ आर्थिक परेशानी सामने आ रही थी जो गरीब लोग हैं वे दाह संस्कार नहीं कर पा रहे थे अब ऐसे शवों के दाह संस्कार का जिम्मा नगर निगम प्रशासन ने उठाने का फैसला किया है।

नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर उन परिवारों के शवों के अंतिम संस्कार में अब कोई दिक्कत नहीं आएगी। शमशान घाटों पर अव्यवस्था को देखकर केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने भी नगर निगम प्रशासन से बातचीत कर यहां व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कहा था।

अस्पताल ने मेडिकल स्टोर को खाली करने का दिया आदेश

गाजियाबाद। लोहिया नगर स्थित नागर हॉस्पिटल परिसर में स्थित आरएन मेडिकल स्टोर में कोरोना जीवन रक्षक दवाइयों की कालाबाजारी के सिलसिले मे पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने विगत दिनों छापा मारा था। इस संबंध में अस्पताल के प्रबंध निदेशक महेंद्र सिंह नागर ने दावा किया है कि उनके अस्पताल का इस मेडिकल स्टोर से कोई लेना-देना नहीं है और अनुबंध के आधार पर इस मेडिकल स्टोर को अस्पताल परिसर में संचालित करने के लिए दिया गया था।

उन्होंने बताया कि मेडिकल स्टोर के संचालक को नोटिस देकर हमने परिसर को 30 दिन के अंदर खाली करने के लिए आदेश दिए हैं। नागर ने बताया कि हम किसी भी जन विरोधी कार्यप्रणाली के पक्ष में नहीं है और इस संबंध में हमने गाजियाबाद जिला प्रशासन के आला अधिकारियों को लिखित में अवगत भी करा दिया है।

नोएडा स्टेडियम में बने कोविड अस्पताल में 30 बेड फुल

प्राधिकरण अधिकारियों ने कोरोना मरीज को भर्ती करवाने के लिए हेल्पलाइन नंबर किया जारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-21 स्टेडियम में बने अस्थाई कोविड अस्पताल में 30 बेड फुल हो गए हैं। दूसरे दिन करीब 17 मरीज यहां भर्ती हुए। यहां पर 50 बेड की क्षमता है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सोमवार को सभी बेड फुल हो जाएंगे। यहां के हेल्पलाइन नंबर पर दो दिन में 500 से अधिक लोगों ने फोन कर बेड की उपलब्धतता और अन्य चीजों की जानकारी ली।

स्टेडियम के शूटिंग रेंज में अस्थाई अस्पताल की शुरूआत शनिवार से हुई थी। यहां पर सिर्फ ऑक्सीजन बेड की सुविधा है। आईसीयू और वेंटीलेटर की सुविधा नहीं है। इस वजह से यहां पर 90 या इससे ज्यादा ऑक्सीजन स्तर वालों को भर्ती करने का निर्णय लिया गया है। पहले दिन यहां पर 13 मरीज भर्ती हुए थे। दूसरे दिन भी मरीजों का आना जारी रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यहां पर भर्ती होने के लिए लोग हेल्पलाइन नंबर 9625676944 और 9354835239 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 18004192211 के द्वारा भी यहां के संबंध में जानकारी ली जा सकती है।

सेक्टर-135 में ऑक्सीजन रिफिलिंग सेंटर शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-135 के बारात घर में ऑक्सीजन रिफि लिंग सेंटर रविवार से शुरू हो गया है। पहले दिन यहां पर 11 लोग खाली सिलेंडर लेकर आए। अब इनको सिलेंडर भरवाकर मंगलवार को वापस कर दिए जाएंगे। इसके अलावा सेक्टर-93 बी के बारात घर में करीब 80 सिलेंडर जमा हुए। इस बारात घर से एक सप्ताह में 732 सिलेंडर लोगों को भरकर दिए जा चुके हैं।

अभी तक इस सेंटर से सिर्फ आरडब्ल्यूए और एओए को ही सिलेंडर भरकर दिए जा रहे हैं। अब आम लोग भी ले सकेंगे। नोएडा प्राधिकरण ने ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए 35 क्रायोजेनिक टैंकर खरीदने की योजना तैयार की है। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक यह कार्य उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव गृह गोपन, कारागार एवं सतर्कता विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा नामित पेट्रोलियम व विस्फोटक सुरक्षा संगठन, ड्रग लाइसेंस एवं कंट्रोलिंग अथॉरिटी विभागों के नामित अधिकारियों के द्वारा उपलब्ध कराए गए तकनीकी स्पेसिफि केशन के आधार पर ग्लोबल बिड रिक्वेस्ट फ ॉर प्रपोजल आरएफ पी को तैयार किया गया है।

सिविल डिफेंस मुहैया कराएगा निशुल्क वाहन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● दाह संस्कार का भी खर्चा उठाएगी संस्था

संक्रमण से मारे गए लोगों के शवों को उठाने के लिए जहां एंबुलेंस संचालक पीड़ितों से मनमाने पैसे वसूल रहे हैं वहीं सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ने एक प्रेरणादायक मिसाल पेश करते हुए ऐसे शवों को लाने-ले जाने के लिए निशुल्क अंतिम शव यात्रा वाहन उपलब्ध कराया है।

इस वाहन में शव को रखने से लेकर दाह संस्कार करने की जिम्मेदारी भी सिविल डिफेंस के कार्यकर्ता उठा रहे हैं।

चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने बताया कि जो परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और दाह संस्कार करने की स्थिति में नहीं है उसका खर्चा भी वह स्वयं अपने खाते से करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतिम शव वाहन ने अपना कार्य शुरू कर दिया है। शहर का कोई भी पीड़ित व्यक्ति उनके कार्यालय में फोन करके इस वाहन का लाभ उठा सकता है। जायसवाल ने बताया कि यह सेवा बिल्कुल निशुल्क है और पिछले 4 दिनों से यह सेवा चल रही है।

बता दें कि संक्रमण से मारे गए शवों को लाने में एंबुलेंस संचालक मुंह मांगा किराया पीड़ितों से वसूलते थे। जिसको लेकर शहर के लोगों में काफी नाराजगी थी। हालांकि डीएम ने इस संबंध में रविवार शाम निर्धारित रेट जारी कर दिए थे।

वेतन और सेफ्टी किट को लेकर सफाईकर्मियों ने की हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सेक्टर-62 में कंपनी गेट पर किया हंगामा

सोमवार से नोएडा के काम करने वाले सैकड़ों सफ़ाइकर्मी हड़ताल पर हैं। जिसकी वजह से शहर में काफी गंदगी देखने को मिली। सफाईकर्मियों की मांग है कि उनका वेतन बढ़ाया जाए और कोरोना से बचने के लिए कंपनी द्वारा सेफ्टी किट दी जाए।

सफाईकर्मियों ने सेक्टर-62 में स्थित कंपनी के बाहर प्रदर्शन भी किया। एक सफ ाईकर्मी ने बताया किए एक तरफ जहां देश को कोरोना से बचाने के लिए डॉक्टर, पुलिस और सफ ाईकर्मियों जैसे फ्रंटलाइन वर्कर अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सेवा में जुटी है तो वहीं इन लोगों को वेतन और सेफ्टी किट के लिए परेशान किया जा रहा है।

दरअसल, इन लोगों का कहना है कि इन लोगों की सैलरी नहीं बढाई जा रही है। कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। उसको लेकर इन लोगों को किसी तरह की सेफ्टी किट नही दी गई है। जिस वजह से इनको संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।

होम आइसोलेटेड मरीजों को भेजी कोविड किट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर विधायक पंकज सिंह ने कोरोना संक्रमित शहर के लोगों को मदद देने के लिए एक पहल की है। मरीजों को उपचार में उपयोगी आवश्यक सामग्री जैसे भाप की मशीन, तुलसी टी.बैग, च्यवनप्राश, शहद, सैनिटाइजर और मास्क आदि की कोविड सुरक्षा किट बनाकर पार्टी घर-घर भेजी जा रही हैं।

भाजपा के प्रवक्ता तन्मय शंकर ने रविवार को यह जानकारी दी है। तन्मय ने बताया कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से संक्रमित व्यक्तियों के घर जाकर किट का वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को नोएडा के अलग.अलग स्थानों से मिली

घर पर कोविड किट मिलने के बाद पैकेट दिखाता एक मरीज। फोटो : दीपक यादव

कोरोना संक्रमित व्यक्तियों की जानकारी के बाद उनसे संपर्क किया गया। संक्रमित व्यक्तियों के घर जाकर विधायक पंकज सिंह के सहयोग से जरूरतमंद लोगों को कोविड सुरक्षा किट मुहैया करवाई गई है।

इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने मौके पर जाकर लोगों का हाल जाना। शहर के लोगों को आश्वस्त किया कि अन्य किसी भी प्रकार की जरूरत या समस्या हो तो पंकज सिंह सदैव उनकी सेवा में तत्पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

हिंडन विहार में लगी आग के दौरान उठता काला धुंआ।

कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना क्षेत्र कि हिंडन विहार कॉलोनी में स्थित कबाड़ के गोदाम में दिन निकलते ही लगी भीषण आग लग गई जिससे I इलाके में भगदड़ मच गयी। आग ने नजदीक के तीन मकानों को भी पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि जिस मकानों में आग लगी उसमें रह रहे लोग समय रहते ही बाहर निकल आए जिसके कारण बड़ा हादसा टल गया। आग की सूचना आनन-फानन में पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची और घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान किसी भी तरह की हताहत होने की सूचना नहीं है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व बोलेरो गाड़ी।

लाखों की अवैध शराब बरामद

गाजियाबाद। कोरोना काल में अवैध शराब की बिक्री नहीं हो पा रही है। मसूरी पुलिस में सोमवार को चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 65 पेटी मिश्रित शराब बरामद की। इस शराब को कोरोना काल में मंहगे दामों पर बेचने के लिए लाया रहा था। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉक्टर इराज राजा ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री पर रोकथाम के लिए इन दिनों पुलिस ने अभियान चलाया हुआ है। इसी के चलते मसूरी पुलिस ने कल्लू गढ़ी कट के पास चेकिंग के दौरान एक पिकअप गाड़ी को रोका और उसकी जांच की तो उसमें 65 पेटी मिश्रित शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि बरामद शराब की कीमत लाखों रुपए में है। पुलिस ने शराब ले जा रहे युवक पुनीत को गिरफ्तार कर लिया है जो अलीगढ़ जनपद के बिजौली गांव का निवासी है,जबकि उसका दूसरा साथी भागने में कामयाब हो गया।

गुरुद्वारे में ऑक्सीजन लंगर के दिया एक लाख मदद

गाजियाबाद। इंदिरापुरम गुरुद्वारे में खालसा हेल्प इंटरनेशनल के तत्वावधान में चल रहे ऑक्सीजन लंगर सेवा में निर्वाण फाउंडेशन के सदस्य सागर चौहान ने एक लाख का चेक दान स्वरूप भेंट किया है। गांव करहेड़ा निवासी सागर चौहान ने बताया कि कोरोना संक्रमण के इस दौर में इंदिरापुरम गुरुद्वारा सेवा भाव से जो कार्य कर रहा है वह अतुलनीय है। उसी से प्रभावित होकर उन्होंने भी एक लाख रुपए का चेक दान स्वरूप खालसा हेल्प इंटरनेशनल को भेट किया है। आपको बता दें कि अभी कुछ ही दिन पहले गांव करहेड़ा के ही निवासी सुशील निर्वाण ने डेढ़ बीघा जमीन निगम को श्मशान घाट के लिए दान स्वरूप दी थी।

ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर सपा नेता के भाई की हत्या

जीटी रोड स्थित नर्सरी से घर लौटते समय बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम, फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दादरी के लुहारली गांव के नजदीक समाजवादी पार्टी के नेता महेश भाटी के छोटे भाई दिनेश भाटी की रविवार देर शाम बाइक सवार तीन हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी।

मृतक दिनेश

हालांकि, उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वारदात के बाद हत्या आरोपी बेखौफ मौके से फ रार हो गए। पुलिस मौका मुआयना व परिजनों से पूछताछ कर वारदात की पड़ताल कर रही है।

पुलिस का कहना है कि दिनेश हिस्ट्रीशीटर था। उस पर 18 मामले दर्ज थे। लुहारली गांव निवासी महेश भाटी ने बताया कि छोटा भाई दिनेश जीटी रोड पर स्थित अपनी नर्सरी से कार में घर लौट रहा था। गांव के नजदीक पहुंचा तो बाइक सवार तीन बदमाशों ने हाथ देकर उसे रोक लिया। दिनेश के रुकने के साथ ही बदमाशों ने गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बदमाश गांव की ओर भाग गए।

महेश ने बताया कि नवंबर 2018 में उनके बेटे व ग्रेनो प्राधिकरण में सुपरवाइजर मोहित की भी ग्रेटर नोएडा से लुहारली आने के दौरान रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उनका भाई उमेश भाटी गवाह था, लेकिन छह माह पहले उसकी भी सड़क हादसे में संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

परिवार ने उमेश की हत्या को हादसा दिखाने का आरोप लगाया था, लेकिन पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की थी। दोनों हत्याओं की जांच के लिए उन्होंने केंद्र से सीबीआई जांच की मांग की थी। केंद्र ने यूपी के अधिकारियों को जांच के लिए कहा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब वह दिनेश की हत्या का मामला दर्ज नहीं कराएंगे, क्योंकि पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

कोतवाली पुलिस ने जानकारी दी है कि दिनेश हिस्ट्रीशीटर था। आरोपी गांव की ओर से आए थे और वारदात के बाद वापस उधर ही लौट गए। दिनेश पर लूट, गैंगस्टर एक्ट, दुष्कर्म आदि के 18 केस दर्ज थे।

दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान चली गोली, राहगीर की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● आरोपी गिरफ्तार तमंचा-कारतूस बरामद

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान गोलीबारी में एक राहगीर की मौत हो गई। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के थाना रबूपुरा क्षेत्र के मिर्जापुर गांव के रहने वाले राहुल तथा दूसरे पक्ष सुबोध कपिल और कुशल पाल के बीच गाड़ी खरीदने को लेकर विवाद हो गया।

विवाद के दौरान सुबोध ने देसी तमंचे से राहुल पर गोली चला दी। घटना में राहुल बच गया लेकिन गोली वहां से गुजर रहे प्रवेश को लग गई।

प्रवेश को गंभीर हालत में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। सुबोध को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और बाकी आरोपियों के तलाश की जा रही है। सुबोध के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

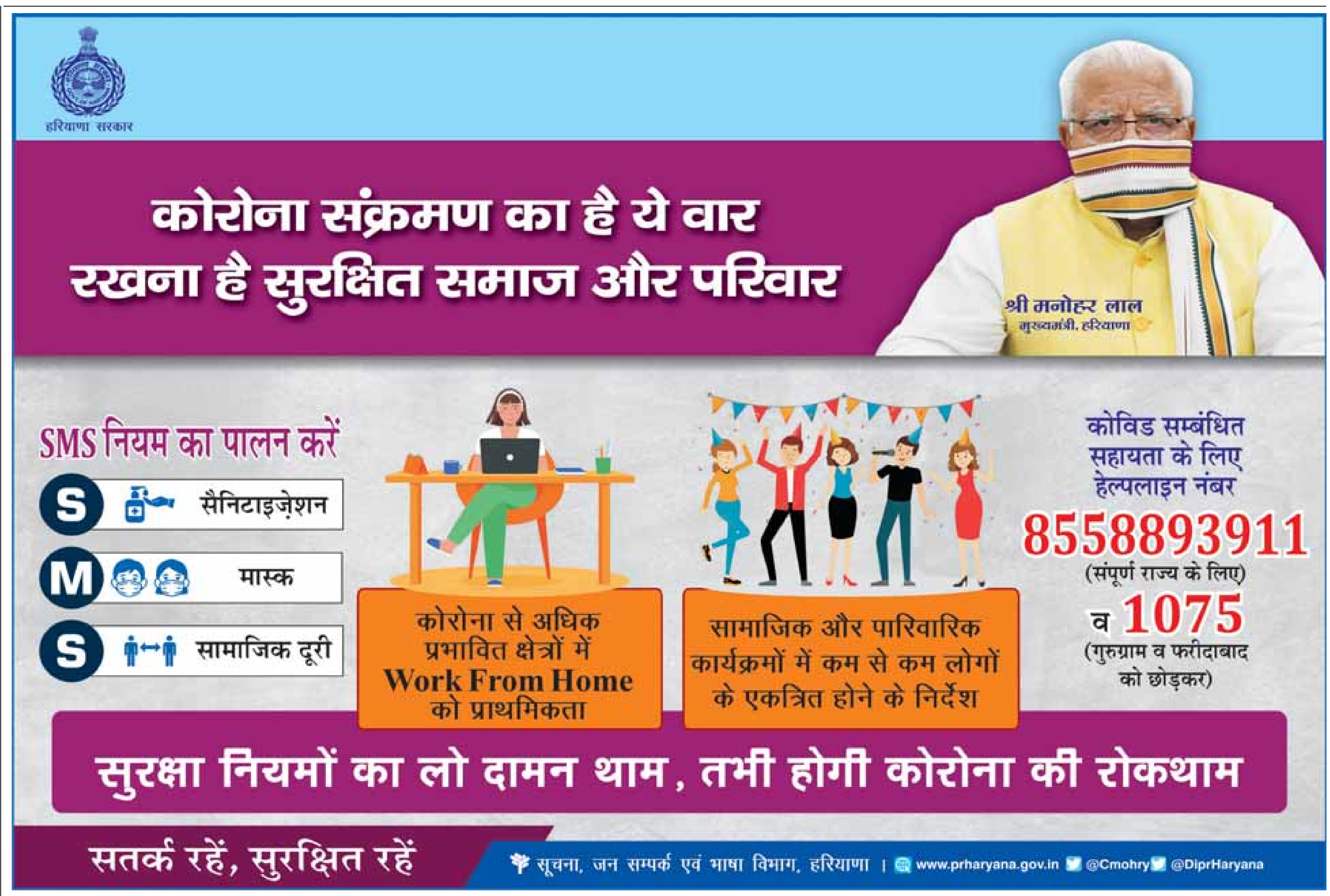

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

राजधानी में कोरोना वैक्सीन का टोटा

कोवैक्सीन एक दिन और कोविशील्ड का स्टॉक सिर्फ चार दिन का बाकी : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में बड़ी संख्या में 18 साल से ऊपर वाले लोग वैक्सीन लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं लेकिन वैक्सीन टोटा पड़ गया है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार को बताया कि दिल्ली में सिर्फ 1 दिन की को-वैक्सीन और कोविशिल्ड वैक्सीन तीन से चार दिन की बची है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि वह जल्द वैक्सीन सप्लाई करे। इससे एक दिन पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन को पत्र लिखकर अनुरोध किया किया था कि वह टीका बनाने वाली कंपनियों को मई से जुलाई के बीच राष्ट्रीय राजधानी को टीके की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दें। गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में गुरु तेग बहादुर कोविड केयर केंद्र में तैयारियों का जायजा लेने के बाद जैन ने मीडिया से बातचीत में कहा को-वैक्सीन की खुराकें सिर्फ एक दिन चलेंगी जबकि कोविशील्ड की तीन-चार दिन चल सकती हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली को 18-44 वर्ष के श्रेणी में कोरोना वायरस रोधी टीके की 5.5 लाख खुराकें मिली हैं जबकि 45 वर्ष से अधिक और स्वास्थ्य देखभाल तथा अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के लिए 43 लाख से अधिक खुराकें मिली हैं। राष्ट्रीय राजधानी में अब तक करीब 39 लाख टीके लगाए जा चुके हैं। रविवार शाम तक, दिल्ली में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए और स्वास्थ्य देखभाल तथा फ्रंटलाइन वर्कर के कर्मियों के लिए वैक्सीन की 4.65 लाख खुराकें उपलब्ध थीं जबकि 2.74 लाख खुराकें 18-44 वर्ष की श्रेणी के लिए थीं।

भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा ने राजधानी दिल्ली में कोविड-19 संकट को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि राज्य सरकार प्रचार में करोड़ों रुपये खर्च कर लोगों को गुमराह कर रही है। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों से भागकर उसने सब कुछ केंद्र के भरोसे छोड़ रखा है।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में पात्रा ने सूचना का अधिकार के तहत मिले एक जवाब का हवाला देते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार वर्ष 2015 से लेकर अब तक विज्ञापनों पर 805 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है लेकिन दिल्ली में उसने एक भी नया अस्पताल बनवाया। केजरीवाल पर हमला करते हुए पात्रा ने कहा मुख्यमंत्री रोजाना टेलीविजन पर आते हैं और झूठ बोल कर लोगों को गुमराह करते हैं।

उन्होंने कहा सीएम विज्ञापन में दावे करते रहे कि लॉकडाउन नहीं होगा, ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है और लोगों के घरों में ऑक्सीजन पहुंचाई जाएगी। जब केजरीवाल को लगा कि चीजें उनके नियंत्रण से बाहर हो गई हैं तब उन्होंने केंद्र पर सवाल उठाने शुरु किए और फिर बाद में अपनी जिम्मेदारियों से किनारा कर लिया।

कालाबाजारी में एम्बुलेंस के 2 चालक गिरफ्तार

दो ऑक्सीजन सिलेंडर, 32 पीपीई किट, एक लाख रुपये बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस की महामारी कोहराम मचा रही है। लोग सांसों के लिए जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं। वही कुछ शातिर लोग आपदा में अवसर की तलाश में जीवनरक्षक दवाओं के साथ ही प्राणवायु की भी कालाबाजारी धड़ल्ले से कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर नकेल कसते हुए दिल्ली दिल्ली पुलिस ने कैट्स एम्बुलेंस के दो पैरामेडिक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी में शामिल थे।

आरोपियों की पहचान पवन और विपिन नागर के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी पवन 15 लीटर के सिलेंडर के 40 हजार और 50 लीटर के सिलेंडर के 90 हजार रुपये तक वसूल करता था। ये रुपये पेटीएम के जरिए लिए जाते थे जिसे बाद में एक्सिस बैंक और पीएनबी बैंक के खाते में ट्रांसफर करके पवन निकाल लिया करता था।

पुलिस की गिरफ्त में ऑक्सीजन की कालाबाजारी के आरोपी।

पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि मुख्य आरोपी पवन (21 साल) दक्षिणपुरी का रहने वाला है। वह एक प्रशिक्षित पैरामेडिक है और कैट्स एम्बुलेंस सेवा के साथ काम करता है। वह 15 लीटर के ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए 40 हजार और 50 लीटर के सिलेंडर के लिए 90 हजार रूपये तक वसूलता था। उन्होंने बताया कि पवन अपना मोबाइल नंबर इंस्टाग्राम पर डाल रखा था जिसके बाद उसके पास ऑक्सीजन सिलेंडर लेने के लिए फोन आने लगे। एम्बुलेंस में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को लाने-ले जाने के लिए जो ऑक्सीजन सिलेंडर आवंटित किए जाते थे वह उन में हेरफेर करता था। खरीददार उसे पेटीएम से भुगतान करते थे। आरोपी के सहयोगी विपिन नागर और रोहित नागर इस काम में उसकी मदद करते थे। ये दोनों आरोपी भी पैरामेडिक हैं।

खान चाचा के मालिक नवनीत के खिलाफ लुकआउट नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कारोबारी नवीन कालरा के रेस्तरां से 500 से अधिक ऑक्सीजन सांद्रक (कंस्ट्रेटर) बरामद होने के मामले में उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह संदेह जताया जा रहा है कि कालरा अपने परिवार के साथ दिल्ली से भाग गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ऑक्सीजन सांद्रकों की कथित कालाबाजारी और जमाखोरी के संबंध में कालरा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। पुलिस ने इससे पहले बताया था कि कालरा की तलाश में दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में कई जगह छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने शनिवार को इस मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी थी। दक्षिण दिल्ली में गुरुवार को कालरा के एक और रेस्तरां तथा फार्महाउस से 417 ऑक्सीजन सांद्रक बरामद किए गए थे।

संक्रमण दर 20 फीसदी के नीचे, चौबीस घंटे में आए 12,651 नए मामले

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण का ग्राफ धीरे-धीरे नीचे आ रहा है। दिल्ली में सोमवार को संक्रमण दर तीन हफ्ते के न्यूनतम स्तर 19.10 फीसदी पर आ गया है। सक्रिय मरीजों की दर भी आज घटकर 6.38 फीसदी हो गई है। यह 13 अप्रैल के बाद से सबसे कम है। कोविड-19 महामारी से गंभीर रूप से जूझ रही राजधानी में पिछले 24 घंटे के दौरान संक्रमण के 12,651 नए मामले सामने आए, जबकि इस दौरान 319 मरीजों की मौत हो गयी।

कालाबाजारी रोकने को कदम उठाए सरकार

जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने आप सरकार को दिया निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से कहा कि वे दवाओं और ऑक्सीजन सांद्रक (कंस्ट्रेटर) जैसे चिकित्सीय उपकरणों की जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए कदम उठाएं और इसके लिए अदालत के आदेश का इंतजार नहीं करें।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी तथा न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई पर कहा कि यदि सरकार को कुछ करना ही है तो वह किया जाए और इसके लिए अदालत के आदेश का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

पीठ ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय तथा दिल्ली सरकार को इस याचिका पर नोटिस जारी किये। याचिका में दवाओं तथा उपकरणों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी करने के मामलों की सुनवाई के लिए त्वरित अदालतों के गठन का भी अनुरोध किया गया है। दिल्ली निवासी मनीषा चौहान ने अदालतों में ऐसे मामलों को देखने के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने की भी मांग की है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकीलों ने अदालत से कहा कि कोविड उपचार में आवश्यक दवाओं और उपकरणों को आवश्यक वस्तु घोषित करने संबंधी अधिसूचना नहीं होने के कारण इनकी जमाखोरी और कालाबाजारी हो रही है। लोग इसका फायदा उठाना चाह रहे हैं और ऐसा लगता है कि निचली अदालतें इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय के आदेश से अवगत नहीं हैं।

दिल्ली में खुशनुमा रही सोमवार की सुबह, बारिश से गिरा पारा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्लीवासियों के लिए सोमवार की सुबह खुशनुमा रही जहां न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस समय के लिए यह तापमान सामान्य की श्रेणी में आता है। रविवार को शहर के कुछ हिस्सों में बारिश होने और ओले गिरने से लोगों को गर्मी के मौसम से थोड़ी राहत मिली।

सोमवार सुबह 8.30 बजे 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी में 0.6 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विज्ञानियों ने दिन में सामान्य तौर पर बादल छाये रहने और हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की है। सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सि0यस के आसपास रहने का अनुमान है।

रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम ऐप के अनुसार, तेज हवा के कारण कल शाम 5.30 बजे तक पारा गिरकर 32 डिग्री सेल्सियस के स्तर पर आ गया था।

कोविड राहत सामग्री मंगाने वालों को मिले कर में छूट : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- केंद्रीय वित्तमंत्री से किया अनुरोध

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से विदेश से कोविड राहत सामग्री मंगाने वाले दानदाताओं को एकीकृत माल और सेवा कर से छूट देने का रविवार को अनुरोध किया।

दिल्ली के वित्त मंत्री सिसोदिया ने सीतारमण को लिखे एक पत्र में निःशुल्क वितरण के लिए भारत के बाहर से दान में मिले सामान पर एकीकृत माल और सेवा कर संबंधी छूट 30 जून तक बढ़ाने के केंद्र सरकार के कदम की सराहना की।

सिसोदिया ने कहा कि दानदाता संगठनों की एक और श्रेणी है, जिसमें सरकारी, गैर सरकारी या निजी संगठन विदेश से ये सामग्री सीधे मंगा रहे हैं और केंद्र या राज्य सरकारों को इसकी आपूर्ति कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ये संगठन आईजीएसटी छूट के तहत नहीं आते हैं क्योंकि वे मुफ्त में जीवन-रक्षक सामग्री नहीं मंगा रहे बल्कि इसके लिए भुगतान करते हैं।

स्कूल ऑडिटोरियम 40 बेड्स के कोरोना केयर सेंटर में तब्दील

ऑक्सीजन बेड, दवाइयां समेत अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ लैस हुआ केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोविड मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अस्पतालों में बेड की कमी को दूर करने के लिए गुरुद्वारा, मंदिर, स्कूल और कॉलेज सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में द्वारका स्थिति माउंट कार्मेल स्कूल सोसाइटी राजधानी का पहला निजी स्कूल बन गया है जो कोरोना केयर सेंटर में तब्दील किया गया है।

स्कूल के ऑडिटोरिय में 40 ऑक्सीजन बेड्स लगाए गए हैं। इस सेंटर को दवाइयां समेत अन्य चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया गया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि जरूरत पड़ने

माउंट कार्मेल स्कूल का दौरा अधिकारियों संग चर्चा करते उपमुख्यमंत्री सिसोदिया।

विजय विलियम कोरोना केअर सेंटर को बड़े अस्पताल से जोड़ेंगे।

मनीष सिसोदिया ने सोमवार को माउंट कार्मेल स्कूल सोसाइटी, द्वारका द्वारा शुरू किए गए विजय विलियम कोरोना केअर सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि स्कूल के संस्थापक डॉ. वी.के.विलियम का एक सप्ताह पहले निधन हो गया। इस मुश्किल घड़ी में माउंट कार्मेल स्कूल द्वारा उठाया गया यह कदम बहुत ही मानवता भरा है। उन्होंने कहा कि इस सेंटर में मौजूद बेड्स, और बाकी सुविधाएं उन्हें आत्मविश्वास देती है कि उनके पास इस संकट से लड़ने के लिए संसाधन है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे देश दुनिया एक कठिन दौर से गुजर रही है। 22 अप्रैल से 5 मई तक का समय दिल्ली के लिए काफी मुश्किल भरा था। इस समय कोरोना के सबसे ज्यादा मामले आ रहे थे। संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों में बेड्स की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 20 हजार कर दी लेकिन ऑक्सीजन की कमी आड़े आ गई।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 मई, 2021

कोरोना मरीजों का एलोपैथी के साथ ही आयुर्वेदिक पद्धति से भी होगा इलाज

सिद्धेश्वर स्कूल सेक्टर नौ में शुरू हुआ 50 बेड का कोविड केयर सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-9 में सिद्धेश्वर स्कूल में कोविड केयर सेंटर का शुभारंभ करते विधायक सुधीर सिंगला।

सेवा भारती द्वारा सिद्धेश्वर स्कूल सेक्टर-9 स्कूल में बनाए गए कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन सोमवार को विधायक सुधीर सिंगला ने किया। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव, श्री एसएन सिद्धेश्वर स्कूल व मंदिर के अध्यक्ष राम अवतार बिट्टू, शिक्षाविद् डॉ. अशोक दिवाकर समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गुरुग्राम शहर में ऑक्सीजन बेड व आइसोलेशन वार्ड की आवश्यकता को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था सेवा भारती ने यह 50 बेड का कोविड केयर सेंटर शुरू किया है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि इस सेंटर का संचालन करके सेवा भारती ने अपने नाम को सार्थक किया है। वास्तव में जिस तरह से कोरोना महामारी का प्रकोप है, उससे समाज विकट परिस्थिति से गुजर रहा। ऐसे में समाज के हर वर्ग को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता है। अनेक संस्थाएं इस पुनीत कार्य में लगी हुई हैं। सेवा भारती भी इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

सुधीर सिंगला के अनुसार सरकार इस महामारी से निपटने के लिए बेहतर कार्य कर रही है। अपने घरों में आइसोलेट कोरोना प्रभावित लोगों तक आक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने का कार्य कर रही है। बीपीएल परिवारों को उनके खाते में पांच हजार रुपये दे रही है। प्रदेश सरकार बीपीएल कार्ड धारक को किसी भी अस्पताल में इलाज कराने पर 35 हजार रुपये तक का सहयोग कर रही है। हर स्तर पर सरकार काम कर रही है। फिर भी स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग के बिना इस महामारी पर काबू पाना मुश्किल कार्य है। श्री सिंगला ने लोगों से भी आह्वान किया कि बदलते परिवेश में हमे भी अपनी कार्यशैली, जीवनशैली बदलने की आवश्यकता है। शारीरिक दूरी के साथ मास्क का नियमित प्रयोग करें। अनावश्यक घर से बाहर न निकले। शिक्षाविद डॉ. अशोक दिवाकर व सिद्देश्वर स्कूल के अध्यक्ष रामअवतार गर्ग का कहना है कि यह जनसेवा सेंटर पूर्णतया निःशुल्क होगा। इलाज से लेकर दवा व भोजन की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। उनके अनुसार 24 घन्टे नर्स व चिकित्सक की पूर्ण व्यवस्था की गई है। इसके अलावा स्वयंसेवक भी लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे।

इस सेंटर पर लगभग 20 स्वयंसेवक कार्य करेंगे। एक समय में 10 स्वयंसेवक कोरोना से पीड़ित लोगों का सहयोग करेंगे। यहां एलोपैथी इलाज के अलावा आयुर्वेदिक पद्धति से भी इस महामारी के प्रकोप को कम किया जाएगा। उनके अनुसार वातवरण को शुद्ध करने के लिए प्रतिदिन हवन यज्ञ के साथ ही योग साधना भी किया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह हरीश कुमार, महानगर कार्यवाह संजीव सैनी, सेवा भारती के जिला अध्यक्ष रामसजन सिंह, कोविड केयर सेंटर के सहयोगी दीपक कुमार, चिदंबरम, मोहित, भूपेंद्र, हरीश शर्मा के अलावा डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुज गर्ग, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. भारत भूषण विशेष रूप से उपस्थित थे।

गांवों में कोरोना का प्रसार रोकने को 7 हाई रिस्क क्षेत्रों में जुटा स्वास्थ्य विभाग

स्वास्थ्य विभाग की 138 टीमें घर-घर जाकर लोगों की कर रही हैं टेस्टिंग

3टी टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट पर ध्यान केंद्रित करते हुए किया जा रहा है काम

गुरुग्राम। जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना का प्रसार रोकने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 7 हाई रिस्क क्षेत्रों का एक्शन प्लान बनाया गया है। इसके तहत सघन टेस्टिंग अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमित मरीजों की जल्द से जल्द से पहचान कर उन्हें आइसोलेट करते हुए उनका ईलाज किया जा सके।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर ने अब धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में जरूरी है कि 3टी-टेस्टिंग, ट्रेसिंग व ट्रीटमेंट पर फोकस करते हुए कार्य योजना बनाई जाए। इसी कड़ी में राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला के ग्रामीण क्षेत्रों की ऐसे 7 पीएचसी क्षेत्रों नामतः भोंडसी, पलड़ा, बादशाहपुर, कासन, भांगरौला, भौड़ाकलां व फर्रूखनगर की पहचान की गई है, जहां पर कोरोना के मामले अपेक्षाकृत अधिक देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3टी पर काम करते हुए 138 टीमें फील्ड में उतारी गई हैं, जो घर-घर जाकर एंटीजन टेस्टिंग के माध्यम से कोरोना के मरीजों की पहचान कर रही हैं। सिविल सर्जन डा. विरेन्द्र यादव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना के लक्षण वाले मरीजों की मॉनीटरिंग की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह टेस्टिंग अभियान 8 मई से शुरू किया गया है। इन टीमों द्वारा 8 मई को 1669 घरों में रहने वाले लोगों के रैपिड एंटीजन टेस्टिंग से सैंपल लिए गए जिनमें से 25 लोग पॉजीटिव पाए गए। इसी प्रकार, 9 मई को 2194 ग्रामीणों के सेंपल एकत्रित किए गए, जिनमें से 33 लोगों की रिपोर्ट पॉजीटिव आई।

संक्षिप्त समाचार

दौला मार्ग पर बनी एमवीएन सोसायटी में कोरोना का विस्फोट

सोहना। दौला मार्ग पर स्थित एमवीएन सोसायटी में कोरोना का विस्फोट निकला। सोसायटी में मजदूरी करने वाले 10 से 12 मजदूरों के परिजन कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सभी मजदूरों को झोपड़ियों में ही क्वारेंटाइन किया गया है। शहर की सोसायटियों में रहने वाले परिवार कोरोना की चपेट में आने लगे हैं। इस वर्ष शहर में कोरोना ने सबसे पहले दस्तक गुरुग्राम मार्ग पर स्थित शहर की चुंगी नंबर एक पर स्थित एलडीको सोसायटी में कोरोना संक्रमित पास गए थे। जहां पर एक साथ तीन मामले कोरोना के पाए थे। एलडीको के बाद अब दौला मार्ग पर बनी एमवीएन सोसायटी में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करने वाले 10 से 12 परिवारों के सदस्य कोरोना संकमित हो गए हैं। सोसायटी के अंदर ही मजदूर झोपड़ियों में रह रहे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोसायटी के प्रशासकों ने इसकी जानकारी परिसर से बाहर नहीं जाने दी। जानकारों ने बताया कि सभी कोरोना संक्रमित मजदूरों को झोपड़ियों में ही आइसोलेट किया है। सूत्रों ने बताया कि मजदूरों ने तुरन्त ही आम लोगों से सम्पर्क तोड़ दिया है। जो स्वयं ही अपना खाना बनाकर खा रहे हैं।

हमले के आरोप में सात आरोपियों पर केस दर्ज

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत परिवार पर लाठी-डंडा व लोहे की रोड से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी धर्मेंद्र के अनुसार गांव सोल्ड़ा निवासी प्रेमपाल ने शिकायत दर्ज कराई है कि प्लाट में पशुओं के लिए खूंटे गाढ़ने को लेकर गांव निवासी किरणपाल के परिवार के साथ गत सात मई को कहासुनी हो गई थी। जिसका आठ मई को समझौता भी हो गया। आठ मई की शाम को पीड़ित का पुत्र सुंदर दुकान से सामान लेकर घर आ रहा था। उसी दौरान सुंदर को किरणपाल के पुत्र बंटी उर्फ विरेंद्र ने रास्ते में रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। पीड़ित 9 मई की सुबह आठ बजे गांव के दो-तीन मौजीज लोगों को साथ लेकर किरणपाल के पास गया और दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हुई। उसी दौरान किरणपाल, बंटी, दयानंद, मनसो, योगेश, दलीप व सूरज ने मिलकर पीड़ित व उसके परिवार के सदस्य हुकमपाल, नानक उर्फ दुदा, सुंदर व अनीता पर लाठी-डंडा और लोहे की रोड से हमला कर दिया तथा जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने कच्ची शराब बरामद की, आरोपी फरार

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत माला सिंह फार्म (बागपुर) के खेतों में भट्टी से कच्ची शराब निकाल रहे दो व्यक्ति पुलिस को देख मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से दस लीटर कच्ची शराब को बरामद कर एक नामजद व एक अन्य आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी विनोद के अनुसार मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि माला सिंह फार्म निवासी भजन सिंह शराब तस्करी का धंधा करता है और फिलहाल अपने खेतों में भट्टी लगाकर कच्ची शराब निकाल रहा है। सूचना मिलते ही टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई तो दो व्यक्ति दूर से ही पुलिस की गाड़ी के देख मौके से फरार हो गए। मौके से सफेद रंग की प्लास्टिक कैन को बरामद किया गया जिसमें दस लीटर कच्ची शराब भरी हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाद्य सामग्री के रेट तय

पलवल। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक वस्तुओं के तथा खाद्य सामग्री के रेट निर्धारित किए गए हैं ताकि कोई भी व्यक्ति निर्धारित दरों से अधिक रेट पर सामान की बिक्री न कर सके। जिला में इस समय खाद्य सामग्री का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला में सोमवार 10 मई को सब्जियों व फलों के मंडी के रेट इस प्रकार रहे, जिसमें आलू की दर 700 से 850 रुपये प्रति क्विंटल, प्याज की दर 1000 से 1200 रुपये रुपये प्रति क्विंटल, टमाटर की दर 400 से 600 रुपये प्रति क्विंटल, घीया की दर 700 से 800 रुपये प्रति क्विंटल, गोभी 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल, हरी मिर्च की दर 1200 रुपये प्रति क्विंटल, कद्दू की दर 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल, बैंगन की दर 1200 से 1400 रुपये प्रति क्विंटल, खीरा की दर 500 से 700 रुपये प्रति क्विंटल, शिमला मिर्च की दर 800 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल, लहसुन की दर 3200 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल, फूल गोभी की दर 1500 रुपये प्रति क्विंटल, करेला की दर 700 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल व भिंडी 1200 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल की दर रही। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार जिला में केले की दर 1500 रुपये प्रति क्विंटल, अंगूर की दर 4000 रुपये प्रति क्विंटल, सेब की दर 7000 रुपये प्रति क्विंटल, पपीता की दर 4000 रुपये प्रति क्विंटल तथा आम की दर 2800 से 3000 रुपये प्रति क्विंटल की दर रही।

नगर निगम गुरुग्राम ने दाह-संस्कार के रेट किए निर्धारित

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा दाह-संस्कार के लिए 5500 रुपये का चार्ज निर्धारित किया गया है। इसमें लकड़ियों का खर्च, पंडित की फीस एवं सफाई का शुल्क शामिल है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त द्वारा निगम सीमा में स्थित शमसान घाटों के इंचार्जों को निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि आम जनता द्वारा यह शिकायत की गई थी कि विभिन्न श्मशान घाट इंचार्जों द्वारा अलग-अलग शुल्क वसूल किए जा रहे हैं। निगमायुक्त ने जनहित को ध्यान में रखते हुए 5500 रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इन आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आदेशों में श्मशान घाट इंचार्जों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बारे में रोजाना की रिपोर्ट नगर निगम गुरुग्राम को भेजना सुनिश्चित करेंगे।

व्यवस्था बनाए रखने को इंसीडेंट कमांडर नियुक्त

पलवल। जिलाधीश नरेश नरवाल ने जिला में कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इंसीडेंट कमांडर नियुक्त किए हैं, जो ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में कोविड-19 की गाइडलाइन की अनुपालना सुनिश्चित करवाएंगे ताकि कोरोना संक्रमण को नियंत्रित किया जा सके। जिलाधीश नरेश नरवाल ने नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-1,2,27 से 30 क्षेत्र के लिए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक नरेंद्र सहरावत, नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-10 से 17 क्षेत्र के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, पुलिस स्टेशन गदपुरी क्षेत्र के लिए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड पलवल के उपमंडल अभियंता देव रतन, पुलिस स्टेशन सदर पलवल क्षेत्र के लिए कृषि विभाग पलवल के उपमंडल अधिकारी कुलदीप तेवतिया को ड्यूटी मजिस्ट्रेट अथवा इंसीडेंट कमांडर नियुक्त किया गया है।

डोर-टू-डोर ऑक्सीजन का जल्द वितरण हो सुनिश्चित

कैम्प कार्यालय में निगमायुक्त जितेंद्र यादव ने अधिकारियों एवं डिलीवरी एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ऑक्सीजन वितरण को लेकर बैठक लेते नगर निगम आयुक्त जितेंद्र यादव।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त जितेंद्र यादव ने सोमवार को कैम्प कार्यालय में निगम अधिकारियों एवं डिलीवरी एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन वितरण को कम से कम समय में मरीज तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

इसके लिए नगर निगम के चारों जोनों में अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए गए। एक जोन में जमैटो, एक जोन में डिलीवरी तथा 2 जोन में नगर निगम गुरुग्राम एवं सेवा भारती परिषद की टीमें डोर-टू-डोर ऑक्सीजन वितरण की व्यवस्था संभालेंगे। इसके अलावा नगर निगम गुरुग्राम की सीमा से बाहर के क्षेत्रों में नगर निगम गुरुग्राम की टीमें यह जिम्मेदारी निभाएंगी। श्री यादव ने कहा कि इस व्यवस्था में भुगतान के लिए अलग से बैंक खाता खुलवाया जाएगा। ऑक्सीजन का भुगतान क्यू आर कोड के माध्यम से सीधे बैंक खाते में होगा। प्रत्येक एजेंसी व टीम का अलग-अलग क्यूआर कोड होगा। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था में खाली सिलेंडर के बदले लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन से भरा हुआ सिलेंडर मरीज के घर पर उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में रहने वाले कोविड मरीज या उसके परिजन द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। प्राप्त आवेदन के आधार पर कम से कम समय में आवेदनकर्ता तक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचनी सुनिश्चित की जाएगी। यह व्यवस्था पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। बैठक में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजनारायण कौशिक, अतिरिक्त निगमायुक्त सुरेंद्र सिंह, एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर रोहताश बिश्नोई, डिस्ट्रिक्ट ड्रग कंट्रोल ऑफिसर अमनदीप चौहान, सयुंक्त आयुक्त हरिओम अत्री, अधीक्षक अभियंता रमेश शर्मा, एटीपी सिद्धार्थ खण्डेलवाल सहित जमैटो व डिलीवरी कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिजली कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा घोषित करने की मांग

गुरुग्राम। कोरोना महामारी से लगातार बिजली कर्मचारी एवं अधिकारी संक्रमित हो रहे हैं। इस कारण कर्मी लगातार काल का ग्रास बन रहे हैं। इसलिए बिजली कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा घोषित किया जाए। यह मांग हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन गुरुग्राम की ओर से की गई है।

एसोसिएशन के ऑर्गेनाइजर बनवारी लाल शर्मा ने गुरुग्राम के हालात को देखते हुए राज्य सरकार एवं निगम मैनेजमेंटों से सुरक्षा की मांग की है। इस दौर में बिजली निगमों के कच्चे पक्के कर्मचारी एवं अधिकारी लगातार अपनी जान को जोखिम में डालकर फील्ड में लाइनों पर रात दिन कार्य करते रहते हैं। इस कारण वे संक्रमित भी हो रहे हैं।

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय ने सीएम के समक्ष रखे गुरुग्राम के हालात

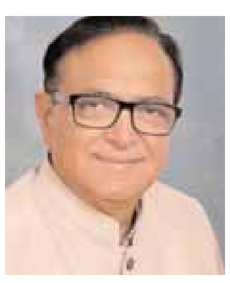

गुरुग्राम। कोरोना काल में गुरुग्राम में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ रही समस्याओं को लेकर सोमवार को पूर्व मंत्री कैप्टेन अजय सिंह यादव ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से चंडीगढ में उनके निवास स्थान पर जाकर दूरभाष के माध्यम से गुरुग्राम के हालात रखे।

कैप्टन अजय यादव ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहा जाने वाला गुरुग्राम के अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं है। वेंटिलेटर की कमी के चलते लोग दम तोड रहे हैं। इसलिए वित्त मंत्री होने के नाते जल्द से जल्द परचेज कमेटी द्वारा वेंटिलेटर की खरीदारी करवाई जाए। प्रदेश में रोजाना करीब 15 हजार मामले आ रहे हैं और सेंकड़ों लोग कोरोना से मर रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में लोगों को आर्थिक पैकेज व सूखा राशन दिया जाए। प्रदेश में कंप्लीट लॉकडाउन लगाया जाए, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके। श्री यादव ने कहा कि कोरोना काल में गुरुग्राम में जमकर कालाबाजारी हो रही है। उन पर भी कड़ा संज्ञान लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के अस्पतालों में खाली बेड नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में गुरुग्राम में जल्द से जल्द अस्थाई अस्पताल बनाने के आवश्यकता है। कैप्टन अजय सिंह ने गांवों के हालात ऐसे हो गए है कि लगभग हर परिवार में कोई न कोई बीमार है।

लगभग हर गांव में किसी न किसी व्यक्ति की कोरोन से मौत हो चुकी है। गांवों में कोरोना के टेस्ट नहीं हो रहे, साथ ही वैक्सिनेशन का भी बुरा हाल है। गांवों में पीएचसी सेंटर दूर-दूर स्थापित हैं। कैप्टन के मुताबिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आश्वासन दिया है कि आपके द्वारा बताई गई सभी खामियों का तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाएगा।

तीन सदस्यीय टीम देखेगी ऑक्सीजन आपूर्ति

गुरुग्राम। जिला में कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राज नारायण कौशिक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया है।

इस विशेष टीम के सदस्यों में गुरुग्राम नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह और जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव श्याम सुंदर शर्मा को शामिल किया गया है। गुरुग्राम के जिलाधीश डॉ. यश गर्ग ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि यह टीम जरूरतमंद मरीजों को समय पर लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। ऑक्सीजन वितरण में एनजीओ तथा अमेजॉन, जोमेटो, देहलीवेरी आदि का उपयोग इस प्रोजेक्ट की सफलता के लिए कर सकती है। टाइप-बी और टाइप-डी के सिलेंडरों के रीफिलिंग और डिलिवरी के रेट भी यही विशेष टीम निर्धारित करेगी और इनको उपायुक्त से अधिसूचित करवाएगी।

शहर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में आ रही कमी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के नागरिक अस्पताल में कोरोना की जांच करते हुए।

स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर से शहर के अति संवेदनशील वार्ड और कॉलोनियों में कोरोना जांच के शिविर लगाएगा। ताकि कोरोना संक्रमितों की खोज हो सके। शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या घटना के साथ-साथ होम आइसोलेट के ठीक होने का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण और कोरोना जांच के अभियान से कोरोना संक्रमितों की संख्या अब कम होने लगी है।

कोरोना संक्रमण रोग की शहरी क्षेत्र में उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोमवार को 48 घंटे पहले की गई करीब 150 लोगों की कोरोना जांच में 15 संक्रमित पाए गए है। सोमवार को 12 कोरोना संक्रमित ठीक हुए हैं। होम आइसोलेट होने वालों की संख्या 98 पहुंच तक आ गई है। पिछले चार दिन से आ रही रिपोर्ट के अनुसार होम आइसोलेट होने वालों की संख्या 100 से कम रही है। जिसमें सात मई को 76, 8 मई को 94, 9 मई को 95 और 10 मई को 98 रही है। जबकि पांच मई को होम आइसोलेट होने वालों की संख्या 132 थी। जो छह मई को 107 पर आ गई थी। उसके बाद से आइसोलेट होने वालों की संख्या में दिन प्रति दिन गिरावट हो रही है।

जो स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आम लोगों के लिए राहत की बात है। कोरोना संक्रमित होने वालों की संख्या में भी कमी आने लगी है। आठ मई को संक्रमितों की संख्या 57 थी। रविवार को यह संख्या 13 और सोमवार को 12 रह गई है।

क्या कहते हैं एसएमओ

नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए नागरिक अस्पताल की तरफ से अधिक संवेदनशील कॉलोनियां व वार्डों में जांच के शिविर लगाएं जाएंगे। जहां पर एन्टीजन के टेस्ट होंगे। सोमवार को शहर के वार्ड-5 में स्थित अंबेडकर भवन में शिविर लगाकर शुरुआत की गई।

दूसरे चरण के लॉकडाउन में पुलिस हुई सख्त, बाजार बंद कराए

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गुरुग्राम जाने वाला एलिवेटेड मार्ग पर पसरा सन्नाटा। सोहना की चुंगी नंबर एक पर पुलिसकर्मी नाकाबंदी करके बाइक सवार दंपति को रोकर लॉकडाउन का पाठ पढ़ाते हुए।

स्थानीय पुलिस ने दूसरे चरण के सम्पूर्ण लॉकडाउन में घरों से बाहर निकलने वालों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। पुलिस ने सोमवार सुबह ही बाजारों में खुली दुकानों को साढ़े आठ बजे से ही बंद करना शुरू कर दिया। जिससे बाजारों और सड़कों पर भीड़ कम हो गई। पुलिस का सख्त रवैया देखते हुए पूरा दिन स्थानीय सड़कें सुनसान पड़ी रहीं।

सोमवार से प्रदेश में लागू दूसरे चरण के साप्ताहिक सम्पूर्ण लॉकडान के पहले ही दिन प्रशासन और पुलिस के आदेशों में सख्ती नजर आई। पुराने शहर के मुख्य रास्तों पर बैरिकेडिंग करके पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया। शहर के बाजारों में खुली दुकानों को एक घंटे पहले ही बंद करानी शुरू कर दिया। पुलिस सुबह आठ बजे ही बाजारों की सड़कों पर उतर आई। जिससे घरों से जरूरत का सामान की खरीरी करने निकले लोगों में हड़कंप मच गया।

सोहना की सीमाएं सील

शहरी पुलिस ने दूसरे शहरों से आने वाले मार्गों पर सख्ती बरते हुए नाकाबंदी कर दी। नूंह, पलवल, मिडकौला, गुरुग्राम, तावडू को जाने वाली सड़कों पर शहर की सीमा में घुसने में पांबदी कर दी। सिटी चौकी पुलिस ने शहर के अंदर की सड़कों पर आने जाने वालों को पकड़ा और बिना कारण निकलने वालों पर सख्ती बरती।

सड़कों पर नहीं दिखे वाहन

सोमवार को शहर की अंदर और बाहर की सड़कों पर वाहनों की गति पर ब्रेक लग गया। गुरुग्राम-सोहना के बीच राष्ट्रीय एलिवेटेड मार्ग पर भी छोटे वाहन ही दौड़ते नजर आए।

क्या कहते हैं अधिकारी

सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश को पूर्णरूप से लागू किया जा रहा है। लॉकडाउन के नियम तोड़ने वालों पर केस दर्ज करने के साथ-साथ वाहनों को जब्त किया जाएगा। जिसके लिए पुलिस की टीमों को चयन करके नाकों पर तैनात कर दिया है।

पुलिस ने एलिवेटेड मार्ग पर सिटी थाना, अंबेडकर बाईपास चौक और चुंगी नंबर एक पर बैरिकेडिंग करके वाहना चालकों को लॉकडाउन का पाठ पढ़ाते हुए कानून का उल्लंघन न करने की सलाह दी।

सीएनएच इंडस्ट्रीयल द्वारा कोविड-19 के मामलों से निपटने के प्रयास जारी

कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद के लिए टास्क फोर्स का गठन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/ग्रे.नोएडा

पूरे देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए सीएनएच इंडस्ट्रियल ने कोविड-19 की रोकथाम के कई कदम उठाये हैं और इस कठिन समय में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहने को प्रतिबद्ध है। महामारी की शुरुआत से ही कम्पनी अपने ग्रेटर नोएडा, पुणे, पीथमपुर प्लांट और गुड़गांव कॉर्पोरेट कार्यालय में आवश्यक सावधानियां बरत रही है जैसे कि दैनिक तापमान की जांच, सामाजिक दूरी बनाए रखना, अरोग्य सेतु ऐप पर अनिवार्य पंजीकरण, कम्पनी के सभी केंद्रों पर मास्क और दस्ताने के साथ-साथ आंखों की सुरक्षा के उपकरणों का प्रावधान करना और फिर दैनिक स्वच्छता में नियमितता बरतना।

सीएनएच इंडस्ट्रीयल, इंडिया और सार्क के कंट्री मैनेजर, रौनक वर्मा ने बताया, सीएनएच इंडस्ट्रियल में हमारे लिए सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा है। हम ने अपने कार्मिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा के सभी उपाय किए हैं। हमारी नेतृत्व टीम और मेरे द्वारा हमारे कार्य स्थलों की स्थिति की रियल टाइम सीधी निगरानी की जाती है ताकि यदि कोई कर्मचारी बीमार हो और अस्पताल में भर्ती हो तो समय से सेवा और सहायता दी जाए। उन्होंने बताया, वैक्सीन जैसे ही उपलब्ध होंगे हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए वैक्सीन की व्यवस्था करने को प्रतिबद्ध हैं। यह काम पूरा होने के बाद हम कार्य क्षेत्र में आने के लिए वैक्सीनेशन होना अनिवार्य करने का लक्ष्य रखते हैं ताकि हमारे परिसर सुरक्षित रहें।

इस बीच हम कर्मचारियों को वायरस से बचाने के मोर्चे पर सबसे आगे रहेंगे और इसमें सरकार की मदद करते रहेंगे। हालांकि यह कदम भारत के सभी जिम्मेदार व्यवसाय संगठन आमतौर पर लेते हैं लेकिन सीएनएच इंडस्ट्रीयल इस लिहाज से खास है कि इसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कई अतिरिक्त महत्वपूर्ण उपाय किए हैं, जिनमें कोविड संक्रमण के प्रति सभी कर्मचारियों और उनके निकटतम परिवार जनों के लिए बीमा - जांच में पॉजिटिव या घर पर क्वारेंटाइन सभी कर्मचारियों को 50,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 मई, 2021

अब बिना कोरोना जांच के नहीं लगेगी वैक्सीन

आज से बीके अस्पताल में आने वालों की होगी कोरोना जांच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रविवार को जिले में कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर बंद थे। जिसके कारण लोगों की भारी भीड सोमवार को बीके अस्पताल में पहुंच गई, लेकिन यहां व्यवस्था अलग ही देखने को मिली। अधिकारियों की तरफ से यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की रैपिड जांच शुरू कर दी गई। ताकि यहां आने वाले लोग किसी को कोरोना संक्रमण का शिकार न बना सकें।

अस्पताल में वैक्सीनेशन करवाने वालों के लिए दो जांच शिविर लगाए गए। जिसमें पहली डोज और सैकेंड डोज लगवाने वाले सभी लोगों के सैम्पल जांच को लिए गए। दोपहर 12 बजे तक करीब 500 लोगों के सैम्पल जांच के लिए एकत्रित किए गए। दोपहर 12 बजे तक मात्र एक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जिस पर उक्त महिला को घर भेज दिया गया।

लगी लम्बी लाइन

पिछले दिनों वैक्सीनेशन कराने आए लोगों की भीड़ देखते हुए पायनियर की तरफ से शहर के वैक्सीनेशन सेंटरों की हालत का दृश्य प्रकाशित किया गया है। जिसे देखते हुए अस्पताल के वैक्सीनेशन सेंटर पर उसके बाद से लाइनें लगाई जा रही थीं, लेकिन भीड़ काबू में नहीं हो रही थी, लेकिन सोमवार को यहां एक अलग ही नजारा देखने को मिला। यहां आए लोगों को दूरी बनाते हुए पहली और दूसरी डोज की लाइनों में अलग-अलग खड़े रहने का संदेश पुलिसकर्मी ने दिया। डंडा लिए पुलिसकर्मी यहां से वहां लोगों को कोरोना से बचाव का संदेश देते हुए उचित दूरी बनाए रखने का पाठ पढ़ाते नजर आए।

होगी सबकी जांच

वैक्सीन लगवाने और फ्लू ओपीडी में आए लोगों की जांच कर रहे प्रयोगशाला और वैक्सीन लगा रहे कोरोना योद्धाओं ने बताया कि अब अस्पताल में आने वाले सभी लोगों की जांच की जाएगी। इसके निर्देश उन्हें जिला स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों ने जारी किए हैं। ताकि जिले में बढ़ते कोरोना के मामलों को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि सोमवार को तीन शिविर लगाकर जांच की गई है, लेकिन अब विभिन्न स्थानों पर पांच शिविर लगाकर जांच की जाएगी। ताकि कोरोना रोगियों को अलग किया जा सके। उन्होंने कहा कि वह हर संभव प्रयास करते हुए अधिक से अधिक टेस्टिंग पर जोर दे रहे हैं।

जिला अध्यक्ष ने की पदाधिकारियों और पार्षदों के साथ वर्चुअल बैठक

पायनियर समाचार सेवा। फ़रीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा में पार्षदों और जिला पदाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में प्रांत सम्पर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र, फरीदाबाद नगर निगम महापौर सुमन बाला, वरिष्ठ उप महापौर देवेन्द्र चौधरी, उप महापौर मनमोहन गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने फरीदाबाद जिले में कोरोना महामारी की रोकथाम, प्रबंधन एवं वैक्सिनेशन अभियान पर पार्षदों एवं भाजपा जिला पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं से महत्वपूर्ण चर्चा की। प्रांत सम्पर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र ने पार्षदों और कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए वैक्सिनेशन अभियान पर जोर देकर कहा कि हर किसी को जल्दी से जल्दी टीका लगवाया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति टीके से वंचित न रह पाए। कोरोना महामारी में टीका ही सुरक्षा दे सकता हैं।

टीकाकरण कराना ही मानव की सच्ची सेवा है। कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में टीकाकरण ही कारगर हथियार है जो अभयदान दे सकता है। सभी पार्षद और भाजपा कार्यकर्ता मानवता की सेवा में तन मन धन से पूर्ण योगदान देकर समाज की सेवा करें। उन्होंने कहा की सभी पार्षद अपने अपने वार्ड में हर व्यक्ति का टीकाकरण सुनिश्चहित करें। जिला प्रशासन द्वारा आक्शीजन सिलेंडर रीफिलिंग और रेमडेशिविर इंजेक्शन उपलब्ध कराने के लिए उचित प्रणाली विकसित की गई है। जगह जगह कोविड केयर सेंटर विकसित करके बेड की व्यवस्था की जा रही है।

स्वास्थ्य अधिकारी की लापरवाही से चली गई एक महिला की जान

वेंटीलेटर बेड खाली होने की बात कहकर मरीज बुलाया अस्पताल

कविता। पलवल

बीती रात पलवल में एक महिला मरीज की जान वहां के स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की गई लापरवाही के कारण चली गई। महिला के परिजनों को वेंटीलेटर देने की बात कहकर पलवल के सिविल अस्पताल में बुलवा लिया, लेकिन उसे वेंटीलेटर बेड दो घंटे तक भी उपलब्ध नहीं कराया। फोन रिसीव न होने पर परिजनों ने एक निजी अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन इलाज के आभाव में महिला की मौत हो गई। इस विषय में जब सीएमओ, पलवल से बात करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

नहीं मिले डॉक्टर

फरीदाबाद के डीग गांव निवासी पवन ने बताया कि उसकी 34 वर्षीय बहन अनीता कोरोना ग्रस्त हो गई। शनिवार रात को फरीदाबाद में जगह न मिलने पर पलवल के बघौला गांव में स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ऑक्सीजन लेबल कम होने पर उसे रविवार की रात को वेंटीलेटर की जरूरत बताई गई। पूछताछ में पता चला कि पलवल में वैंटीलेटर की सुविधा है। पानीपत और पलवल के बीजेपी जिला अध्यक्षों ने सीएमओ को महिला को दाखिल करने के लिए कहा। जिस पर सीएमओ ने पवन को उसकी बहन अनीता को पलवल सिविल अस्पताल में वैंटीलेटर वाला बिस्तर उपलब्ध कराने का वायदा किया। उन्होंने एम्बुलेंस भेजकर मरीज को सिविल अस्पताल में बुलवा लिया, लेकिन न तो स्टाफ को इसकी सूचना नहीं दी। मिन्नते करने पर आधे घंटे बाद मरीज को ऑक्सीजन लगाई गई।

नहीं दिया वेंटीलेटर

ऑक्सीजन का लेबल पूरा करके चिकित्सकों ने चला दिया, लेकिन इसके बाद कोई सुनवाई नहीं की। वेंटीलेटर के लिए सीएमओ को 18 बजकर 47 मिनट से 21 बजकर 14 मिनट तक लगातार फोन किए, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। एक दो बार किसी अन्य ने उनका फोन रिसीव कर बताया कि सीएमओ ने कॉल डायवर्ड कर रखा है। जिस पर वे मरीज को एक निजी अस्पताल ले जाने का जतन करने लगे, लेकिन एम्बुलेंस मिलने से पहले ही अनीता ने दम तोड़ दिया।

परिजनों ने लगाया आरोप

पवन का कहना है कि अनीता की मौत पलवल सीएमओ की लापरवाही से हुई है। यदि सीएमओ द्वारा स्टाफ व चिकित्सकों को पहले बता दिया, होता, तो आज वेंटीलेटर पर ही सही अनीता जिंदा होती। सीएमओ को इस तरह से मरीजों की जान से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। यदि वेंटीलेटर अस्पताल में नहीं था तो मना कर देते, करीब दो से ढाई घंटे तक अनीता तड़पती तो नहीं।

कोरोना से जिले में 50 मौत सरकारी आंकड़ों में मात्र 8

जिले में 1347 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 89444

मृतक में 27 पॉजिटिव फरीदाबाद से और शेष 23 अन्य शहरों से शामिल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जहां एक तरफ कोरोना संक्रमित मरीज तेजी से ठीक होने का आंकड़ा जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दर्शाया जा रहा है, लेकिन आज भी कोरोना पॉजिटिव मृतकों की संख्या का आंकड़ा बढ़ रहा है।

सोमवार को जिले में जहां एक तरफ 50 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम की टीमों के द्वारा शहर के विभिन्न श्मशान घाटों पर किया गया। वहीं दूसरी तरफ जिला स्वास्थ्य विभाग ने मात्र आठ मृतकों की मौत का आंकड़ा दर्शा कर काम समाप्त कर दिया। जबकि जिले में किए गए 50 अंतिम संस्कारों में 27 पॉजिटिव फरीदाबाद से और शेष 23 पॉजिटिव अन्य शहरों से शामिल थे।

सोमवार को जारी स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक कोरोना पीड़ित 1347 नए मरीज पाए गए हैं। जबकि कोरोना को मात देने वाले लोगों की संख्या 2355 दर्शाई गई। वहीं जिले का रिकवरी रेट 85.2 प्रतिशत दर्शाया गया। 1347 मरीजों में शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग शामिल रहे। जिसमें सर्वाधिक मरीज सेक्टर-16 से 56, सेक्टर-21 से 48, सैनिक कॉलोनी से 37, जवाहर कॉलोनी से 26, सेक्टर-8 से 39, सेक्टर-3 से 32, सेक्टर-28 से 46, सेक्टर-86 से 36, सेक्टर-88 से 34, एसजीएम नगर से 44, एनएच-दो से 28, सेक्टर-9 से 22, सेक्टर-15 से 23, सेक्टर-19 से 24, सेक्टर-55 से 20, सेक्टर-37 से 18, सेक्टर-7 से 26 और बाकि अन्य एरियों से मरीज शामिल रहे।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचें	: 718261
अब तक पॉजिटिव	: 89444
अब तक नेगेटिव	: 626960
रिपोर्ट आनी शेष	: 1857
ऑक्सीजन पर हैं	: 889
वैंटिलेटर पर हैं	: 87
अब तक कुल मौत	: 584
अब तक ठीक	: 76175
जिले में एक्टिव	: 12685

लूटपाट करने वाले गिरोह का तीसरा सदस्य गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने फरीदाबाद में छह मई की रात को गुड़गांव कैनाल बल्लभगढ़ के पास से राहगीर से गाड़ी, रुपये और मोबाइल फोन हथियारों के बल पर लूटने वाले गिरोह के एक ओर सदस्य अनीश उर्फ राजू को गिरफ्तार किया है। पुलिस इससे पहले गिरोह के दो सदस्यों चिन्टू उर्फ चरणजीत और राहुल बंगाली को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जिसमें सामने आया कि आरोपियों ने हथियारों से फायरिंग करके एक ही रात में अलग- अलग जगह पर चार वारदातों को अंजाम दिया था।

छह मई की रात आरोपियों ने सबसे पहले ड्यूटी से लौट रहे प्रधान सिपाही कुशल कुमार की कार रुकवाकर लूटने की कोशिश की थी। बाईपास पर चावला कॉलोनी के पास टैक्सी चालक से पिस्तौल के बल पर उसकी कार लूटी थी। कार से सुभाष कॉलोनी पहुंचे। जहां उन्होंने आकाश नामक युवक पर गोली चलाई, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। आरोपियों ने दयालपुर में भी एक युवक पर गोली चलाई थी। इससे पहले आरोपियों ने छांयसा थानाक्षेत्र से पिस्तौल दिखाकर एक बाइक, मोबाइल और पैसे लूटे थे। इसी बाइक से आरोपियों ने टैक्सी ड्राईवर से कार लूटी थी। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 प्रभारी राकेश कुमार की टीम ने तीसरे आरोपी अनीश उर्फ राजू को रविवार को आईएमटी पुल के पास से एक देशी कट्टा व 9 कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

कुत्तों को बिस्किट खिलातीं पुलिस उपायुक्त डॉ. अंशु सिंगला।

माइक्रो कंटेनमेंट जोन में तैनात पुलिस कर्मियों का हौसला बढ़ाया

लॉकडाउन में पक्षियों और जानवरों का भी रखें ख्याल : अंशु सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस उपायुक्त डॉ. अंशु सिंगला ने सेक्टर 46 व सेक्टर 21सी में माइक्रो कंटेनमेंट ड्यूटियों का जायजा लेकर पुलिस कर्मचारियों को कोरोना ड्यूटी से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सिंगला ने ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मचारियों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए और कहा कि पुलिसकर्मी मास्क पहने, सैनिटाइजर का उपयोग करें, उचित दूरी बनाए रखें और रोग प्रतिरोधक बढ़ाने वाली दवाओं का सेवन करते रहें ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

पुलिस उपायुक्त ने थाना व् चौकी प्रभारी को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि वह अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों का ख्याल रखें। पुलिसकर्मी इस विकट घड़ी में कड़ी मेहनत के साथ ड्यूटी कर रहे हैं। अब यही आपका परिवार है इसलिए उनके खान-पान, रेस्ट और सेहत का पूरा ध्यान रखें। सिंगला ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान बाजार बंद है जिसकी वजह से जानवरों को पानी और खाना नहीं मिल पा रहा जिसकी वजह से वह भूख प्यास से तड़प रहे हैं। इसलिए नागरिकों से अनुरोध है कि वह अपने घर के बाहर पक्षियों और जानवरों के लिए पानी व भोजन की व्यवस्था करें। इस विकट समय में आप ही उनका एकमात्र सहारा है इसलिए उनका विशेष तौर पर ख्याल रखें। माइक्रो कंटेनमेंट जोन में तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश देते हुए सिंगला ने कहा कि कोरोना के मरीज दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं इसलिए संक्रमण को रोकने के लिए पुलिस द्वारा सख्ती से लॉकडाउन के नियमों का पालन करवाया जाना अति आवश्यक है।

लॉकडाउन में सिर्फ 11 लोगों की उपस्थिति में होगी शादी

बढ़ती मृत्यु दर को देखते हुए सूखे पेड़ काटने की अनुमति दी

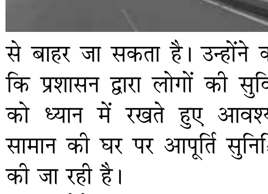

देश और प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन यशपाल ने आदेश जारी करके लॉकडाऊन की अवधि को 10 मई से बढ़ाकर 17 मई 2021 प्रात:काल पांच बजे तक कर दिया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बढ़ाई गई लॉकडाउन की इस अवधि को महामारी अलर्ट सुरक्षित हरियाणा का नाम दिया गया है।

जिलाधीश ने बताया कि लॉकडाउन की बढ़ाई गई इस अवधि में कुछ शर्तों में संशोधन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि शादी या अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में अब केवल 11 व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। बारात के लिए अनुमति नहीं होगी, केवल घर पर या कोर्ट में अधिक से अधिक 11 लोगों की उपस्थिति के साथ शादी करने की अनुमति होगी। नए आदेशों के तहत दूध डेयरी और दूध से बने सामान से सम्बंधित दुकानें प्रात : आठ बजे से दोपहर एक बजे तक और सायं छह बजे से आठ बजे तक खोलने की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि वन विभाग को सुखे पेड़ काटने की अनुमति दी गई है ताकि इस महामारी में नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी और जिला प्रशासन को पर्याप्त मात्रा में सूखा ईंधन उपलब्ध हो सके।

यशपाल ने कहा कि 17 मई तक लोग अपने घरों में रहें। किसी भी व्यक्ति को बिना वजह बाहर घूमने, वाहन लेकर चलने और सार्वजनिक स्थलों पर इकट्ठे होने या टहलने की अनुमति नहीं होगी। आपातकालीन स्थिति या अत्याधिक आवश्यक होने पर सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करके अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही कोई भी व्यक्ति घर या शहर से बाहर जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सामान की घर पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाओं के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। इन नियंत्रण कक्षों पर कोई भी व्यक्ति कोरोना से सम्बंधित अथवा चिकित्सा से सम्बंधित अपनी समस्या बता सकता है और जिला प्रशासन द्वारा उस पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाकडाउन को लेकर शेष हिदायतें तीन मई को जारी किए गए आदेशों के अनुरूप ही रहेंगी। उन्होंने इन ओदशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है और आदेशों की हिदायतों के पालन के लिए पुलिस और सिविल प्रशासन निरंतर चेकिंग भी कर रहा है।

तीन मई को जारी किए गए निर्देशों में जिन व्यक्तियों और सेवाओं को छूट दी गई है उनमें ऐसे लोग जो लॉ एंड आर्डर या आपात सेवाओं में तैनात होंगे। इनमें म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना, सीआरपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्निशमन, मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर इन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी। इसके अलावा किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए या परीक्षा में ड्यूटी आदि पर जाने वाले लोगों को भी एडमिट कार्ड, पहचान पत्र दिखाकर आने-जाने में छूट रहेगी। शेष अन्य नियम लॉकडाउन एक के ही मान्य रहेंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कर रहा जरूरमंदों की मदद

फरीदाबाद। जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में पैनल अधिवक्तागण की टीम कोरोना के प्रति जागरूक कर रही है। जिसमें रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, शिव कुमार, ओम प्रकाश सैनी, गगन कुमार, अनिल गुप्ता, लखीराम और संगीता शर्मा जरूरतमंदों की मदद के लिए जुटे हुए हैं।

रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने बताया कि कोरोना महामारी फिर से बढ़ने के कारण कमजोर तबके के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम के पैनल अधिवक्ता गणों ने जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। स्लम बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को मास्क सैनिटाइजर वह इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए काढ़ा ऑक्सीजन का उपलब्ध कोरोना मरीजों के लिए खाने की व्यवस्था करना जो लोग अपने घर जा रहे हैं। उनके लिए खाने की व्यवस्था करना और जो लोग लॉकडाउन के कारण अपने घर पर हैं खाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है उन्हें कच्चा राशन उपलब्ध कराना। इसी कड़ी में न्यायालय परिसर सेक्टर 12 फरीदाबाद में एक हेल्प डेस्क बनाकर आने वाले अधिवक्ता गणों वह मुवक्किल को मास्क सैनिटाइजर का वितरण किया और उन लोगों को यह भी बताया कि अभी कोर्ट बंद है आपको कोर्ट में आने की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम ने दुकानदारों को पढ़ाया नियमों का पाठ

बल्लभगढ़। एसडीएम अपराजिता ने आज सोमवार को बल्लभगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में किरयाने की दुकानों और फल, सब्जी बेचने वाली रेडियो के रेटों की जांच की और उन्हें सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार दिशा निर्देश भी दिए। एसडीएम कम इंसीडेंट कमांडर अपराजिता ने कहा है कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेहड़ियों पर फल व सब्जी विक्रेता और परचून की दुकानों पर डेली उपभोग का सामान बेचने वाले सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों पर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेट की सूची लगाना सुनिश्चित करें। यदि कोई रेहड़ी चालक या दुकानदार सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेटों से अधिक रेटों पर फल व सब्जियां या डेली उपभोग का सामान बेचता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इंसीडेंट कमांडर अपराजिता ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि वे सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार दुकानों और रेहड़ियों पर पहले चस्पा की गई रेट लिस्ट की जानकारी लें और उसके बाद ही फल, सब्जियां और सामान खरीदें। यदि कोई दुकानदार या रेहड़ी चालक अधिक रेटों पर सामान, फल और सब्जी बेचता है, तो उसके उसकी शिकायत तुरंत सहायक खाद्य आपूर्ति नियंत्रक व एसडीएम कार्यालय में करें।

ये दिन अगर बुरे हैं तो अच्छे भी आएंगे : सीपी

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कोरोना महामारी के इस विकट समय में लोगों को हौसला बनाए रखने व अच्छे समय की उम्मीद बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह बुरा समय है जो जल्द ही बीत जाएगा, हमें हौसले और जज्बे के साथ कोरोना के साथ लड़ी जा रही जंग को जीतने की उम्मीद को बांधे रखना है। हौसले के आगे बड़ी-बड़ी चुनौतियां भी घुटने टेक देती हैं। हौसलों के साथ लड़ी गई जंग किसी भी मनुष्य के लिए जीत का दरवाजा खोल सकती है इसलिए हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और सकारात्मक सौच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कोरोना से जंग जितने के लिए हमें अपना सुरक्षा कवच मजबूत रखने की आवश्यकता है। इस वक्त मास्क, सेनेटाइजर और 2 गज दूरी ही हमारे सुरक्षा कवच है। इसलिए यह जंग जितने के लिए हमारे द्वारा इन संसाधनों का उपयोग करना अति आवश्यक है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार फरीदाबाद पुलिस के 266 पुलिसकर्मियों में 41 पुलिसकर्मी कोरोना को मात दे चुके है। लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ दर्ज 230 मुकदमों में 296 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिनमें दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले 11 लोग शामिल हैं। पुलिस द्वारा 73192 लोगों को मास्क वितरित किए गए और 4875 लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की गई। साथ ही 32362 लोगों के मास्क के चालान काटकर एक करोड़ 61 लाख 81 हजार रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

ऑक्सीजन लंगर समाजसेवा का बेहरीन उदाहरण

फरीदाबाद। कोविड-19 वैश्विक महामारी से जूझ रहे देश में ऑक्सीजन की किल्लत ने जहां एक ओर चुनौतियां बढ़ा दी हैं। वहीं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सुखममणि भवन सेक्टर-16 में कोविड-19 के मरीजों के लिए नि:स्वार्थ भाव से शुरू किया गया ऑक्सीजन लंगर समाजसेवा सेवा का बेहतरीन उदाहरण है। यह बात फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने सोमवार को गुरुद्वारा में चल रहे अस्थाई अस्पताल का दौरा करने उपरांत ने कही। उन्होंने गुरुद्वारा के सेवादारों की नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए कहा कि अन्य धार्मिक व सामाजिक संगठनों को भी इस तरह के कार्य करने चाहिए ताकि हम कोरोना जैसी घातक बीमारी पर जल्द से जल्द काबू पा सकें। मौके पर गुरुद्वारा के सेवादारों प्रधान चरण सिंह जौहर, सचिव अवतार सिंह पसरीचा, कुलदीप सिंह साहनी व टोनी पहलवान ने बताया कि गुरुद्वारा सुखमनी भवन द्वारा अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए दो सप्ताह पूर्व यह सेवा कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर आज वे जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार व विमल खंडेलवाल से भी मिले, जिन्होंने पूर्ण आश्वासन दिया कि यहां इलाज करवा रहे मरीजों के लिए ऑक्सीजन की किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। गुरुद्वारा प्रबंधन ने अपने स्तर से ऑक्सीजन सिलिंडर जुटाकर उन्हें जरूरतमंदों को उपलब्ध कराने बीड़ा उठाया है। पिछले दो सप्ताह में यहां सैकड़ों कोविड-19 के मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाकर उनका अमूल्य जीवन बचाने का कार्य किया। मौके पर सुरेंद्र सांगा, जगजीत कौर, गुरमीत सिंह, तेजेंद्र सिंह चड्ढा, सर्वजीत सिंह चौहान, अनिल अरोड़ा, संदीप बंसल, अनुराग गर्ग आदि सेवादार सेवा कार्य में बढ़चढ़कर भाग ले रहे हैं।

49 सरकारी अस्पतालों में लगवायें वैक्सीन : उपायुक्त

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कोराना संक्रमण के बचाव के लिए वैक्सीन लगाने का कार्य सभी 49 सरकारी अस्पतालों में निरन्तर चल रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने कोराना बचाव का वैक्सीन नहीं लगवाया है अपने नजदीक सरकारी अस्पताल में जाकर यह वैक्सीन अवश्य लगवाएं। वैक्सीन कोराना संक्रमण के बचाव में कारगर साबित हो रही है। जिला चिकित्सा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीके जिला नागरिक अस्पताल, ईएसआई मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद और पीपीसी ईएसआई मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद में प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक कोराना बचाव के वैक्सीन लगाए जा रहे हैं। एसडीएच बल्लभगढ़, सीएचसी कुराली, सीएचसी खेड़ी कलां, पीएचसी पनेहरा खुर्द, पीएचसी मोहना, पीएचसी दयालपुर, पीएचसी छांयसा, पीएचसी तिगांव, पीएचसी अनंगपुर,पीएचसी पल्ला, पीएचसी पाली, पीएचसी धौज, पीएचसी फतेहपुर तैग्गा, पीएचसी फतेहपुर बिलोच, पीएचसी सीकरी, एफआरयू-1 सेक्टर-30 फरीदाबाद, एफआरयू-2 सेक्टर-3 बल्लभगढ़, यूएचसी एसजीएम नगर, यूएचसी मुजेसर, यूएचसी संजय कॉलोनी, यूएचसी सेहतपुर, यूपीएचसी एसी नगर, यूपीएचसी आदर्श नगर, यूपीएचसी एत्मादपुर, यूपीएचसी भारत कॉलोनी, यूपीएचसी भीम बस्ती, यूपीएचसी डबुआ कॉलोनी, यूपीएचसी हरि विहार, यूपीएचसी मेवाला महाराजपुर, यूपीएचसी नंगला एनक्लेव, यूपीएचसी प्रतापगढ़, यूपीएचसी राजीव कॉलोनी, यूपीएचसी सुभाष कॉलोनी, यूपीएचसी शिव दुर्गा विहार, यूपीएचसी सारण, सीडी सेक्टर- 7 ए, सीडी सूरजकुंड, ईएसआई -1 सेक्टर -27 बी फरीदाबाद, ईएसआई -2 सेक्टर-19 फरीदाबाद, ईएसआई -3, एनआईटी -5 फरीदाबाद, ईएसआई -4 एनआईटी -1, ईएसआई -5 एनआईटी -2, ईएसआई -6 जवाहर कॉलोनी, ईएसआई -7 सेक्टर -8, ईएसआई सैक्टर -55, ईएसआई -8 जीएच में कोविड-19 वैश्विक महामारी कोराना के बचाव के लिए वैक्सीन लगाए जा रहे हैं।

कोरोनाकाल में हृदय रोगी बरतें अधिक सावधानी : डॉ. सपरा

फरीदाबाद। जब कोरोना का ट्रीटमेंट चालू होता है तो कई बार देखा गया है कि लोग अपने हृदय रोग का इलाज, हृदय संबंधी सावधानियां और शारीरिक क्रियाएं बंद कर देते हैं। इससे उन्हें ज्यादा नुकसान और खतरा हो सकता है। इस समय महत्वपूर्ण है कि आप अपनी हृदय रोग की दवाइयां बंद न करें। क्योंकि शरीर में किसी दूसरे इंफेक्शन के कारण हृदय के संतुलन पर बहुत ज्यादा जोर पड़ता है और ऐसे में अगर हृदय रोग की दवाइयां, हृदय संबंधी सावधानियां बंद हो जाएं तो हृदय को मिलने वाला सपोर्ट बिल्कुल खत्म हो जाता है और अचानक से हृदय के कार्य करने की क्षमता धीमी पड़ सकती है। यह बात क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल से हृदय रोग विभाग के निदेशक एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. राकेश राय सप्रा ने कही।

असम का फैसला

सोनोवाल की विदाई

जब भाजपा नेतृत्व ने सर्वानंद सोनोवाल को असम विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं घोषित किया था तो स्पष्ट हो गया था कि इस मुद्दे का फैसला चुनाव के बाद किया जाएगा तथा हिमंत बिश्व शर्मा को मौका मिलने की संभावना थी। सोनोवाल ने मुख्यमंत्री के रूप में सफल सरकार का संचालन किया था, एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चलाई थी तथा बिना कोई गलती किए अनेक जटिल चुनौतियों का सामना किया था। जब भाजपा के हिंदुत्व समर्थन आधार में आदिवासियों को जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले उनके जैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद के उपयुक्त नहीं माना गया तो दीवाल की लिखावट साफ थी। केन्द्रीय नेतृत्व ने चार दिन की वार्ता और विचार-विमर्श की औपचारिकता निभा कर राज्य की कमान ऐसे व्यक्ति को दे दी जो अपने तमाम अनुभवों और वित्तीय शक्ति के बावजूद घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त रहा है। आखिरकार 2015 में कांग्रेस से पाला बदलने के पहले सीबीआई ने उनके खिलाफ कई भ्रष्टाचार मामलों में जांच की थी। निष्ठा और वैचारिक जुड़ाव को बहुत अधिक महत्व देने का दावा करने वाली भाजपा जैसी पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत करना उसके दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। निसंदेह सोनोवाल एक गैर-विवादास्पद लोकप्रिय व्यक्ति थे जिन्होंने 2016 में भाजपा का चुनाव अभियान चला कर मजबूत कांग्रेस सरकार को उखाड़ दिया था। लेकिन

सेनोवाल को इस बात का खामियाजा भुगतना पड़ा कि वे राजनीतिक रूप से चालाक व हिमंत की तरह जनता में लोकप्रिय नहीं थे।

सोनोवाल के पास दिल्ली में अमित शाह जैसा गाडफादर भी नहीं था। आदिवासी नेता का असम के बाहर प्रभाव भी अधिक नहीं था, जबकि हिमंत ने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। येन-केन-प्रकारेण उन्होंने सुनिश्चित किया था कि भाजपा इस क्षेत्र में प्रमुख शक्ति के रूप में उभरे। असंदिग्ध रूप से जहां सोनोवाल लोकप्रिय आदिवासी नेता थे, वहीं हिमंत एकसाथ अनेक आयामों वाले नेता थे। हिमंत को पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का जिम्मेदार माना जाता था और वे सीएए-विरोधी आंदोलन तथा महामारी से निपटने में भी सफल हुए थे। इस बीच सोनोवाल को मोदी सरकार में कैबिनेट पद का प्रस्ताव किया गया है, पर पता चला है कि वे अपने साथ हुए व्यवहार से बहुत दुखी हैं और वे यह प्रस्ताव स्वीकारेंगे या नहीं। उनके अगले कदम पर नजर रहेगी। यदि वे केन्द्र में वापसी के लिए तैयार होते हैं जहां वे असम के मुख्यमंत्री बनने के पहले खेल मंत्री थे तो भाजपा नेतृत्व राहत की सांस लेगा। ऐसा न होने पर वे हिमंत के लिए अनेक आदिवासी समूहों तथा विधायकों का समर्थन प्राप्त करने के मामले में एक मजबूत चुनौती बन सकते हैं। पूर्वोत्तर के प्रभावशाली नेता हिमंत जैसे नेता को 'राहुल गांधी द्वारा मुलाकात के पहले घंटो प्रतीक्षा कराने के अपमान' के कारण कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की ज्यादातर मुसीबतें स्वयं उसकी पैदा की हुई हैं। हिमंत की पदोन्नति से निसंदेह सोनोवाल को चोट लगी है, पर इससे राहुल गांधी को ज्यादा पीड़ा होगी।

जन-स्वास्थ्य बीमा का पुनरीक्षण जरूरी

अब भारत में नीतिगत चिकित्सकों को वास्तविक चिकित्सकों के साथ समन्वय स्थापित करना होगा जिससे कि ऐसे तीव्र समाधान प्रस्तुत किए जा सकें जो सभी के लिए एक स्वस्थ जगत का निर्माण करने में सक्षम हों।

मोईन काज़ी
(लेखक विकास पेशेवर हैं)

स्वस्थ परिवार स्वस्थ समुदायों की नींव हैं, इस प्रकार, परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग वित्तीय कठिनाई से पीड़ित हुए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करें। सबसे बड़ी चुनौती दुनिया के गरीबों और बीमारों को नुकसान पहुंचाने वाले कई संकटों का मुकाबला करना है। वर्तमान महामारी के कारण हम दबाव की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी खर्च अब एक प्रमुख मार्ग बन गया है। भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा में एक बड़ी छलांग ली जब उसने प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत (एबी) योजना शुरू की। ये देश की प्रमुख संरचनाएं हैं जिन्हें सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा में मदद करने के लिए बनाया गया है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कर्ज के जंजाल में फंसे बगैर उचित चिकित्सा देखभाल मिल सके । सरकार की लागत लगभग 1,052 रुपए प्रति परिवार है, जिसका 60 प्रतिशत केंद्र और बाकी राज्यों द्वारा वहन किया जाता है।

हालांकि इस योजना के कई प्रशंसनीय उद्देश्य और उपन्यास विशेषताएं हैं, इसकी सीमाएँ हैं। स्पष्ट रूप से दुर्जेय लाभार्थी आधार होने के बावजूद, एबी-पीएमजेएवाई के पास अभी भी समग्र रोगी देखभाल प्रावधान में एक छोटा सा हिस्सा है। यह अस्पतालों के कम समानीकरण के कारण है, एबी-पीएमजेएवाई लाभों के वितरण के लिए निजी प्रदाताओं की एक सामान्य अनिच्छा, और अस्पतालों के समग्र व्यवसाय में एबी-पीएमजेएवाई का सीमित योगदान। सरकार सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को कार्यक्रम के तहत कवर किए गए लोगों के इलाज के लिए निर्धारित दरों का भुगतान करती है और यह निजी क्षेत्र की व्यवहार्यता के साथ फिट नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के वितरण में निजी क्षेत्र को किस प्रकार सह-चुना जा सकता है, यह देखने के लिए नए तरीकों की खोज की जानी चाहिए। उसी समय, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली - विशेष रूप से ग्रामीण भारत में - को पुन: उत्पन्न करना होगा।

गरीबों के लिए, स्वास्थ्य अक्सर समृद्धि के मार्ग या विनाश में एक स्लाइड के बीच विभाजन रेखा है। मामलों को बदतर बनाने के लिए, आमतौर पर अस्थिर और अनिश्चित आय और गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवा की अनुपस्थिति के संयोजन का मतलब है कम आय वाले समुदायों को न केवल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच की आवश्यकता है, बल्कि इसके लिए भुगतान करने की क्षमता भी है। निजी हेल्थकेयर में भयावह लागत है जो रोगियों की कड़ी मेहनत से अर्जित बचत को काट देती है। नतीजों में स्पिलओवर के परिणाम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप घरों में भोजन, शिक्षा, आवास और अन्य आवश्यकताओं के लिए कम धन उपलब्ध होता है।

असफल फसल की तुलना में स्वास्थ्य आपातकाल किसानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। एक बार जब वे अपनी जमीन / पशुधन बेच देते हैं, तो वे गिरमिटिया मजदूर बन जाते हैं और इसे ठीक करने में एक पीढ़ी या उससे अधिक समय लगता है। भारत के सार्वजनिक अस्पतालों में देखभाल तकनीकी रूप से मुफ्त है। लेकिन वास्तव में देखभाल की खराब गुणवत्ता, मानव संसाधनों और उपकरणों की कमी ने उन्हें अत्यधिक रोगी भार का सामना करने से रोक दिया है। परिणामस्वरूप, बहुत से वंचित भारतीयों को महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर किया जाता है जो वे बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, या बस बिना देखभाल के चलते हैं।

न केवल एक स्वास्थ्य प्रकरण में खड़ी चिकित्सा लागत शामिल है, बल्कि आकस्मिक खर्च भी हैं। यह उस अवधि के दौरान आय के नुकसान से आगे बढ़ जाता है जब कोई व्यक्ति बीमार हो या घायल हो या किसी प्रियजन की देखभाल कर रहा हो। बीमा के बिना, लोग अक्सर इन जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए अनौपचारिक साधनों की ओर रुख करते हैं, लेकिन ऐसी रणनीतियां अपर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती हैं। इसलिए जब दुर्भाग्य का प्रहार होता है, तो कई कर्ज के जाल में फंस जाते हैं क्योंकि वे अपने साधनों से परे हो जाते हैं। यह उन्हें उत्पादक संपत्ति बेचने, बच्चों को स्कूल से निकालने या उन्हें काम पर रखने, भोजन पर समझौता करने, या अन्य बीमारियों को छोड़ने के लिए ले जा सकता है। इस गतिशील के कारण, एक स्वास्थ्य मुद्दा आसानी से वित्तीय सिंकहोल बन सकता है। स्वास्थ्य बीमा व्यक्तियों के लिए दो प्राथमिक कार्य करता है। सबसे पहले, यह निवारक सेवाओं और / या उपचार दोनों के लिए स्वास्थ्य सेवा के लिए वित्तीय पहुंच को सुरक्षित करता है। दूसरा, यह उन सेवाओं की लागतों को बढ़ाता है, जो संभावित विनाशकारी आर्थिक झटके से बचाते हैं।

भारत में स्वास्थ्य बीमा नीतियां आम तौर पर आउट पेशेंट या अधिवास उपचार को कवर नहीं करती हैं, जहां प्रमुख खर्चों में फार्मेसी बिल, नैदानिक ??और रोग परीक्षण शामिल हैं। कई स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम बीमारी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वेतन हानि को कवर करते हैं, लेकिन कई नहीं करते हैं। इन कवरेज अंतरालों के कारण, यहां तक ??कि बीमित लाभार्थी उच्च अप्रत्यक्ष लागतों को उकसा सकते हैं, खासकर ऐसे मामलों में जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, भारत की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना, एबी, अस्पताल में भर्ती होने से जुड़ी अप्रत्यक्ष लागतों को पहचानने और क्षतिपूर्ति करने में विफल है - और ये गरीबों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इनमें अस्पताल और वापस आने-जाने का खर्च शामिल है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में या घर पर रहकर, अस्पताल में भर्ती होने के बाद, मजदूरी का नुकसान होता है। अक्सर, परिवार से देखभाल करने वाले परिचारकों को भी कई दिनों तक मजदूरी करनी पड़ती है और इलाज के लिए उनके पैतृक शहर से दूर ले जाने की स्थिति में उनके ठहरने की व्यवस्था करनी पड़ती है। गरीब परिवार कर्ज ले सकते हैं, उत्पादक संपत्ति बेच सकते हैं या अपने घर भी।

यह एक नकारात्मक प्रतिक्रिया पाश का खतरा है- गरीबी खराब स्वास्थ्य की ओर ले जाती है, जो आगे गरीबी उत्पन्न करती है। वे उपचार से बचने या देरी करने के लिए मजबूर हो सकते हैं, क्योंकि वे अपना वेतन नहीं खो सकते। इसी तरह, जिन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की आवश्यकता होती है, वे काम पर वापस जा सकते हैं भले ही वे पूरी तरह से ठीक न हुए हों। खोई हुई आय, अक्सर वित्तीय झटके के सबसे बड़े घटकों में से एक, बीमाधारक के बीच बहुत कम होती है, क्योंकि यह उन्हें जल्द देखभाल करने की अनुमति देता है।

चूंकि महिलाओं की कई चिंताएं आसानी से बीमा योग्य नहीं हैं, जैसे, मातृत्व लागत, एक अधिक प्रासंगिक उत्पाद वह होगा जो बीमा और बचत को जोड़ता है। इस तरह, उदाहरण के लिए, एक महिला अपनी बचत का उपयोग सामान्य प्रसव की लागत, और अप्रत्याशित जटिलताओं की लागत को कवर करने के लिए बीमा का उपयोग कर सकती है। एबी की सफलता का मूल्यांकन करने में, जो मायने रखता है, यहां तक कि लाभार्थियों की गिनती से भी अधिक मायने रखता है, क्या यह लक्ष्य की आबादी में उनकी दैनिक जरूरतों पर आजीविका को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को हटाता है। यह आमतौर पर ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए होता है, जिनके पास उपचार के दौरान आय समर्थन की कमी होती है।

यह सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के बजाय प्राथमिक, दिन-प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवा सहित विचार कर सकता है। इसका कारण यह है कि खराब ढंग से वितरित प्राथमिक देखभाल अनिवार्य रूप से लाइन पर माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य और वित्त पर बोझ बढ़ाती है। पारंपरिक चिकित्सा के नर्सों और चिकित्सकों को नई बीमारियों के भयावह रूपों के बारे में जानकारी रखने के लिए पुल पाठ्यक्रम लेना होगा। रोग स्थिर चीजें नहीं हैं। रोगजनक बदलते हैं, मेजबान बदलते हैं और वातावरण बदलते हैं। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमणों को दूर करने के परिणामस्वरूप बदल जाती है। और, ज़ाहिर है, हमारी जीवन शैली बदलती है, सामाजिक मानकों, चिकित्सा प्रणालियों और सार्वजनिक-स्वास्थ्य कार्यक्रमों के रूप में भी।

इस प्रकार, अस्पताल में भर्ती के दौरान वेतन और आकस्मिक खर्चों को शामिल करने के लिए लाभों को बढ़ाना आवश्यक है। यह पहले से ही विशिष्ट तुलनीय योजनाओं का प्रचलन है। इस तरह की योजनाएं, अस्पताल की नकदी, या वेतन हानि लाभ प्रदान करती हैं, जो कि अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक दिन के लिए परिवहन और मजदूरी हानि के लिए एक निश्चित राशि है। विकासशील देशों में कुछ योजनाएं अस्पताल में भर्ती होने की प्रत्येक रात के लिए लाभार्थी को एक निश्चित राशि प्रदान करती हैं, भले ही वास्तविक खर्चों के बावजूद। इस टॉप-अप कवरेज का उपयोग किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना के साथ किया जा सकता है, जिसका सदस्य नामांकन कर सकते हैं। कवरेज को बढ़ाने से यह योजना सही मायने में गरीब हो सकती है। और, यह देखते हुए कि यह अतिरिक्त लाभ पूर्व अस्पताल में भर्ती होने पर सशर्त होगा, नैतिक खतरे या अनुचित दावों का कोई जोखिम नहीं है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज केवल तभी एक वास्तविकता बन जाएगी, जब व्यक्तियों, परिवार और समुदाय को अपनी स्वयं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने हेतु सशक्त हों तथा उन बीमारियों को संबोधित करने के लिए कदम उठाएं जो देखभाल की लागत में वृद्धि करते हैं और हमारे स्वास्थ्य प्रणालियों पर बोझ को कम करने में योगदान करते हैं।

वैश्विक महामारियों का चरित्र एवं विभीषिका

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक लोकप्रिय स्तम्भकार हैं)

हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया पर भयानक हमला करने वाली कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। ऐसे में केवल यही उम्मीद की जा सकती है कि यह न देशों को पराजित कर सकेगी और न उनके इतिहास की दिशा मोड़ सकेगी। वैश्विक महामारी से मुकाबला करने में उसकी प्रकृति समझना और यह जानना जरूरी है कि वह कैसे पैदा हुई। बीमारी के केन्द्र में क्या नष्ट करने की आवश्यकता है और उसे कैसे नष्ट किया जाए। हालांकि, चिकित्सा वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इसका रास्ता निकाल लिया है, पर बीमारी ने भयानक विभीषिका पैदा की है। इस बात से सांत्वना मिलती है कि कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। इसके पहले 11 वैश्विक महामारियां आ चुकी हैं और कोरोना बारहवीं है। जहां तक लिखित इतिहास हमें बताता है, पहली विभीषिका ब्यूबोनिक प्लेग ने पैदा की थी सिकी शुरुआत छठी शताब्दी में मिस्र के एक बंदरगाह से अचानक हुई थी। रिकार्ड में इसे ताऊन कहा गया था और वैश्विक महामारी शब्द की खोज बाद में हुई। प्लेग बहुत व्यापक रूप से फैला था और यह एड्रियाटिक समुद्र पार कांस्टैंटिनोपोल तक पहुंचा तथा इसका विस्तार रोम से लेकर उसके साम्राज्य के पश्चिम तक था। शुरुआती वर्षों से प्लेग को 'ब्लैक डेथ' का नाम दिया गया था।

इसके बाद ब्रिटेन समेत इसका विस्तार पश्चिमी यूरोप में हुआ। संयोग से उस समय कांस्टेंटिनोपोल पर जस्टीनियन साम्राज्य का शासन था। मुझे याद है कि उसे इतिहास में हगिया सोफिया के निर्माता, एक शहर के प्रख्यात वास्तुविद व शताब्दियों तक एक साम्राज्य के निर्माता के रूप में जाना जाता था। तुर्क विजेताओं ने इसमें चार मीनारें जोड़ कर इसे मस्जिद में बदल दिया था तथा कमाल मुस्तफा अतातुर्क ने 1920 के दशक में इसे एक संग्रहालय में बदल दिया था। अभी हाल ही में राष्ट्रपति इर्दोगान ने इसे फिर एक मस्जिद में बदल दिया है। संयोग से जर्मन बोलने वाले क्षेत्रों में यहूदियों पर आरोप लगाया जाता था कि उन्होंने कुंओं के पानी में जहर मिला दिया था। इसके लिए दंड स्वरूप यहूदियों को या तो ईसाई बनने या मौत की सजा का विकल्प दिया गया था। धर्मांतरण न करने वाले यहूदियों को उनके धर्मस्थलों में ले जाकर सामूहिक रूप से जला दिया गया था। कुछ इतिहासकारों का विश्वास है कि पलेग ने पूर्वी रोमन साम्राज्य को भारी धक्का दिया था जो बीतते समय के साथ और कमजोर हो गया। आश्चर्य नहीं कि उसके बाद आने वाला बैजेंन्टियम मध्य एशिया से आने वाले तुर्कों का मुकाबला नहीं कर सका। तुर्कों ने पहले एंटोलिया और इसके बाद कांस्टैंटिनोपोल पर हमला कर इसका नाम इस्तांबूल कर दिया। इससे पता चलता है कि कोई वैश्विक महामारी कैसे एक सभ्यता का भविष्य बदल सकती है। पूर्वी यूरोपीय रोमन साम्राज्य के अवतार के रूप में ईसाइयत पर तो कोई प्रभाव नहीं पड़ा, पर साम्राज्य नष्ट हो गया। चर्च का मुख्यालय अब भी इस्तांबूल में है जहां जनसंख्या में दो या तीन प्रतिशत ईसाई बचे हैं।

चेचक अगली वैश्विक महामारी थी जो समय-समय पर व एक या दूसरे स्थान पर उभरती रही। लेकिन इसके बावजूद यह व्यापक रूप से भय पैदा करने वाली बीमारी थी और इसे वैश्विक महामारी माना गया। यह दशकों बाद तक लोगों को डराती रही। इसका भय इतना अधिक था कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में हर बच्चे का इसके लिए अनिवार्य टीकाकरण कराया जाता था। इस भय के कारण भारत में बीमारी को शीतला माता के रूप में पूजा जाता था और उनके मंदिर बने थे। विशेषज्ञों को आशंका है कि इसकी शुरुआत गायों, ऊंटों या बंदरों से निकलने वाले वायरस से हुई थी। उन उपयोगी जानवरों से वायरस मनुष्यों में उस समय आए जब इनको पालना शुरू हुआ था। माना जाता है कि इस बीमारी की शुरुआत ईसा से 1,100 साल पहले हुई थी क्योंकि इसे मिस्र की कुछ ममियों में पाया गया। नई सहस्राब्दी शुरू होने के बाद निकट एक या दो रोमन राजा चेचक से मरे थे। चेचक ने पश्चिमी यूरोप व खासकर स्पेन को भी नहीं छोड़ा। वहां से इसका विस्तार 16वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में लैटिन अमेरिका तक हुआ। प्रकाशित विवरणों के अनुसार इसका स्पैनिश समाधान यह था कि पूरे परिवार के संक्रमित होने के बाद पूरी इमारत को गिरा दिया जाता था और इस प्रकार अनेक लोगों को दफन करने से बचा जाता था। कालरा एक और विभीषिका थी जिसका विस्तार मुख्यत: पानी या किसी और द्रव के माध्यम से होता था। विश्वास किया जाता है कि इसका जन्म गंगा के मैदान में हुआ था। यहां से इसका प्रसार सारी दुनिया में हुआ और यह रूस समेत 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में यूरोप तक पहुंच गया। इसके बाद यह बीमारी एटलांटिक समुद्र पार कर अमेरिका पहुंच गई तथा इसका विस्तार पूरे अमेरिका के साथ ही लैटिन अमेरिका में हो गया। कालरा वैश्विक महामारी के स्रोत का पता जर्मन वैज्ञानिकों ने 19वीं शताब्दी के अंत में लगाया था। इस खोज के बावजूद कालरा पूरब में इंडोनेशिया तथा दक्षिण-पश्चिम में कुछ अफ्रीकी देशों तक पहुंच गया। कालरा की विभीषिका फैलने से रोकने के लिए लोगों को केवल संदिग्ध पेय जल से दूर रहना था। पश्चिम में इसे 'ब्लू डेथ' का नाम दिया गया था, हालांकि कोलकाता में डाक्टरों ने इसके पहले लक्षण मल के रंग से पहचाने थे। यदि मल सफेद नहीं होता था तो व्यक्ति को कालरा से संक्रमित नहीं माना जाता था।

कुछ अन्य वैश्विक महामारियों में डिप्थीरिया, टायफायड, पोलियो, खसरा, इन्फ्लुएंजा और यलो फीवर शामिल हैं। कालरा की तरह टायफायड भी जल या द्रव-जनित बीमारी थी। पोलियो, खसरा और इन्फ्लुएंजा वायु-जनित बीमारियां हैं। इनके कारण जीव अलग-अलग हैं। इन्फ्लुएंजा ने प्रथम विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के अधिकांश हिस्सों में विभीषिका पैदा की थी। मलेरिया इनमें सबसे अलग है। भारत में इसका कारण एक खास प्रजाति के मच्छर का बार-बार पैदा होना है। संयोग से आधुनिक यूरोपीय इतिहास पढ़ते समय मुझे नैपोलियन बोनापार्ट का एक संदर्भ मिला जिसके हजारों सैनिक 'यलो फीवर' के कारण मर गए थे।

आप की बात

दरगाह या आक्सीजन

राजस्थान सरकार के पास अपने अस्पतालों में आवश्यक आक्सीजन प्लांट लगाने के लिए पैसा नहीं था। पर सहसा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास चिश्ती दरगाह, अजमेर को देने हेतु 100 करोड़ रुपये निकाल आये। सो वे जाकर चढ़ा आये। किसी मीडिया चैनल ने उनसे सवाल पूछने की जहमत नहीं उठायी कि लोगों की जान प्राणवायु से बचेगी या कब्र के श्रृंगार से। वैसे इस प्रश्न के उत्तर में कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि जान तो मंदिर बनाने से भी नहीं बचेगी। वे भूल गए कि मंदिर तो जनता खुद के पैसे से बनवा रही है। खैर, गहलोत जहां से प्रेरणा लेते हैं, उस राजीव गांधी फाउंडेशन ने कितना पैसा कोरोना से लड़ाई में खर्च किया? जवाब है शून्य। और हर साल वह भी करोड़ों रुपया चिश्ती दरगाह को देता रहता है। यदि फाउंडेशन निजी रूप से वित्तपोषित होता तो दरगाह को देने की उसकी मर्जी पर शायद किसी को आपत्ति न होती। किन्तु उसका कोष सरकारी अनुदानों से भरा पड़ा है। यूपीए सरकार और उससे भी पहले नरसिम्हा सरकार के दिनों से हर वर्ष 100 करोड़ अथवा उससे ज्यादा जनता के टैक्स का पैसा फाउंडेशन को प्राप्त होता रहा है। इस समय कोरोना के खिलाफ खर्च करके वह जनता के कर्ज को कुछ उतार सकता था।

– **आस्था गर्ग**, मेरठ

शिक्षा की अर्थव्यवस्था

आज पूरा विश्व गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।ऐसे में शिक्षण संस्थान और शिक्षा दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।पिछले साल महामारी के बाद से लगे लॉकडाउन ने शिक्षा पद्धति को पूरी तरह बदल दिया।आज लगभग सभी देशों के शैक्षिक संस्थान, विद्यार्थियों के सुरक्षा की दृष्टीकोण से ऑनलाइन माध्यम का रुक अख्तियार किए है।जबकि गौर करने वाली बात यह है कि अभी भी भारत में विद्यार्थियों के दो बुनियादी जरूरतें अधूरी है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा पर पड़ रहा है।जिसमें एक तो आर्थिक रूप से अपंग और दूसरा जरूरी संसाधन जैसी डिजिटल मोबाइल, लैपटॉप की कमी। ऑनलाइन शिक्षा के अंतर्गत गूगल क्लासरूम, जूम और क्लाउड एप्लिकेशन के कई सारे विकल्प हैं, लेकिन आज भी भारत की आधी आबादी इंटरनेट का उपयोग नहीं करती।जबकि अन्य देशों के मुकाबले, भारत में काफी सस्ता नेट उपलब्ध है। इन्टरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सिर्फ छत्तीस फीसद लोग ही इन्टरनेट उपयोग कर रहे। जहां एक ओर लगातार बढ़ रहे संक्रमण के मामले सभी तरह से आय के श्रोत को बंद कर दिये हैं। वही दूसरी ओर खर्च अभी भी उतना ही है।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

सेवा के विभिन्न रूप

कोरोना संक्रमित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु लोग आगे आ रहे है। यह बेहद स्वागतयोग्य है। यही मानवता है। इलाज में अधिक खर्च होने के कारण विभिन्न परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाने से भोजन की पुनीत समाज सेवा का कार्य कर रहे है।जो कि प्रशंसनीय कार्य है।ठीक उसी तरह समाज सेवी लोग एवं समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जिन सुविधाओं की आवश्यकता है वहाँ पर आवश्यक सामग्री भेंट कर रहे है।मानवसेवा के ऐसे उदाहरण अब हर गांव, शहरों में देखने को मिल रहे है। कई लोग अस्पताल तक ले जाने में अपनी भूमिका निभा रहे है। सहयोग और समर्पण भाव ने कई पीड़ितों एवं परिजनों के मन को शांति प्रदान कर फिक्र,तनाव को कम किया साथ ही रोग प्रतिरोध शक्ति बढ़ाने वाले अभियान जैसे योग, आर्युवैदिक नुस्खे का मार्गदर्शन दिया। कोरोना गाइड लाइन का पालन, चिकित्सा सुविधा, मानव सेवा आदि से इंसान जल्द संक्रमण से मुक्त होकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता है।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

प्रत्येक अस्पताल में आक्सीजन की उचित आपूर्ति बनाए रखना कठिन है। हम केंद्र से दिल्ली को प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन आक्सीजन देने की मांग करते हैं।

– **मनीष सिसोदिया**
दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

8 मई 1945 मुक्ति का दिन है। उन लोगों की इन स्मृतियों को जीवित रखना हमारा दायित्व है जिनकी उन वर्षों के दौरान अपना जिन्दगियां समाप्त हो गईं।

– **एंजेला मारकेल**
जर्मन चांसलर

जीवन दांव पर लगे हैं। उन्हें बचाना हमारी प्राथमिकता है और यह दायित्व प्रत्येक पंजाबी का है कि वह उन जिंदगियों को बचाए।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के सीएम

संक्रमण रोकने को बढ़ाएं आरआरटी व निगरानी समितियों की संख्या

● मुख्यमंत्री ने की कोरोना प्रबंधन को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल के जनपदों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण का फैलाव हर हाल में रोकना है। इसके लिए जिलों में रैपिड रिस्पांस टीमों (आरआरटी) और निगरानी समितियों की संख्या बढ़ाई जाए। सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए सभी प्रकार के संसाधन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने शत प्रतिशत कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग पर जोर दिया और कहा कि कोविड प्रबंधन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी।

गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड प्रबंधन को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल के सात जिलों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में गोरखपुर जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी व्यक्तिगत उपस्थित थे, जबकि अन्य छह जिलों के अधिकारी वर्चुअल जुड़े। मुख्यमंत्री योगी ने कोविड नियंत्रण के संबंध में हर जिले से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिए आरआरटी और निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। निगरानी समितियों की संख्या तीन से चार गुना तक बढ़ाई जाए। मेडिकल किट का वितरण निगरानी समितियों के माध्यम से हो और उसका सत्यापन भी कराएं। मेडिकल किट की पर्याप्त दवा हर जिले में दी गई है।

सीएम योगी ने निर्देशित किया कि एम्बुलेंस 108 का 75 प्रतिशत प्रयोग कोविड 19 में किया जाए और आरआरटी को वाहन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि समय पर मरीज को सुविधा दी जाए, तो निश्चित वह आरोग्यता को प्राप्त करेगा। रोग को छिपाया न जाए, अगर बीमारी है, तो उसका उपचार आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक-एक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है और उसे हर हाल में बचाना है। लक्षणयुक्त-संदिग्ध की तत्काल जांच कराते हुए रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे शीघ्र मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कार्य प्रबंधन टीम भावना से किया जाए, तो निश्चित रूप से शत प्रतिशत सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन स्तर पर आक्सीजन की उपलब्धता, रेमडिसिविर इंजेक्शन, होम आइसोलेशन, स्वच्छता, सेनेटाइजेशन, फागिंग आदि कार्यों की व्यवस्था की निगरानी संबंधी समितियां गठित की गई हैं। इसी प्रकार जनपद स्तर पर भी समिति गठित कर उनके कार्य ,दायित्व निर्धारित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्सीजन की आडिट हर हाल में कराई जाए और यह सुनिश्चित हो कि इसका वेस्टेज न होने पाए। हास्पिटलों में आक्सीजन आडिट कराया जाना नितान्त आवश्यक है। कहीं भी आक्सीजन की कालाबाजारी नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच की जाए और पकड़े जाने पर दोषी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीएम योगी ने आंशिक कोरोना कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इन दौरान अति आवश्यक सेवाओं के क्षेत्र में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि कोविड अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। हर जिले में प्रतिदिन 24 घंटे के अन्दर पॉजिटिव केस रिकवरी एक्टिव केस आदि की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न वितरण कार्य की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करें। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता, सेनेटाइजेशन और फॉगिंग को एक अभियान के रूप में संचालित करते रहने और इसके लिए नोडल अधिकारी नामित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान कोविड के साथ ही बरसात में इंसेफेलाइटिस से बचाव में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बेड की संख्या बढ़ाने और शासन के आदेशों का शत प्रतिशत अनुपालन करने और पीडियाट्रिक आईसीयू को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कमिश्नर जयन्त नार्लिकर ने गोरखपुर मंडल में कोविड प्रबंधन के बारे में बताया कि टेस्टिंग, कांटेक्ट ट्रेसिंग, सेनेटाइजेशनए स्वच्छता, वैक्सीनेशन आदि कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है। मंडल में कुल 4856 क्रियाशील निगरानी समितियां हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र 4368 और शहरी क्षेत्र में 488 हैं।

बहराइच में करेंट से मरने वालों को मदद के निर्देश

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के राम गांव थाना क्षेत्र में करंट लगने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किये जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सैफई आयुर्विज्ञान संस्थान के कुलपति अवकाश पर भेजे गए

लखनऊ। कोरोना प्रबंधन में लापरवाही सहित अन्य शिकायतों के मामले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण आयुर्विज्ञान संस्थान सैफई के कुलपति डॉ राजकुमार सिंह को कार्यकाल खत्म होने से पहले ही शासन ने छुट्टी पर भेज दिया है। जबकि वर्तमान कुलपति का कार्यकाल 31 मई को समाप्त हो रहा है। इसके पहले ही शासन ने कुलपति को हटाते हुए कुलपति पद का दायित्व प्रतिकुलपति को सौप दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि सैफई विश्वविद्यालय इटावा अधिनियम 2015 की धारा 11 (10) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति को 31 मई या नए कुलपति की नियुक्ति तक कुलपति के कर्तव्यों के निर्वहन हेतु अधिकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति को बचे शेष कार्यकाल हेतु अवकाश पर जाने हेतु अनुरोध किया जाता है और वह तत्काल प्रभाव से अवकाश पर माने जाएंगे।

योगी सरकार शुरू करेगी कोरोना पर पाठशाला

● आयुर्वेदक के विशेषज्ञ कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों को सीधे जानकारी देंगे व उपाय बताएंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से बचाव और उपचार के लिये योगी सरकार पाठशाला शुरू करने जा रही है। जिसमें आयुर्वेदक के विशेषज्ञ कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों को सीधे जानकारी देंगे तथा उपाय बतायेंगे। इतना ही नयी बल्कि आयुष कवच एप के माध्यम से सुबह आठ बजे से योगाभ्यास और शाम पांच बजे से आयुष संवाद जल्द शुरू होने वाला है। इसमें कोरोना संक्रमण से बचाव, रोकथाम और औषधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आयुष विभाग के 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल से भी एप के माध्यम से सवाल किया जा सकता है, जिसका जवाब विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आयुर्वेद पर आधारित यह पाठशाला अगले कुछ दिनों में शुरू हो जाएगी। इसके लिये तैयार एप पर बीस लाख से अधिक लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना की लड़ाई में चिकित्सा की सभी विधाओं को साथ लेकर चल रहे हैं। एलोपैथ से लेकर आयुर्वेद, होम्योपैथ और यूनानी औषधियां होम आइसोलेट संक्रमितों को निशुल्क दी जा रही हैं। सीएम योगी ने हाल ही में आयुष विभाग को निर्देशित किया था कि कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए निशुल्क मेडिकल किट के अलावा आयुष किट भी दी जाए। सीएम के निर्देश पर होम आइसोलेशन में रह रहे 90 फीसदी से ज्यादा लोगों को अभियान चलाकर निशुल्क मेडिकल किट दी गई है। ऐसे ही आयुष विभाग ने भी अभियान चलाकर होम आइसोलेट और क्वारंटीन संक्रमितों को निशुल्क किट दी है। विगत 13 अप्रैल से सात मई तक नौ लाख 18 हजार 577 लोगों को निशुल्क किट दी गई है। इसमें 75572 लोगों को आयुष किट, 58,339 लोगों को आयुष काढ़ा, सात लाख 82 हजार 793 लोगों को होम्योपैथी औषधि, 5450 लोगों को यूनानी किट और 6565 लोगों को यूनानी जोशांदा दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव आयुष प्रशांत त्रिवेदी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर विभाग की ओर से लगातार होम आइसोलेशन में रहे रहे लोगों को किट का वितरण निशुल्क किया जा रहा है, इन दवाओं के सेवन से बड़ी संख्या में लोग घर पर ही उपचार कर स्वस्थ हो रहे हैं। इसके अलावा लोगों को इम्यूनिटी बूस्ट करने के योग आदि के टिप्स भी दिए जा रहे हैं।

आयुष विभाग की ओर से पिछले तीन दिनों में 1,52,159 होम आइसोलेटेड और क्वारंटीन लोगों को निशुल्क किट दी गयी है। सात मई को 9526 लोगों को आयुर्वेदिक, 39,985 लोगों को होम्योपैथिक और 597 लोगों को यूनानी औषधियां दी गई हैं, यानि एक दिन में कुल 50,108 लोगों को निशुल्क औषधियां दी गई हैं। ऐसे ही छह मई को 47,359 और आठ मई को 54692 लोगों को औषधियां दी गई हैं।

अगर सिर्फ पिछले माह अप्रैल की बात करें, तो आयुष विभाग की ओर से सात लाख 23 हजार 190 लोगों को औषधियां दी गई हैं। इसमें 91,692 संक्रमितों को आयुर्वेदिक, 6,28,300 संक्रमितों को होम्योपैथिक और 3198 संक्रमितों को यूनानी दवाइयां दी गई हैं। महज दो दिनों तीन और चार मई को 55,579 संक्रमितों को दवाइयां दी गई हैं। इसमें 6848 आयुष किट, 7644 आयुष काढ़ा, 45904 होम्योपैथी औषधि, 959 यूनानी किट और 1820 यूनानी जोशांदा दी गई है। आयुर्वेद सेवाएं के निदेशक प्रो. एसएन सिंह कहते हैं कि आयुष विभाग की ओर से दिए जा रहे किट संक्रमण को रोकने में सौ फीसदी कारगर है। ऐसा अभी तक कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है, जिन्हें दवाएं खाने के बाद भी गंभीर स्थिति हुई हो। होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को 10 से 15 दिनों में आराम मिल जा रहा है।

बलिया के भी हाल बेहाल, सीएम एक बार करें दौराः रामगोविंद चौधरी

● नेता प्रतिपक्ष ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किया आग्रह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अपने गृह जनपद बलिया की बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं से अवगत कराया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे बनारस की तरह बलिया का भी दौरा करें। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बलिया में कोविड से मौतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मेरी विधायक निधि के साथ विधायक के रूप में मिलने वाली तनख्वाह का पैसा भी ले लीजिए लेकिन बलिया की स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान दीजिए। नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने पत्र के माध्यम स मुख्यमंत्री से कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पूरा प्रदेश भयंकर रूप से प्रभावित है। प्रतिदिन 30 हजार के आसपास नए मरीज मिल रहे हैं। हजारों की संख्या में लोगों की जाने जा रही है। गांव-गांव यह बीमारी पसर चुकी है। गांवों में जांच नहीं हो रही। लोग अपनी जान गवा रहे हैं। मेरा गृह जनपद बलिया भी इस बीमारी से बहुत गंभीर रूप से प्रभावित है। जनपद में ऑक्सीजन बिल्कुल ही उपलब्ध नहीं है, चिकित्सालयों में बेड और जीवन रक्षक दवाइयां नहीं है जिस कारण जनपद में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में बलिया के जिला चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर का निर्माण कराया गया था। जिसमें 18 वेंटिलेटर ए सिटी स्कैन की मशीन भी लगाई गई थी जो आजतक चालू नहीं हो सकी। साथ ही उसी ट्रामा सेंटर में आरटीपीसीआर जांच लैब भी स्थापित किया गया था। वह भी बेकार पड़ा हुआ है। जिले के लोगों की आरटीपीसीआर की जांच रिपोर्ट चार से पांच दिनों में आती है। इस दौरान सैम्पल देने वाला व्यक्ति कई स्थानों पर जाता है और बीमारी फैलती है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह आप ने दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया और वहा के स्वास्थ व्यवस्था की जानकारी ली है। उसी प्रकार आप बलिया का भी दौरा किये होते तो मुझे व जनपद के लोगों को खुशी होती। अतः आप से आग्रहपूर्वक कहना है कि बलिया के ट्रामा सेंटर को यथाशीघ्र चालू करने के निर्देश दीजिए।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के पिता का कोरोना संक्रमण से निधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी के पिता आदित्य कुमार अवस्थी का सोमवार को सुबह लखनऊ के एसजीपीजीआई में निधन हो गया। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उन्हें एसजीपीजीआई के कोविड 19 अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भैंसाकुंड श्मशान घाट में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनकी अंत्येष्टि की गई।

आदित्य कुमार अवस्थी स्वतंत्र भारत के इंजीनियर्स के पहले बैच के सदस्य थे। उन्होंने वाराणसी के आईआईटी-बीएचयू से इंजीनियरिंग की। वह एक मेटलर्जिस्ट और जर्मनी में प्रशिक्षित इंजीनियर थे। उनका देश में लौह व इस्पात बुनियादी ढांचे की नींव रखने में योगदान था। वह बेहद अनुशासनप्रिय थे। वह दृढ़ इच्छाशक्ति और शांत व्यक्तित्व के लिए अपने

काम में लगन से जुट जाने के लिए विख्यात थे। अपनी जुझारू प्रवृति के कारण ही उन्होंने लम्बे समय तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो जाने के बाद भी संघर्ष किया। उनके परिवार में पत्नी उषा अवस्थी, तीन पुत्र अवनीश कुमार अवस्थी, मनीष कुमार अवस्थी व आशीष कुमार अवस्थी और तीन पुत्रवधू पद्मश्री मालिनी अवस्थी, मनाली अवस्थी व जूही अवस्थी हैं। अवनीश कुमार अवस्थी उत्तर प्रदेश कैडर के सीनियर आईएएस अफसर हैं जबकि मनीष व आशीष अमरीका में कार्यरत हैं।

राज्यपाल ने जताया गहरा शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के पिता आदित्य कुमार अवस्थी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए कहा कि मैं अपनी संवेदनाये शोक संतप्त परिजनों के साथ सम्बद्ध करती हूं। वहीं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को इस असह्य दुख को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

गांवों की बद्तर होती जिंदगी पर किसी का ध्यान नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री की अदूरदर्शिता और समय पर निर्णय लेने की अक्षमता के चलते प्रदेश में हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। राजधानी और महानगरों में उसका सारा ध्यान है फिर भी हालत बेकाबू हैं। ऐसे में गांवों के लाखों ग्रामीणों को उनके अपने भाग्य के भरोसे छोड़ दिया गया है। वहां की बद्तर होती जिंदगी पर किसी का ध्यान नहीं दिया। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक लाख गॉव हैं जहाँ 70 प्रतिशत आबादी रहती है। 24 करोड़ की जनसंख्या वाला यह सबसे बड़ा राज्य है। गतवर्ष कोरोना संक्रमण में लॉकडाउन के दौरान पलायन की विकट स्थिति पैदा हुई। पलायन के दौर में श्रमिकों को अमानवीय स्थितियों से गुजरना पड़ा और कईयों की जानें भी चली गई। आज फिर बड़ी संख्या में लोग गांवों में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि जब गांवों में भीड़ बढ़ रही है, न तो वहाँ जाँच और इलाज की व्यवस्था है और न ही रोटी रोजगार की व्यवस्था है। कोरोना संक्रमण के चलते कृषि कार्य भी बंद हैं। मुख्यमंत्री की बयानबाजी अपनी जगह पर वास्तविकता यह है कि गेहूँ खरीद बंद है। किसान बेहाल है। क्रय केंद्र पर ताले लटके हुए हैं। सरकारी केंद्र नहीं, बिचौलिए गेहूँ खरीद रहे हैं, वह भी औने पौने दाम पर। सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1975 रुपए प्रति कुंतल रखा गया है पर वह किसान को मिलता होता तो वह आंदोलन क्यों करता।

कोरोना की रोकथाम को लेकर युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंचायत चुनाव के बाद गांवों में यकायक कोरोना के बढ़ते मामलों से सरकार और प्रशासन चिंतित है। और इससे निपटने की इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर चिंता जताते हुए कहा है कि यूपी में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहां खासकर छोटे कस्बों व देहातों में बहुत तेजी से कोरोना महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत है। सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि यूपी में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहाँ खासकर छोटे कस्बों व देहातों में बहुत तेजी से कोरोना महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत हैए बीएसपी की यह माँग। मायावती ने आगे लिखा कि साथ ही, अभी हाल ही में देश के जिन राज्यों में विधानसभा आमचुनाव खत्म हुये हैं वहाँ शहरों के साथ साथ देहातों में भी कोरोना महामारी का प्रकोप काफी तेजी से फैल रहा है। वहाँ की राज्य सरकारों को भी इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरतए बीएसपी की यह सलाह। उन्होंने आगे लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अभी हाल ही में राज्यों को कोरोना इलाज के लिए आक्सीजन के बंटवारे व सप्लाई आदि को लेकर अपने फैसले में केन्द्र सरकार को जो कदम उठाने के खास निर्देश दिये हैं सरकार इस पर शीघ्र ही पूरी तरह से अमल जरूर करे तो यह बेहतर होगा।

राष्ट्रनायकों के नाम पर पौधरोपण किया जाएः दीपक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया बौद्धिक सभा ने क्रांति दिवस मनाते हुए अमर शहीदों की पुण्य स्मृति में पौधरोपण किया और जानवरों के पेट भरे। बौद्धिक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मिश्र ने बताया कि 10 मई 1857 को हमारे शूरवीरों ने जालिम ब्रिटानिया हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई शुरू की थी। यह दिन हम भारतीयों के लिए प्रेरक दिन है जिससे देशभक्ति, त्याग व शहादत की प्रेरणा मिलती है। चंद्रशेखर आज़ाद व उनकी टोली पूरे देश में 10 मई को क्रांति दिवस मनाती थी। अप्रैल 1928 में किरती में भगत सिंह व भगवतीचरण वोहरा ने लेख लिख कर 10 मई को स्वतंत्रता के लिए संकल्प लेने के दिन के रूप में मनाने की अपील की थी। लोहिया व लोकनायक जयप्रकाश ने 1953 में गस्ती चिट्ठी लिखकर 10 मई को जनपर्व मनवाया था। श्री मिश्र ने कहा कि आजादी के नायकों के ख्वाब आज भी अधूरे हैं। कोरोना के स्याह संकट ने उपलब्धियों की पोल खोल कर रख दी है। देश को जीवन रक्षक दवायें व आक्सीजन तक विदेशों से मंगाना पड़ रहा है। भारत स्वालंबता के लक्ष्य से मीलों पीछे है। हमें अपने शहीदों और उनके सपनों को नहीं भूलना चाहिए जिनकी बदौलत आजादी मिली। हम उनके याद में अभियान चलाकर पौधरोपण करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी खुली हवा सांस ले सके और उसे ऑक्सीजन के लिए दूसरों पर निर्भर न होना पड़े। दीपक मिश्र के साथ प्रसपा प्रदेश महासचिव हरिशंकर यादव, ब्रजेश मिश्र, मनीष मिश्र, अवनीश तिवारी, शिक्षक सभा प्रदेश अध्यक्ष रवि यादव, गिरिश कठेरिया, संतराम यादव, छोटेलाल लोधी, नितिन दुबे आदि ने अभियान चला कर अलग अलग पेड़ लगाये।

राज्य में गेहूं खरीद के पुराने सभी रिकार्ड टूटे

पहली अप्रैल से शुरू हुई खरीद में अब तक 18 लाख मीट्रिक टन से ज्याद गेहूं खरीदा जा चुका है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

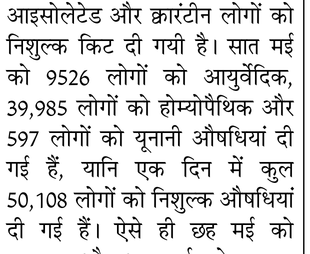

कोरोना संक्रमण का कहर और ऊपर से पंचायत चुनाव को शोर। इन सबके बीच योगी सरकार ने गेहूं खरीद में नया इतिहास रच डाला है। पहली अप्रैल से शुरू हुई गेहूं खरीद में अब तक 18 लाख मीट्रिक टन से ज्याद गेहूं खरीदा जा चुका है। लगभग एक महीना दस दिनों में अब तक की गेहूं खरीद का नया रिकार्ड है। अभी तक शुरूआती दिनों में कभी भी गेहूं की इतनी खरीद नहीं हुई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक शुरुआती महीने में औसतन सात से आठ लाख मी. टन गेहूं की खरीद होती आयी है। अलबत्ता अंतिम दिनों में खरीद जरूर तेज होती रही है। गेहूं खरीद के शुरुआती तेज रफ्तार से सरकार खुश तो है लेकिन उसे इस बात की भी आशंका है कि कहीं इस खरीद में बिचौलियों का तो कोई खेल नहीं। विदित हो कि तीन साल पहले भी शुरूआती दिनों में गेहूं की भारी खरीद हुई थी लेकिन बाद में छानबीन में पता चला कि सारा खेल बिचौलियों का था। जिसके बाद सरकार ने खरीद प्रक्रिया में व्यापक बदलाव किये थे ताकि गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में अब तक करीब 18 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है। गेहूं खरीद के कार्य में लगे अधिकारियों के अनुसार राज्य में अब तक 18,12,857.42 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है जबकि पिछले साल इसी समयावधि में 11,04,178.12 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। अधिकारियों का अनुमान है कि इस बार राज्य में गेहूं खरीद का एक नया रिकार्ड बनेगा। इसकी वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गेहूं की बिक्री करने को लेकर किसानों को दी गई रियायतें है।

किसान बिचौलियों से बचाने के लिए किसी भी सरकारी क्रय केंद्र पर गेहूं बेचने छूट है। इसके अलावा कोरोना संकट को देखते हुए इस बार खेत से 10 किलोमीटर के दायरे में गेहूं की खरीद का प्रबंध किया गयाए क्रय केंद्रों पर भीड़ कम से कम हो इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई। गेहूं खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए ई-पॉप मशीनों का इस्तेमाल किया गया। इस व्यवस्था से गेहूं खरीद में धांधली और गड़बड़ी की आशंका पूरी तरह से समाप्त हो गई। किसानों को उनके अनाज के हर दाने का भुगतान उनके खातों में मिलें इसकी व्यवस्था की गई। अनाज खरीद प्रक्रिया में कृषक उत्पादक संगठनों को भी शामिल किए जाने से प्रदेश के 150 से अधिक गेहूं केंद्रों पर एफ्पीओ खरीद प्रक्रिया का हिस्सा बने। एफपीओ के गेहूं खरीद में शामिल होने तथा गेहूं की खरीद के लिए सरकार द्वारा किए प्रबंधों के चलते सूबे के किसानों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर जाकर अपना गेहूं बेचने में रूचि दिखाई। और अब हर दिन गेहूं की खरीद का एक नया रिकार्ड बन रहा है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,975 रुपये तय किया है। किसान इन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए बड़ी संख्या में क्रय केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। किसानों के रुख को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि गेहूं खरीद के लिए तय किया गया लक्ष्य जल्दी ही पूरा हो जाएगा।

कालाबाजारी व मिलावटखोरी करने वालों पर हो सख्त कार्रवाईः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने सरकार से रोज मर्रा की जरूरत की चीजों के दामों को तत्काल नियंत्रित करने के साथ कोरोना के इस भीषण संकटकाल में कालाबाजारी, मिलावटखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा है कि कोरोना संकटकाल के बीच कालाबाजारी व मिलावटखोरों के हौसले बढ़े हुए हैं। कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए एक ओर ऑक्सीजन, जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी व नकली दवाएं बेचने वालों का धंधा चल रहा है। जिसे रोकने में राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पूरी तरह मौन धारण किए है, वहीं जब गरीबों व मध्यमवर्गीय परिवारों के समक्ष रोजी रोटी का संकट खड़ा है तो दूसरी तरफ दलहन, तिलहन, साग, सब्जियों, फलों, आटाए ब्रेड के दामों में बेतहासा वृद्धि के साथ मिलावटखोरों की पौ बारह हो गयी है और जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है और सरकार के मौन से साबित होता है कि उपभोक्ताओं को ठगने वालों के साथ उसकी सहानुभूति और संरक्षण है।

प्रवक्ता ने कहा कि दैनिक उपभोग की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ना और मिलावटखोरी करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई न करने से उनके हौसले बढ़े हुए हैं और जनता के कष्टों की सरकार अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई डायन की मार से पीड़ित जनता का एक बड़ा वर्ग रोटी के संकट से दो चार होने के लिए विवश होकर त्राहिमाम कर रहा है। उन्होंने कहाकि सरकार की खामोशी से यह लगता है कि वह जनता के नहीं महंगाई बढ़ाने व मिलावटखोरी करने वाले के साथ खड़ी होकर उन्हें पूरा संरक्षण देती हुई दिखायी दे रही है।

लंबित आवेदन पत्रों को शीघ्र निस्तारित किया जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म डा रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि खनन परिहार स्वीकृत किए जाने की व्यवस्थाओं के अंतर्गत जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर नियमानुसार कार्रवाही कराते हुए शीघ्र निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उपखनिजों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे तथा मानसून अवधि मे खनिजों की उपलब्धता की निरंतरता भी बनी रहे और उनके मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण भी हो सके। इस संबंध में उन्होंने अपेक्षा की है कि खनन निदेशालय से निर्गत दिशा निर्देशों एवं नियमावली के प्राविधानों के तहत कार्यवाही करते हुए यथा शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली के अंतर्गत कृषिकीय भूमि पर बाढ़ के कारण एकत्र बालू ,मोरम ,बजरी ,बोल्डर आदि को हटाए जाने के अनुज्ञापत्र निर्गत किये जाने का प्राविधान है। इसी प्रकार नदी तल स्थित निजी भूमि मे उपलब्ध उपखनिजो के रिक्त क्षेत्रों को ई निविदा प्रणाली के माध्यम से खनन परिहार स्वीकृत किए जाने का भी प्रावधान है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली 1963 में नया नियम 52ग समावेशित करते हुए नदी तल के इतर के क्षेत्रों पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अध्यधीन प्रथम अनुसूची में उल्लिखित स्वामित्व की दो गुनी धनराशि जमा किए जाने पर अधिकतम 6 माह की अवधि के लिए भूस्वामी के पक्ष में अनुज्ञापत्र स्वीकृत किए जाने का भी प्रावधान किया गया है।

पूर्व सीएम पलानीस्वामी अन्नाद्रमुक विधायक दल के नेता चुने गए

● नेता प्रतिपक्ष बनना तय

भाषा। चेन्नई

पूर्व मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी को सोमवार को यहां करीब तीन घंटे तक चली अन्नाद्रमुक विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया, जिसके बाद उनका तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनना तय हो गया है। विधायक दल का नेता चुनने के लिए पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की तीन दिन में यह दूसरी बैठक थी। खबर है कि नव-निर्वाचित विधायकों की बैठक में पार्टी का एक धड़ा पलानीस्वामी और दूसरा धड़ा पार्टी के समन्वयक ओ. पनीरसेल्वम को पार्टी का नेतृत्व सौंपने की वकालत कर रहा था। अंततः पार्टी ने बैठक के बाद एक बयान में पलानीस्वामी को विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम दोनों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है।इसके बाद, पार्टी के नेता तमिलनाडु विधानसभा के सचिव के. श्रीनिवासन से मिले और उन्हें पलानीस्वामी के चयन के संदर्भ में एक पत्र सौंपा।

विधायकों ने सात मई को भी बैठक की थी, लेकिन उस बैठक में विधायक दल का नेता चुने जाने पर आम सहमति नहीं बन पाई थी। पार्टी में मुख्यालय में आज जब बैठक जारी थी, तब सोशल मीडिया पर कुछ खबरों में यह भी दावा किया गया कि मतभेदों को दूर करने के लिए विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पी. धनपाल के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। विधायकों की बैठक के मद्देनजर अन्नाद्रमुक मुख्यालय और परिसर में कुछ कार्यकर्ता एकत्रित हो गए। दीवारों पर कुछ पोस्टर लगे दिखे, जिसमें पनीरसेल्वम से विपक्ष का नेता बनने की मांग की गई थी।वहीं, पलानीस्वामी के समर्थक उनके चयन को लेकर आश्वस्त दिखे। इसी तरह से पार्टी कार्यालय के पास कुछ पोस्टर वीके शशिकला को स्थाई महासचिव बनाए जाने के पक्ष में भी नजर आए और कई में उन्हें पार्टी का नेतृत्व सौंपने की मांग भी की गई। बता दें कि शशिकला और उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरन को वर्ष 2017 में पार्टी से निकाल दिया गया था।

प्रियंका ने सेंट्रल विस्टा को लेकर केंद्र पर निशाना साधा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सेंट्रल विस्टा परियोजना को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि देश में कोरोना महामारी के संकट के समय प्रधानमंत्री के नए आवास के लिए पैसे क्यों खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री का नया आवास और सेंट्रल विस्टा की लागत 20 हजार करोड़ रुपए है। इतने पैसे में टीके की 62 करोड़ खुराक आ जाएगी, 22 करोड़ रेमेडिसिवर आ जाएगा, 10 लीटर के तीन करोड़ ऑक्सीजन सिलेंडर आ जाएंगे या 13 एम्स बन जाएंगे। फिर ए क्यों ? प्रियंका के साथ ही पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य नेता सेंट्रल विस्टा परियोजना को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उधर, विदेशी सहायता को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह नया भारत है, जहां नाकामियों से मिली सहानुभूति को खूबी बना दिया जाता है।

कोलकाता में नये मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कोरोना वायरस के खिलाफ गांव में कड़ी नाकाबंदी

मंत्री और जिलाधिकारी वापस लौटे

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के करीब 7,000 की आबादी वाले ढाबली गांव में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए ग्रामीणों ने अपने स्तर पर कड़ी नाकाबंदी के जरिए बाहरी लोगों के प्रवेश पर सख्ती कर रखी है। सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य सरकार के एक मंत्री और जिलाधिकारी तक ने अपने दौरे में इस गांव के भीतर प्रवेश नहीं किया और ग्रामीणों की जागरूकता का सम्मान करते हुए वापस लौट गए। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर ढाबली गांव में रविवार को सामने आई इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इनमें राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और जिलाधिकारी मनीष सिंह गांव के प्रवेश द्वार पर लगे बैरिकेड के दूसरी ओर खड़े होकर ग्रामीणों से चर्चा करते नजर आ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री और जिलाधिकारी जनता कर्फ्यू (आंशिक लॉकडाउन) के दौरान महामारी की स्थिति का जायजा लेने ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे पर गए थे, लेकिन ढाबली गांव में महामारी से बचाव के लिए ग्रामीणों की जागरूकता को देखते हुए उन्होंने बैरिकेड हटवाकर गांव में प्रवेश करना उचित नहीं समझा और वे बैरिकेड पर तैनात ग्रामीणों से चर्चा कर लौट गए। ढाबली गांव के सरपंच महेश परिहार ने सोमवार को कहा, कोरोना वायरस संक्रमण के चलते गांव के दो-तीन लोगों की मौत के बाद हमने बाहरी लोगों के प्रवेश पर सख्ती करने के लिए बैरिकेड लगा दिया है। गांव के युवा इस बैरिकेड पर बारी-बारी तैनात होते हैं।

नेतृत्व परिवर्तन के लिए नही हुई शाह के साथ बैठक : कर्नाटक के मंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृहमंत्री बसावराज बोम्मई ने सोमवार को कहा कि हाल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई उनकी बैठक कोविड-19 महामारी को लेकर थी ना कि राज्य में किसी नेतृत्व परिवर्तन को लेकर। बोम्मई ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमारे दिल्ली दौरे का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं था। कोविड-19 महामारी के अलावा हमारे दिल्ली दौरे का कोई और कारण नहीं था। हमने ऐसी चर्चा (नेतृत्व परिवर्तन) तक नहीं की। बोम्मई के साथ कर्नाटक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा के बेटे बी वाई विजएंद्र के दिल्ली दौरे से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कयास लगाए जाने लगे थे। यहां तक कि कुछ खबरों में यह तक कहा गया कि बोम्मई कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, पत्रकारों से स्थिति स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा, नेतृत्व परिवर्तन का विचार ही दोषपूर्ण है।

कोविड-19 पर कड़े कदम उठाए गए है, सम्पूर्ण लॉकडाउन से रोजी रोटी पर असर पड़ेगा : ममता

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं, लेकिन अगर सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया लोगों की जीविका प्रभावित होगी। राज्य में स्थिति शांतिपूर्ण होने का तर्क देते हुए बनर्जी ने कहा कि चुनाव के बाद हिंसा संबंधी फर्जी वीडियो फैलाने वालों के खिलाफ उनकी सरकार कार्वाई करेगी। केन्द्र सरकार से देश में सभी को निःशुल्क टीका लगाने का अनुरोध करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार टीकाकरण के लिए किसी से कोई शुल्क नहीं लेगी। अपनी नई सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, हमने कड़े कदम उठाए हैं... राज्य में (कोविड-19 के मरीजों के लिए) अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाकर 30,000 कर दी गई है। राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को ऑक्सीजन प्लांट लगाने को भी कहा गया है और उन्हें अपने हिसाब से बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा, सम्पूर्ण लॉकडाउन से लोगों खास तौर से दिहाड़ी मजदूरों की जीविका पर असर पड़ेगा,। मुख्यमंत्री ने लोगों से ईद के अवसर पर छोटे-छोटे समूहों में (50 से कम लोगों) नमाज पढ़ने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने केन्द्र से बंगाल के लिए तीन करोड़ टीके मांगे हैं, जिनमें से एक करोड़ निजी अस्पतालों को दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा , वायरस संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए स्थानीय ट्रेन सेवाओं के निलंबन जैसे कई कदम उठाए जा रहे हैं।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 43 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, विभागों का हुआ बंटवारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी नीत नई सरकार के मंत्रिमंडल के कम से कम 43 सदस्यों को सोमवार को राजभवन में एक संक्षिप्त समारोह में मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक संक्षिप्त समारोह में मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। तृणमूल कांग्रेस के अमित मित्रा, ब्रत्य बासु और रतिन घोष को डिजिटल तरीके से शपथ दिलाई गई। मित्रा इस समय अस्वस्थ हैं और बासु तथा घोष कोविड-19 से उबर रहे हैं। आज जिन्हें शपथ दिलाई गई, उनमें 24 कैबिनेट मंत्री एवं 10 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं। आठ महिलाएं भी मंत्रिमंडल में शामिल की गई हैं।

क्विक न्यूज

लोग अपने मताधिकार की कीमत जान से चुका रहे है, हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा: बंगाल राज्यपाल

कोलकाता। ममता बनर्जी सरकार के मंत्रियो को शपथ दिलाने के कुछ क्षणो बाद ही पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य में चुनाव बाद हिंसा से उपजी स्थिति पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि वह प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। धनखड़ ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि लोगो को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की कीमत अपनी जान से चुकानी पड़ रही है। रेखांकित किया, चुनाव बाद हिंसा से उपजी स्थिति चिंताजनक है। मै राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा। राज्यपाल ने कहा कि राज्य प्रशासन ने प्रभावित इलाकों का दौरा करने से पहले जरूरी व्यवस्था करने के उनके आग्रह पर अब तक जवाब नही दिया है। धनखड़ ने कहा, अगर आपका वोट आपकी जान जाने या संपत्ति के नष्ट होने का कारण बनता है, अगर यह आगज़नी का कारण बनता है तो फिर लोकतंत्र के खत्म होने का संकेत मिलता है। विधानसभा चुनाव के दो मई को नतीजों के ऐलान के बाद बंगाल के कई हिस्सो से संघर्ष की खबरे मिली हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में कहा है कि चुनाव बाद हिंसा में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई है।

कोट कपूरा घटना की जांच छह महीने से पहले पूरी करने के लिए स्वतंत्र है जांच दल: पंजाब सरकार

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि 2015 के कोट कपूरा गोलीबारी घटना की जांच पूरी करने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा तय की गई छह महीने की समयसीमा अधिकतम है और नया विशेष जांच दल (एसआईटी) उससे भी जांच संपन्न करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने शनिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह पर निशाना साधते हुए कहा था कि घटना की जांच के लिए एसआईटी को छह महीने का समय देने से फरीदकोट में 2015 मे बेअदबी मामले के बाद पुलिस गोलीबारी की घटना मे न्याय सुनिश्चित करने मे और देरी होगी। विपक्षी दलो आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा ने भी इस मुद्दे पर पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह दोषियो को बचाने और न्याय मे देरी का प्रयास कर रही है।सरकार ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार शुक्रवार को तीन सदस्ईय नए विशेष जांच दल का गठन करके उसे छह महीने मे घटना की जांच पूरी करने का निर्देश दिया था। इस विशेष जांच दल मे एडीजीपी (सतर्कता ब्यूरो) एल के यादव, लुधियाना के पुलिस आयुक्त राकेश अग्रवाल और डीआईजी (फरीदकोट रेंज) सुरजीत सिंह को शामिल किया गया है। जांच दल कोट कपूरा गोलीबारी घटना के संबंध में दर्ज दो मामलों की जांच करेगी। पंजाब सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि कोट कपूरा गोलीबारी घटना की जांच पूरी करने के लिए एसआईटी को छह महीने की समयसीमा सरकार ने नही बल्कि उच्च न्यायालय ने दी है। प्रवक्ता ने कहा कि अदालत ने एसआईटी को छह महीने से पहले जांच पूरी करने से नही रोका है। बल्कि यदि संभव हो तो वह दो महीने मे भी जांच पूरी कर सकती है।

बाहर आएं माओवादी कोविड-19 के उपचार में मिलेगी मदद

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने सोमवार को माओवादियों से अपील की कि वे सामने आएं और कोविड-19 संक्रमण का उपचार कराएं। भद्राद्री कोठागुडेम के पुलिस अधीक्षक सुनील दत्त ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उन्हे ऐसी सूचना मिली है कि प्रतिबंधित संगठन के कुछ नेता और सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित है। दत्त ने कहा, अगर माओवादी पार्टी के कोई भी नेता या सदस्य कोविड-19 से जूझ रहा है तो हम अनुरोध करते है कि वे सामने आएं। पुलिस उन्हें उपचार मुहैया कराने में मदद करेगी। संपर्क किए जाने पर दत्त ने बताया कि अब तक किसी ने भी पुलिस से मदद के लिए संपर्क नही किया है। पुलिस अधिकारी ने प्रतिबंधित संगठन के सदस्यों से अपील की कि अगर माओवादी नेता अपने काडर के पुलिस की मदद लेने पर आपत्ति जताते है तो वे संगठन छोड़ दें।

सरकार ने सीवीसी प्रमुख के लिए आवेदन आमंत्रित किया, आवेदक को लिखना होगा 300 शब्दों में लेख

नई दिल्ली। सरकार ने भ्रष्टाचार रोधी निकाय सीवीसी प्रमुख के लिए आवेदन आमंत्रित किया है जिसमें आवेदक को 300 शब्दों में यह भी बताना होगा कि वह इस पद के लिए क्यो योग्य है। मौजूदा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) संजय कोठारी अगले महीने अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होने पिछले साल अप्रैल में इस पद की जिम्मेदारी संभाली थी। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया, केंद्रीय सतर्कता आयोग मे केंद्रीय सतर्कता आयुक्त नियुक्त करने का प्रस्ताव किया जाता है जो जून 2021 मे मौजूदा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के कार्यकाल पूरा होने की वजह से रिक्त हो रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सतर्कता आयोग मे केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और अधिकतम दो सतर्कता आयुक्त होते है। सीवीसी में सतर्कता आयुक्त का पद भी खाली है और इस समय सुरेश एन पटेल आयोग मे एकमात्र सतर्कता आयुक्त हैं।

रांची में झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोविड-19 मरीजों के लिए 'बिसरा जीवन आयुष' एम्बुलेन्स का किया उद्घाटन।

राकांपा ने कोविड-19 से निपटने के लिए एक देश, एक नीति की बात कही

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ राकांपा और कांग्रेस ने देश में कोविड-19 से निपटने को लेकर केन्द्र पर निशाना साधा और महामारी से निजात पाने के लिए सोमवार को एक देश, एक नीति की बात कही। राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने और इस संबंध में नीति बनाने की मांग की। मलिक ने कहा, ऐसे वक्त में जब देश में मौजूदा कोविड-19 के मद्देनजर एक देश, एक नीति की जरूरत है, कोरोना वायरस सिर्फ विज्ञापनों से नहीं भागेगा।

उन्होंने दावा किया कि बिहार और उत्तर प्रदेश में स्थिति इतनी खराब है कि कोविड-19 से मरने वालों का अंतिम संस्कार शवदाह गृह के स्थान पर नदियों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा, देश में जब तक एक नीति नहीं है, कोविड-19 महामारी से नहीं निपटा जा सकता। नीति निर्धारित करने के लिए मोदी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। किसी को इसपर संदेह नहीं है कि केन्द्र कोविड-19 से उत्पन्न स्थिति से निपट नहीं सकता है। राकांपा नेता ने आरोप लगाया, केन्द्र वह काम नहीं कर रहा है, जो उसे करना चाहिए। इसलिए वह अदालत के आदेश से किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि (केन्द्र) सरकार अपना कर्तव्य निभाने में असफल रहा है। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर केन्द्र पर निशाना साधा और कहा कि दुर्भाग्यवश यह साबित हो गया है कि मोदी सरकार के पास लोगों की रक्षा के लिए कोई उचित नीति या योजना नहीं है। थोराट ने पत्रकारों से कहा, केन्द्र ने (कोविड-19) पहली लहर का सफल प्रबंधन करने का दावा किया। जिस तरह से चुनाव कराए गए, कुंभ मेले का आयोजन हुआ... पूरा देश उसका परिणाम भुगत रहा है।

दवाओं की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें राज्यः केन्द्र

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान सभी राज्यों को दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कठोरतम कार्वाई सुनिश्चित करने के लिए विशेष दलों का गठन करना चाहिए और यह स्पष्ट देना चाहिए कि लोगों की तकलीफों का व्यापार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्यायालय में दायर एक हलफनामे में केन्द्र ने कहा कि भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को सूचित कर दिया है कि दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखें और कड़ी निगरानी रखने के साथ-साथ सख्त कार्वाई भी करें। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए औषधि एवं प्रशासन कानून, आवश्यक वस्तु अधिनियम आदि संबंधित कानूनों के तहत सख्त कार्वाई करें। केन्द्र ने अपने हलफनामे में कहा, कालाबाजारी की समस्या से आवश्यक रूप से पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रशासन निपटता है।

चूंकि कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, ऐसे में सभी राज्य सरकारें सुनिश्चित करें कि राज्य, जिला और तालुका स्तर पर गठित विशेष दल दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्वाई करें और स्पष्ट संदेश दें कि लोगों की तकलीफों का व्यापार किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हलफनामे में कहा गया है कि देश भर में अभी तक ऐसे 157 मामलों में कार्वाई की गई है, जिसमें प्राथमिकी दर्ज करना और आरोपियों की गिरफ्तारी शामिल है। महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और सेवा बहाली के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही।

चुनावी हार के कारणों का पता लगाने जल्द होगा समूह का गठन, सोनिया बोलीं: चीजें दुरुस्त करनी होंगी

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के कारणों का पता लगाने के लिए अगले 48 घंटे के भीतर एक समूह गठित करने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इन चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर चिंता प्रकट करते हुए सोमवार को कहा कि इन परिणामों से स्पष्ट है कि कांग्रेस में चीजों को दुरुस्त करना होगा। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की डिजिटल बैठक में यह प्रस्ताव किया कि चुनावी हार के कारणों का पता लगाने के लिए एक समूह का गठन किया जाएगा। कांग्रेस के संगठन महासचिव ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि अगले 48 घंटे के भीतर इस समूह का गठन कर दिया जाएगा और यह जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट देगा।

एक सवाल के जवाब में वेणुगोपाल ने यह भी कहा, इस समूह की रिपोर्ट के आधार पर आगे कदम उठाया जाएगा और जवाबदेही तय की जाएगी। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रभारियों ने चुनाव में कमियों और दूसरे बिंदुओं पर अपनी बात रखी। इससे पहले, सोनिया ने बैठक में कहा, हमें इन गंभीर झटकों का संज्ञान लेने की जरूरत है। यह कहना कम होगा कि हम बहुत निराश हैं। मेरा इरादा है कि इन झटकों के कारण रहे हर पहलू पर गौर करने के लिए एक छोटे का समूह का गठन करूं और उससे बहुत जल्द रिपोर्ट ली जाए। उन्होंने कहा, हमें इसे समझना होगा कि हम केरल और असम में मौजूदा सरकारों को हटाने में विफल क्यों रहे तथा बंगाल में हमारा खाता तक क्यों नहीं खुला ?

इन सवालों के कुछ असहज करने वाले सबक जरूर होंगे, लेकिन अगर हम वास्तविकता का सामना नहीं करते, अगर हम तथ्यों को सही ढंग से नहीं देखते, तो हम सही सबक नहीं लेंगे। सोनिया ने कहा, जब हम गत 22 जनवरी को मिले थे तो हमने फैसला किया था कि कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव जून के मध्य तक पूरा हो जाएगा। चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री ने चुनाव कार्यक्रम तय किया है। वेणुगोपाल कोविड 19 और चुनाव नतीजों पर चर्चा के बाद इसे पढ़ेंगे।

चिकमंगलूर में कोविड-19 वैक्सीन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए लोग।

उच्चतम न्यायालय में केंद्र सरकार ने दाखिल किया हलफनामा

घर-घर कोविड टीकाकरण की संभावना को किया खारिज

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने लोगों का घर-घर जाकर टीकाकरण करने की संभावना से उच्चतम न्यायालय में इनकार किया और कहा कि अच्छे, उचित और तर्कसंगत कारणों के लिए टीकाकरण कोविन पोर्टल पर पंजीकृत सरकारी एवं निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों (सीवीसी) में किया जाएगा।

केंद्र ने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के तहत सीवीसी की चार प्रमुख आवश्यकताएं- पर्याप्त स्थान, पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज सुविधा, पर्याप्त संख्या में टीका लगाने वाले एवं चिकित्सकीय सहायक कर्मी की उपलब्धता और टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव के प्रबंधन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं हैं। केंद्र का यह जवाब शीर्ष अदालत के इस सवाल पर आया कि क्या वह कोविड-19 टीकाकरण के लिए देशव्यापी जन जागरूकता अभियान चलाने और लोगों का उनके घर पर टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण इलाकों एवं वंचित वर्गों तक सचल वैन, वाहनों और रेलवे का उपयोग करके पहुंच सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है ताकि लोगों को कम यात्रा करनी पड़े और कोविड-19 से संक्रमण की आशंका कम हो।

केंद्र ने अपने 218 पृष्ठों के विस्तृत हलफनामे में कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी घर के वातावरण में प्रतिकूल प्रभाव का समय से पर्याप्त तरीके से प्रबंधन करना या दरवाजे के पास टीकाकरण करना मुश्किल होगा तथा कोई प्रतिकूल प्रभाव होने पर हो सकता है कि मामले का प्रबंधन उचित तरीके से नहीं हो सके एवं ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सुविधा तक पहुंचने में देरी हो, भले ही पास में एम्बुलेंस तैनात हो। सरकार ने कहा कि लाभार्थी अपने निवास पिन

कोड के आधार पर कोविन सॉफ्टवेयर के माध्यम से पहचाने गए सीवीसी में स्लॉट बुक कर सकते हैं जिससे उन्हें पास के सीवीसी में टीकाकरण की सुविधा मिलेगी। केंद्र ने कहा, टीकाकरण के बाद 30 मिनट के लिए प्रत्एक लाभार्थी की निगरानी रखने के प्रोटोकॉल को बनाए रखना संभव नहीं है, क्योंकि प्रत्एक घर में एक या दो लाभार्थी हो सकते हैं और टीकाकरण टीम के लिए प्रत्एक और हर घर में 30 मिनट से अधिक समय रहना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं हो सकता है। सरकार ने कहा कि इससे पूरे टीकाकरण अभियान में देरी होगी। केंद्र ने कहा कि टीकों को लगाने के लिए उसका विशेष तापमान बनाए रखने एवं संदूषण से बचाने के वास्ते उसे वैक्सीन कैरियर में रखने की जरूरत होती है। उसने कहा, यदि टीका घर-घर लगाया जाता है तो टीके को रखने वाले बॉक्स को बार-बार खोलने की आवश्यकता होगी, जिससे उसके तापमान की सीमा को बनाए रखना मुश्किल होगा। टीके की प्रभावशीलता और टीकाकरण के बाद के प्रतिकूल प्रभाव रोकने के लिए टीके को सही तापमान में बनाए रखना आवश्यक है। केंद्र ने कहा, इसके अलावा, सामाजिक-आर्थिक और वंचित वर्गों के लिए टीकाकरण के वास्ते घर-घर जाने में लगने वाले अधिक समय के चलते टीके के अपव्यय की आशंका है। टीके की एक शीशी को एक बार खोलने के बाद उसे 4 घंटे में इस्तेमाल करना होता है। प्रत्एक लाभार्थी तक पहुंचने में समय लगेगा और इससे टीके की खुली शीशी का अपव्यय होगा। सरकार ने बताया कि घर पर टीकाकरण से स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्य कर्मियों पर उन लोगों के टीकाकरण का अनुचित दबाव डाला जा सकता है जिनका नाम लाभार्थियों की सूची में नहीं है। इसलिए इन स्वास्थ्यकर्मियों को अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत होगी ।सरकार ने का, इसके अलावा, टीका लगाने वाले जब टीका लगाने के लिए विभिन्न स्थानों की यात्रा करेंगे तो उनके कोविड-19 से संक्रमित होने का खतरा रहेगा। टीकाकरण टीम को घर पर बैठने की जगह की आवश्यकता होगी और उन्हें लाभार्थी के घर के अंदर कुछ समय बिताना होगा। सरकार ने कहा कि भारत में बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जिसका प्रशासन जमीनी स्तर पर पंचायत की इकाइयों द्वारा किया जाता है। सरकार ने कहा, देश के डिजिटल युग में प्रवेश करने के बाद इन सभी ग्राम पंचायतों ने सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) की स्थापना की है, जिनके पास लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म हैं। इन सीएससी और इसके बुनियादी ढांचे का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक और प्रभावी रूप से किया जाता है। इससे इंटरनेट की पहुंच उन व्यक्तियों तक होती है जो इसका उपयोग करने में हो सकता है कि निपुण नहीं हों या उनकी इस तक सीधी पहुंच नहीं हो। केंद्र ने कहा कि सभी श्मशान घाटों में काम करने वाले श्मशान के मजदूरों (चाहे वे स्थाई हों, संविदा पर हों या ठेकेदारों द्वारा काम पर रखे गए हों) उन्हें पहले से ही अग्रिम मोर्चे के कर्मियों की श्रेणी में शामिल किया गया है। केंद्र ने कहा कि इसी तरह, कोविड-19 गतिविधियों में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों के सभी पंचायत कर्मियों को भी अग्रिम मोर्चे के कर्मियों की श्रेणी में शामिल किया गया है।

पंजाब में कुछ मंत्री चाहते हैं सिद्धू पर हो कार्रवाई

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब सरकार के कुछ कैबिनेट मंत्रियों ने क्रिकेट से राजनीति में आए विधायक नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर किए जा रहे हमले पर कड़ी आपत्ति जताई है और कांग्रेस नेतृत्व से उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्वाई की मांग की है। सिद्धू ने वर्ष 2015 कोटकपुरा गोलीबारी कांड की जांच रिपोर्ट पिछले महीने पंजाब-हरियाण उच्च न्यायालय द्वारा खारिज करने के बाद मुख्यमंत्री के खिलाफ हमलावर रुख अख्तियार कर लिया है।

मंत्रियों के मुताबिक सिद्धू की खुली बगावत से कांग्रेस के हितों को नुकसान पहुंच रहा है और वह भी ऐसे समय जब पंजाब में विधानसभा होने में एक साल से भी कम का समय बचा है। मंत्रियों ने सिद्धू द्वारा मुख्यमंत्री पर निरंतर हमले की निंदा की और उसे घोर अनुशासनहीनता तथा राज्य में कांग्रेस सरकार को कमजोर करने का प्रयास करार दिया। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा अमरिंदर सिंह पर निजी हमले पार्टी विरोधी गतिविधि है और उन्होंने तत्काल अनुशासनात्मक कार्वाई की मांग की। पंजाब कांग्रेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक ब्रह्म मोहिंदर, सुंदर शाम अरोड़ा और साधू सिंह धर्मसोत सहित मंत्रियों ने सिद्धू की गतिविधियों और मुख्यमंत्री की खुली आलोचना पर कड़ी आपत्ति जताई, खासतौर पर ऐसे समय में जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में एक साल से भी कम का समय बचा है।

मंत्रियों ने चेतावनी दी है कि सिद्धू के खिलाफ कार्वाई नहीं होने पर कांग्रेस की राज्य इकाई में असंतोष बढ़ेगा जो पार्टी के लिए घातक होगा। मंत्रियों के समूह ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि सिद्धू व्यक्तिगत और राजनीतिक हित से काम कर रहे हैं।

एमपी में ब्लाक, ग्राम और नगर वार्ड स्तर पर होगा समूहों का गठन

● मध्यप्रदेश के ग्रामीण इलाकों व कस्बों में तेजी से पैर पसार रहे वायरस की रोकथाम के लिए सरकार ने उठाया कदम

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों एवं कस्बों में तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस संक्रमण के बीच प्रदेश सरकार ने सोमवार को निर्णय लिया कि कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिए ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर संकट प्रबंधन समूहों का गठन किया जाए। जिला स्तर पर पूर्व में ही जिला संकट प्रबंधन समूह गठित है और उनके द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिए सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया, मध्य प्रदेश गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजोरा ने कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिए जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर संकट प्रबंधन समूहों के गठन के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि इन समूहों द्वारा ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय वार्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न आपात स्थिति के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन और कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जाएगी।

राजोरा ने बताया कि विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अध्यक्ष होंगे। इस समूह में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड मुख्यालय के नगरीय क्षेत्र के आयुक्त के प्रतिनिधि अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, प्रोजेक्ट ऑफिसर महिला एवं बाल विकास विभाग, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, कलेक्टर द्वारा नामांकित विकासखण्ड के जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवी संगठन सदस्य होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रत्एक गांव में ग्राम संकट प्रबंधन समूह का गठन किया जाए। ग्राम संकट प्रबंधन के समूह के अध्यक्ष ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष होंगे। ग्राम पंचायत के सचिव, जन अभियान परिषद, महिला स्व-सहायता समूह, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासनिक समिति के संबंधित ग्राम में निवासरत सदस्य, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका और ग्राम के कोटवारापटेल समूह के सदस्य होंगे।

राजोरा ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में वार्ड वार संकट प्रबंधन समूह के गठन के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में वार्ड संकट प्रबंधन समूह में वार्ड प्रभारी अधिकारी अध्यक्ष होंगे। क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, नगर निगम आयुक्तामुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा नामांकित प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, वार्ड के प्रतिष्ठित निजी चिकित्सक, स्वयंसेवी संगठन, जन अभियान परिषद, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता महिला स्व-सहायता समूह सदस्य होंगे। राजोरा ने बताया कि ब्लॉक संकट प्रबंधन समूह के आदेश जिला कलेक्टर, नगरीय वार्ड संकट प्रबंधन समूह के आदेश सम्बन्धित आयुक्त नगर निगमामुख्य नगर पालिका अधिकारी और ग्राम संकट प्रबंधन समूह के आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त समूहों की माह में कम से कम एक बैठक हो। उनके द्वारा सतत इन समूहों के कार्य की समीक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पूर्व में ब्लॉक, वार्ड और ग्राम स्तर पर गठित संकट प्रबंधन समूह इस आदेश से गठित समूहों में समाहित होंगे।

राजस्थान में कोरोना से 160 और मौतें

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 16,487 नए मामले सामने आए जबकि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से 160 और मरीजों की मौत हो गई। चिकित्सा विभाग ने इसकी जानकारी दी। चिकित्सा विभाग की जानकारी में कहा गया है कि राज्य में संक्रमण के अभी 203017 मामले उपचाराधीन हैं और इस घातक वायरस से अब तक कुल 5,825 लोगों की जान जा चुकी है। चिकित्सा विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में बीते चौबीस घंटे में 16,487 और संक्रमित मिले है। इसमें राजधानी जयपुर में 2918, जोधपुर में 1915, उदयपुर में 1014, कोटा में 945, अलवर में 906, भरतपुर में 877, बीकानेर में 508,चूरू में 503, भीलवाडा में 501 नए रोगी शामिल है। इसके अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में इस दौरान 13,499 और मरीज ठीक हुए।

जबलपुर में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चार सौ बेडों वाले रानी दुर्गावती कोविड-19 केंद्र के उद्घाटन के दौरान

पश्चिम बंगाल में कोविड-19 से 134 मरीजों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सोमवार को कोविड-19 से 134 और मरीजों की मौत हुई जबकि संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 19,445 नए मामले आए। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि ए मामले गत 24 घंटे के दौरान 62,186 नमूनों की जांच में आए हैं। इस प्रकार राज्य में संक्रमण की दर 31.26 प्रतिशत तक पहुंच गई है। राज्य में इस समय ।,26,663 मरीज उपचाराधीन हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नए मामलों के आने के साथ ही पश्चिम बंगाल में अबतक संक्रमित हुए मरीजों की कुल संख्या भी 10 लाख के पार यानी 10,12,604 हो गई है। राज्य में 12,461 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि गत 24 घंटे के दौरान राज्य में 18,675 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे ठीक होने की दर 86.26 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

डॉ. निशंक ने सांसद निधि से कोरोना संबंधी चिकित्सा उपकरणों के लिए 1.5 करोड़ दिए

● कोरोना काल में अपने संसदीय क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को आगे आए केंद्रीय मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं हरिद्वार से लोक सभा सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने आज अपने संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय तथा आईसीएमआर द्वारा कोरोना के मॉडरेट लक्षण वाले मरीजों के लिए चिन्हित किए गए डीसीएचसी केंद्रों में महामारी के इलाज के लिए जरूरी उपकरणों के लिए सांसद निधि से 1.5 करोड़ रुपए की राशि प्रदान

की। उन्होंने हरिद्वार के जिलाधिकारी को लिखे गए पत्र में कहा कि मेरी सांसद निधि से तत्काल प्रभाव से चार में से दो केंद्रों - बाबा बर्फानी एवं बेस हॉस्पिटल में 20 बीआईपीएपी मशीनें, 200 टाइप डी ऑक्सीजन सिलेंडर, 2 आई स्टैट एबीजी, 50 आई स्टैट एबीजी 100 कार्ट्रिज, 2 शार्प ब्लास्टर 100 बीआईपीएपी मास्क एवं 1 ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाए। गौरतलब है कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एवं आईसीएमआर ने हरिद्वार में चार सरकारी डीसीएचसी बाबा बर्फानी बेस हॉस्पिटल, मेला हॉस्पिटल और सिविल हॉस्पिटल रुड़की चिन्हित किए हैं। इस अवसर पर निशंक ने कहाकि पूरा देश इस महामारी के खिलाफ लड़ाई कर रहा है और हमारे सभी डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स मरीजों की देखरेख में लगे हुए हैं। केंद्र सरकार देश के सभी अस्पतालों एवं कोविड केयर केंद्रों में सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हर प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि देश में कोरोना से संबंधित इलाज के लिए जरूरी किसी भी चीज की कमी ना हो। केंद्र सरकार के सभी मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी सांसद विधायक एवं कार्यकर्त्ता इस लड़ाई में अपना योगदान दे रहे हैं।

अपनी मां को बता दो, एक दिन मैं असम का मुख्यमंत्री बनूंगा

● हिमंत बिस्व सरमा ने सालों पहले रिनिकी भुइयां से यह बात कही थी जो बाद में उनकी पत्नी बनी

भाषा। गुवाहाटी

युवक 22 साल का था और युवती महज 17 साल की। जब युवती ने कहा कि वह उसके भविष्य के बारे में अपनी मां को क्या बताएगी तो युवक ने जवाब दिया था अपनी मां को बता दो, मैं एक दिन मुख्यमंत्री बनूंगा। ये कहानी फिल्मी नहीं बल्कि एकदम हकीकत है। असम के नए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सालों पहले रिनिकी भुइयां से यह बात कही थी जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। यह उस जमाने की बात है जब सरमा स्वयं यहां कॉटन कॉलेज के छात्र थे। सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां बताती हैं कि

उनके पति कॉलेज के समय से ही मुख्यमंत्री बनने को लेकर आश्वस्त थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से बातचीत में बताया कि हिमंत छात्र जीवन से ही अपने लक्ष्य को लेकर एकनिष्ठ थे और जानते थे कि उनको भविष्य में क्या बनना है। उल्लेखनीय है कि सरमा ने सोमवार को असम के 15वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। भुइयां ने बताया, वह 22 साल के और मैं 17 साल की थी तब हमारी पहली मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे पूछा था कि मैं अपनी मां को उनके भविष्य के बारे में क्या बताऊंगी? तब उन्होंने जवाब दिया था कि उनसे कह दो कि मैं असम का मुख्यमंत्री बनूंगा। उन्होंने बताया कि मैं भौंचक रह गई लेकिन बाद में महसूस हुआ कि जिस व्यक्ति से वह शादी करेंगी उसका राज्य को लेकर एक निश्चित लक्ष्य और सपना है, चट्टान की तरह प्रतिबद्धता है। भुइयां ने कहा, जब हमारी शादी हुई तब वह विधायक थे, उसके बाद वह मंत्री बने और फिर राजनीति में बढ़ते चले गए, लेकिन आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए देखकर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, यहां तक कि कल रात हमारी बात हुई तो उन्होंने नामित मुख्यमंत्री का उल्लेख किया और जब मैंने पूछा कुन (कौन) तब उन्होंने जवाब दिया मुई (मैं)। मेरे लिए वह हमेशा हिमंत रहे हैं और मैं उन्हें मुख्यमंत्री के साथ नहीं जोड़ सकती। इस शब्द से परिचित होने में कुछ समय लगेगा। सरमा की पत्नी मीडिया उद्यमी हैं और दंपति के दो बच्चे हैं- 19 साल के नंदिल बिस्व सरमा और 17 साल की सुकन्या सरमा।

पेज 1 का शेष

सेंट्रल विस्टा निर्माण के...

अदालत ने कहा था कि वह देखना चाहती है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर आगे बढ़ने की मंजूरी देते हुए शीर्ष अदालत ने क्या कहा है। याचिकाकर्ताओं ने न्यायालय में दायर याचिका में दलील दी थी कि यह परियोजना आवश्यक गतिविधि नहीं है और इसलिए, महामारी के मद्देनजर इस पर रोक लगाई जा सकती है। लूथरा ने पीठ से कहा था कि यह मामला अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि देश एक अभूतपूर्व मानवीय संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा था कि वह राजपथ, सेंट्रल विस्टा विस्तार और उद्यान में चल रहे निर्माण कार्य को जारी रखने की प्रदान की गई अनुमति की चुनौती से चिंतित हैं। लूथरा ने कहा था, मजदूरों को सराय काले खां और करोल बाग क्षेत्र से राजपथ और सेंट्रल विस्टा तक ले जाया जा रहा है, जहां निर्माण कार्य चल रहा है। इससे उनके बीच संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने सोमवार को मामले की शीघ्र सुनवाई का अनुरोध करते हुए अदालत में भी यही दलील दी। शीघ्र सुनवाई की अर्जी पर 11 मई को उच्च न्यायालय में सुनवाई हो सकती है। लूथरा ने कहा था कि जब देश में लॉकडाउन पर विचार किया जा रहा है और यहां तक कि इंडियन प्रीमियर लीग को भी स्थगित कर दिया गया है, ऐसे में निर्माण गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि यदि परियोजना को महामारी के दौरान जारी रहने की अनुमति दी गई तो इससे काफी संक्रमण फैल सकता है। उन्होंने उच्च न्यायालय के समक्ष कहा कि चरमराती स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और निर्माण स्थल पर कार्यरत श्रमिकों का जीवन जोखिम में होने के मद्देनजर परियोजना का जारी रहना चिंता का विषय है। अधिवक्ताओं गौतम खजांची और प्रद्युम्न कायस्थ के माध्यम से दायर की गई याचिका में कहा गया है कि इस परियोजना में राजपथ और इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक पर निर्माण गतिविधि प्रस्तावित है। इस परियोजना के तहत एक नए संसद भवन, एक नए आवासीय परिसर के निर्माण की परिकल्पना की गई है जिसमें प्रधानमंत्री और उप-राष्ट्रपति के आवास के साथ-साथ कई नए कार्यालय भवन और मंत्रालय के कार्यालयों के लिए केंद्रीय सचिवालय का निर्माण किया जाना है।

कांग्रेस ने टाला...

उल्लेखनीय है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद सोनिया गांधी को पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव उस वक्त स्थगित किया गया है जब हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। असम और केरल में सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही कांग्रेस को हार झेलनी पड़ी। वहीं, पश्चिम बंगाल में उसका खाता भी नहीं खुल सका। पुडुचेरी में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा जहां कुछ महीने पहले तक वह सत्ता में थी। तमिलनाडु में उसके लिए राहत की बात रही कि द्रमुक की अगुवाई वाले उसके गठबंधन को जीत मिली।

पश्चिम बंगाल के सभी...

नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को पहले ही सीआरपीएफ के जवानों द्वारा जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सदस्ईय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर सरकार बनाई है।

नेपाल के पीएम...

सदन की कार्यवाही को स्थगित करने से पहले सपकोटा ने घोषणा की, प्रस्ताव के पक्ष में पड़े मत मौजूदा प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के हिसाब से बहुमत तक नहीं पहुंचे हैं। मैं घोषणा करता हूं कि प्रधानमंत्री द्वारा पेश प्रस्ताव जिसमें उन्होंने विश्वास हासिल करने की इच्छा व्यक्त की है, खारिज हो गया है। ओली के प्रतिद्वंद्वी माधव नेपाल और झाला नाथ खनाल गुट के 28 समर्थक सदस्य विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। मुख्य विपक्षी नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवोदी केंद्र) के क्रमश: 61 और 49 सदस्यों ने ओली के खिलाफ मतदान किया। जनता समाजवादी पार्टी जिसके सदन में कुल 32 सदस्य है, बंटी हुई दिखी। महंता-ठाकुर नीत गुट मतदान के दौरान तटस्थ रहा जबकि उपेंद्र यादव नीत गुट ने ओली के खिलाफ मतदान किया। प्रचंड की पार्टी द्वारा पिछले हफ्ते समर्थन वापस लेने के बाद ओली सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल में राजनीति संकट पिछले साल 20 दिसंबर को तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर संसद को भंग कर 30 अप्रैल और 10 मई को नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश दिया। ओली ने यह अनुशंसा सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी में सत्ता को लेकर चल रही खींचतान के बीच की थी। ओली द्वारा संसद भंग करने के फैसले के बाद प्रतिद्वंद्वी प्रचंड के नेतृत्व वाली पार्टी के बड़े धड़े ने प्रदर्शन किया था। इस साल फरवरी में उच्चतम न्यायालय ने भंग प्रतिनिधि सभा को बहाल किया जो मध्यावधि चुनाव की तैयारी कर रहे ओली के लिए झटका था।

बिहार के बक्सर में...

लेकिन फिर भी कोई लाश बक्सर के इलाक़े में आ जाती है तो उसका पूरे सम्मान के साथ संस्कार किया जाएगा। बता दे बक्सर जिला उत्तरप्रदेश और बिहार राज्य का सीमावर्ती ज़िला है। गंगा नदी के किनारे बसे इस ज़िले के उत्तर मे यूपी का बलिया ज़िला और पश्चिम में गाजीपुर ज़िला है।

कोविड-19 : नासिक में 12 से 23 मई तक लॉकडाउन जैसे कड़े प्रतिबंध

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में कोविड-19 के बढ़ते हुए मामलों के मद्देनजर 12 से 23 मई तक लॉकडाउन जैसी कड़ी पाबंदियां लागू करने की घोषणा की गई है। मंत्री छगन भुजबल ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। नए प्रतिबंधों के तहत आवश्यक और चिकित्सीय कारणों को छोड़कर लोगों के घरों से बाहर निकलने पर पाबंदी होगी। किराना दुकानें, मिठाई और बेकरी की दुकानों को सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक खोलने की इजाजत दी गई है और वह भी केवल होम डिलिवरी के लिए। नासिक में अब तक कोरोना संक्रमण के 3,56,084 मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि इस महामारी के कारण जिले में 3,865 लोगों की मौत हो चुकी है। भुजबल ने कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले नासिक में इस बार कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं और हाल के दिनों में करीब 33,000-34,000 नए मामले सामने आए हैं। इसके कारण अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन और काले फफूंदी की नई समस्या को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

नकली रेमडेसिविर बेचने वालों के खिलाफ गैर इरातदन हत्या का आरोप बढ़ाया गया

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

नमक और ग्लूकोज से बने नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचकर यहां मरीजों की जान से खिलवाड़ करने के मामले में गिरफ्तार चार लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में गैर इरातदन हत्या का आरोप बढ़ा दिया गया है। ए इंजेक्शन पड़ोसी गुजरात से चलाए जा रहे अंतरप्रांतीय गिरोह ने बनाए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

इंदौर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) हरिनारायणाचारी मिश्रा ने सोमवार को बताया कि नमक और ग्लूकोज से बने नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने के मामले में गिरफ्तार चार लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में भारतीय दंड विधान की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) जोड़ी गई है और इनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) पहले ही लगाया जा चुका है। नकली इंजेक्शन लगाए जाने के बाद इंदौर में कुछ मरीजों की मौत की खबरों के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने कहा कि हमें इस बारे में कुछ शुरुआती सुराग मिले हैं और इनके आधार पर विस्तृत जांच की जा रही है। आईजी ने यह भी बताया कि मरीजों को नमक और ग्लूकोज से बने नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने के मामले में गिरफ्तार चार लोगों की अवैध इमारतों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम इन अवैध निर्माणों को ध्वस्त करेंगे। विजय नगर पुलिस थाने के प्रभारी तहजीब काजी ने रविवार को को बताया था कि गुजरात के गिरोह ने पिछले एक महीने में इंदौर निवासी सुनील मिश्रा के जरिए मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों में कम से कम ।,200 नकली रेमडेसिविर इंजेक्शनों की आपूर्ति की है और इनमें इंदौर, देवास और जबलपुर जिले शामिल हैं। काजी ने बताया कि हम गुजरात में बने सात नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन इंदौर में बरामद कर चुके हैं। इन सबके पैकेट पर एक ही बैच नंबर दर्ज था। गौरतलब है कि गुजरात पुलिस ने पिछले दिनों सूरत में नमक और ग्लूकोज के पानी से नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

बाबार, हीली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की विकेटकीपर एलिसा हीली को सोमवार को अप्रैल महीने मे उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ आईसीसी खिलाड़ी चुना गया। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही मे समाप्त हुई श्रृंखला मे सभी प्रारूपो मे लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। प्रशंसकों और आईसीसी वोटिंग अकादमी के द्वारा उन्हे अप्रैल महीने का विजेता के रूप मे चुना गया।

एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम की मां का निधन

नई दिल्ली। एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा कि उनकी मां का एक पखवाड़े तक कोविड-19 संक्रमण से जूझने के बाद कोलकाता में निधन हो गया। अरिंदम ने ट्विटर के जरिए अपनी मां अंतरा भट्टाचार्य के निधन की सूचना दी।

विलो की जगह बांस के बल्ले के इस्तेमाल पर शोधकर्ता कर रहे अध्ययन

लंदन। क्रिकेट मे कश्मीर या इंग्लिश विलो (विशेष प्रकार के पेड़ की लकड़ी) के बल्ले का इस्तेमाल होता है लेकिन इंग्लैड के कैम्ब्रिज विश्व विद्यालय के एक शोध मे पता चला है कि बांस के बने बल्ले का इस्तेमाल कम खर्चीला होगा और उसका स्वीट स्पॉट भी बड़ा होगा। बल्ले मे स्वीट स्पॉट बीच के हिस्से से थोड़ा नीचे लेकिन सबसे नीचले हिस्से से ऊपर होता है और यहां से लगाया गया शॉट दमदार होता है। इस शोध को दर्शील शाह और बेन टिक्लेर डेविस ने किया है।

सुशील पर आरोपों से छवि को नुकसान : डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली। सुशील कुमार जब अपने खेल के शीर्ष पर थे तो उन्होंने अकेले दम पर भारतीय कुश्ती को बुलंदियों पर पहुंचाया लेकिन अब जब पुलिस हत्या के मामले मे जब उनकी तलाश कर रही है तो खेल की छवि को भी उतना ही नुकसान पहुंचा है जितना इस पहलवान की छवि को पहुंचा है। सुशील की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता ने खेल को नई बुलंदियों तक पहुंचाया और प्रेरणादाई विरासत तैयार की। बापरोला गांव का यह पहलवान इस खेल मे अब तक भारत का एकमात्र विश्व चैंपियन (2010) है। वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी है जिसके नाम पर दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक दर्ज है।

गुणवर्धने के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोप खारिज

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के स्वतंत्र भ्रष्टाचार-रोधी पंचाट ने सोमवार को श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी अविष्का गुणवर्धने पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त कर दिया, जिससे उन्हे तत्काल प्रभाव से क्रिकेट से संबंधित गतिविधियों मे भाग लेने की अनुमति मिल गई। गुणवर्धने पर अमीरात क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार के दो आरोप लगे थे। पंचाट ने श्रीलंका के ही नुवान के खिलाफ एक आरोप (2.4.6) को बरकरार रखा लेकिन अन्य तीन आरोपो को खारिज कर दिया।

कैरेबियाई खिलाड़ी स्वदेश लौटे

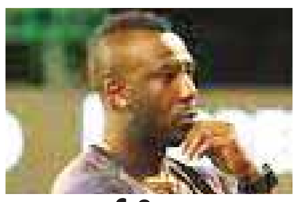

● आईपीएल पर कोरोना कहर
● वेस्टइंडीज सीईओ जॉनी ग्रेव ने दी जानकारी

भाषा। किंगस्टन

क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और संबंधित फ्रेंचाइजी टीमों के प्रयासों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने वाले सभी कैरेबियाई खिलाड़ी सकुशल स्वदेश लौट गए हैं। कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के बाद आईपीएल को चार मई को स्थगित कर दिया गया था। वेस्टइंडीज के शीर्ष खिलाड़ी सीमित ओवरों के कप्तान कीरोन पोलार्ड, जैसन होल्डर, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरण, शिमरोन हेटमायर और फैबियन एलेन आईपीएल का हिस्सा थे। वेस्टइंडीज के कुल नौ खिलाड़ी लीग में भाग ले रहे थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने ट्वीट किया, आईपीएल के हमारे खिलाड़ी तथा टीवी प्रॉडक्शन से जुड़े कैरेबियाई सकुशल स्वदेश पहुंच गए हैं। हम उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था करने के लिए बीसीसीआई और आईपीएल के आभारी हैं।

अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद घर लौटे वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ओर तेज गेंदबाज संदीप वारियर 10 दिन का अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद अपने शहरों को लौट गए है। चक्रवर्ती और वारियर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण में कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था। यह लीग बाद में अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। तमिलनाडु के चक्रवर्ती आधिकारिक तौर पर पहले क्रिकेटर थे जिनका परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था। वह कुछ स्कैन कराने के लिए गए थे जहां वह वायरस से संक्रमित हो गए थे। इसके बाद उनके साथी वारियर और प्रसिद्ध कृष्णा भी वायरस की चपेट में आ गए थे। केरल के वारियर इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा के संपर्क में आए जिससे यह लेग स्पिनर भी संक्रमित हो गया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हां, चक्रवर्ती और संदीप घर लौट गए है।

मुझे नहीं लगता कि भारत में इस साल फिर से आईपीएल हो पाएगा : नीशाम

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के आलराउंडर जिम्मी नीशाम को नही लगता कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे 31 मैच इस साल भारत मे हो पाएंगे। नीशाम को इस साल के आखिर मे टी20 विश्व कप के भारत मे आयोजन को लेकर भी संदेह है। भारत अभी कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहा है। देश मे प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले सामने आ रहे है जबकि हर दिन 4000 से अधिक लोगो की मौत हो रही है। ऐसी स्थिति मे आईपीएल और टी20 विश्व कप दोनो का आयोजन यूएई मे किए जाने की संभावना है। नीशाम ने न्यूजहब से कहा, यदि आईपीएल फिर से शुरू होता है तो मुझे नही लगता कि इसका भारत मे आयोजन हो पाएगा।

आईओसी अध्यक्ष बाक ने जापान दौरा रद्द किया

भाषा। तोक्यो

जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक ने अपने दौरे को रद्द कर दिया है। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाक को ओलंपिक मशाल रिले में शामिल होने के लिए अगले सोमवार को हिरोशिमा आना था। उसके बाद उनके तोक्यो यात्रा पर भी आने की संभावना थी। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो ने पिछले हफ्ते कहा था कि बाक के लिए इस दौरे पर आना मुश्किल होगा, तभी कयास लगाए गए थे कि उनका दौरा रद्द हो जाएगा। तोक्यो और देश के अन्य हिस्सों में आपातकाल लागू है। इसे मंगलवार को खत्म होना था लेकिन अब यह 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।

पीयूष चावला के पिता का कोविड-19 के कारण निधन

मुंबई। भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला के पिता प्रमोद कुमार चावला का सोमवार को कोविड-19 बीमारी के कारण निधन हो गया। उनकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। चावला ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम गहरे दुख के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि हमारे प्रिय पिताजी प्रमोद कुमार चावला का 10 मई 2021 को स्वर्गवास हो गया। वह कोविड और उसके बाद की जटिलताओं से जूझ रहे थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। चावला की आईपीएल टीम मुंबई इंडियन्स ने भी शोक व्यक्त किया।

हॉकी के पूर्व खिलाड़ी फर्नांडिस का निधन

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को पूर्व खिलाड़ी जार्ज फर्नांडिस के निधन पर शोक व्यक्त किया जिनका कोविड-19 के कारण रविवार को बेंगलुरू में निधन हो गया था। फर्नांडिस 67 साल के थे और पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 से जूझ रहे थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हॉकी इंडिया में हम सभी जूनियर स्तर पर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जार्ज फर्नांडिस के असामयिक निधन से बेहद दुखी हैं।

स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉलर फ्रेंको नहीं रहे

नई दिल्ली। भारत की 1962 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रहे फोर्टुनाटो फ्रेंको का सोमवार को निधन हो गया। वह 84 साल के थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उनके निधन की पुष्टि की लेकिन इसका कारण नहीं बताया। फ्रेंको के परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। भारत के मध्यपंक्ति के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक फ्रेंको 1960 से 1964 तक भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम युग का हिस्सा थे। वह 1960 के रोम ओलंपिक में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन वह जकार्ता में 1962 में खेले गए एशियाई खेलों में भारतीय टीम के अहम सदस्य थे।

सनराइजर्स के मालिकों ने 30 करोड़ दिए

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक सन टीवी ने सोमवार को राज्य और केंद्र सरकारों के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए जा रहे कोविड-19 राहत कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपए दान किए। भारत अभी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है जिसके कारण प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने ट्विटर पेज पर जारी बयान में कहा, सन टीवी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 30 करोड़ रुपए दान कर रहा है।

कोहली और इशांत ने पहला टीका लगवाया

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली और वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने सोमवार को कोविड-19 का पहला टीका लगवाया। मुंबई में रहने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की है जबकि इशांत और उनकी पत्नी प्रतिमा ने भी टीकाकरण केंद्र की अपनी फोटो ट्विटर पर डाली है। इशांत ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा है, इसके लिए आभारी हूं तथा इस काम में लगे सभी लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं। व्यवस्था के सुचारू संचालन से खुशी हुई। सभी जल्द से जल्द टीका लगवाएं।

पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट जीतकर जिम्बाब्वे का सूपड़ा साफ किया

हरारे। पाकिस्तान ने सोमवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 147 रन से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान को चौथे दिन जीत के लिए केवल एक विकेट की जरूरत थी। शाहीन शाह अफरीदी ने दिन के पांचवें ओवर में ही ल्यूक जोंगवे (37) को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराकर जीत की औपचारिकता पूरी की। जिम्बाब्वे ने सुबह अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 220 रन से आगे बढ़ाई और केवल 11 रन जोड़कर उसकी टीम 231 रन पर आउट हो गई। अफरीदी ने 52 रन देकर पांच विकेट लिए।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public that Mr. Sukhjit Singh is owner of Property No. 30, measuring 75 sq. yds. and Property No. 31, measuring 25 sq. yds. out of Khasra No. 19/5, situated in village Khayala colony known as Vishnu Garden Extension, Block B-1, New Delhi, the said property, by virtue of Sale Deed dated 11.10.2005, registration No. 27869, has lost/misplaced Original Sale Deed, dated 20.01.1970 executed in favour of Mrs. Leela Wati pertaining to Plot no 31 for 25 sq. yds., All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of missing document. If anyone has already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 15 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

ज्वेरेव दूसरी बार मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

● बेरेटिनी को हराया

भाषा। मैड्रिड

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन से पहले अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए मैटियो बेरेटिनी को पराजित करके दूसरी बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त राफेल नडाल और सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थीम को हराने के बाद ज्वेरेव ने फाइनल में दसवीं रैंकिंग के बेरेटिनी को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से हराकर इस सत्र का अपना दूसरा खिताब हासिल किया। जर्मनी के छठी रैंकिंग के खिलाड़ी ने मार्च में अकापुल्को में मैक्सिकन ओपन का खिताब जीता था। उन्होंने इससे पहले 2018 में थीम को हराकर अपना पहला मैड्रिड ओपन खिताब जीता था। चौबीस वर्षीय ज्वेरेव ने कहा, फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको क्ले कोर्ट सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। आखिर में मैने मास्टर्स जीता है। इसलिए यह जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मैं इस उपलब्धि से खुश हूं। पुरुष युगल के फाइनल में स्पेन के ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के जेबालोस ने क्रोएशिया के निकोला मेटकिच और मैट पाविच को ।-6, 6-3, 10-8 से हराकर खिताब जीता।

सेरेना कड़े अभ्यास के बाद वापसी करने को तैयार

रोम। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद सेरेना विलियम्स के भावनात्मक इशारे को संन्यास लेने का संकेत समझा गया था लेकिन इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने तीन महीने के कड़े अभ्यास के बाद वापसी की तैयारी कर ली है। इस साल फरवरी में मेलबर्न में सेमीफाइनल में नाओमी ओसाका से हार के बाद सेरेना पिछले तीन महीने से मार्गरेट कोर्ट के रिकार्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब की बराबरी करने के लिए कड़ा अभ्यास कर रही है।

द हंड्रेड में बर्मिंघम फ्रेंचाइजी की ओर से खेलने की तैयारी में शेफाली, बिग बैश में भी खेल सकती हैं

नई दिल्ली। भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा द हंड्रेड टूर्नामेंट में बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से खेलने की तैयारी में हैं और वह इस साल के अंत में महिला बिग बैश टी20 लीग में सिडनी फ्रेंचाइजी की ओर से भी खेल सकती हैं। शेफाली अपनी कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान मंधाना, जेमिमा और दीप्ति के बाद 100 गेंद के टूर्नामेंट से जुड़ने वाली पांचवीं भारतीय क्रिकेटर हैं।

रीयाल मैड्रिड ने शीर्ष पर पहुंचने मौका गंवाया

भाषा। मैड्रिड

मौजूदा चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने सेविला के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच 2-2 से ड्रा खेलकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। इस परिणाम का लाभ पहले स्थान पर काबिज मैड्रिड को मिला जिसने शनिवार को बार्सिलोना के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रा खेला था। एटलेटिको के 35 मैचों में 77 अंक हैं जबकि रीयाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 75 अंक हैं। बार्सिलोना के भी रीयाल के समान ही अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में पीछे है। अब जबकि तीन दौर के मैच बचे हुए हैं तब इन तीनों के अलावा सेविला भी खिताब की दौड़ में है। सेविला के 35 मैचों में 71 अंक हैं। सेविला ने दो बार बढ़त हासिल की। इनमें से दूसरा गोल पेनल्टी पर किया गया जिसके लिए वीडियो समीक्षा प्रणाली (वीएआर) का सहारा लिया गया। रीयाल ने बाद में इसको लेकर शिकायत भी दर्ज कराई। फर्नांडो ने 22वें मिनट में सेविला को बढ़त दिलाई और मध्यांतर तक इसे कायम रखा। एसेनसियो ने 67वें मिनट में रीयाल की तरफ से बराबरी का गोल दागा। सेविला के रेकिटिक ने 78वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। रीयाल पर हार का खतरा मंडरा रहा था लेकिन हेजार्ड ने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम के चौथे मिनट में गोल करके उसे एक अंक दिलाया। अन्य मैचों में वेलेंसिया ने मैक्सी के दो गोल तथा थियरी कोरिया के एक गोल की मदद से वल्लाडोलिड को 3-0 से हराया। सेल्टा विगो ने विल्लारीयाल को 4-2 से जबकि इबार ने गेटाफे को ।-0 से पराजित किया। एथलेटिक क्लब और ओसासुना का मैच 2-2 से बराबर छूटा।

वूमेन्स सुपर लीग चैंपियन चेल्सिया

मिलान से हारकर पांचवें स्थान पर खिसका युवेंटस

मिलान। इंटर मिलान ने पिछले सप्ताह युवेंटस की इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का खिताब जीतने की उम्मीदो पर पानी फेर दिया था और अब एसी मिलान ने उसे 3-0 से हराकर उसकी चैंपियन्स लीग मे जगह बनाने की कोशिशो को भी करारा झटका दिया। पिछले नौ साल से सेरी ए मे अपना दबदबा रखने वाला युवेंटस इस हार से पांचवे स्थान पर खिसक गया है। उसके और चौथे स्थान पर काबिज नैपोली के बीच एक अंक का अंतर है। लीग से शीर्ष चार मे रहे वाली टीमें चैंपियन्स लीग मे जगह बनाती है। युवेंटस के 35 मैचो मे 69 अंक है। अटलांटा और एसी मिलान दोनो के समान 72 अंक है। अटलांटा ने एक अन्य मैच मे पार्मा को 5-2 से हराया और वह बेहतर गोल अंतर के कारण इंटर मिलान (35 मैचो मे 85 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका है। एसी मिलान की तरफ से युवेंटस के खिलाफ ब्राहिम डियाम ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम मे पहला गोल किया। इसके बाद एंटे रेबिच (78वे) और फिकायो टोमोरी (82वे मिनट) ने दूसरे हाफ मे गोल किए। अन्य मैचो मे रोमा ने क्रोटोन को 5-0 से जबकि कैग्लियारी ने बेनेवेंटो को 3-। से शिकस्त दी।

रेन से ड्रा खेलकर पीएसजी खिताब की दौड़ में पिछड़ा

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की रेन के खिलाफ मैच ।-। से ड्रा खेलने के कारण फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का खिताब अपने पास बरकरार रखने की उम्मीदो को करारा झटका लगा है। पीएसजी ने मध्यांतर से ठीक पहले नेमार के पेनल्टी पर किए गए गोल से बढ़त बनाई। रेन के स्ट्राइकर सरेहु गुएर्सी ने 70वे मिनट मे विगर बेंजामिन बोरिगीड के कार्नर पर हेडर से गोल करके अपनी टीम को बराबरी दिलाई। अब जबकि दो दौर के मैच बचे हुए है तब पीएसजी शीर्ष पर काबिज लिली से तीन अंक पीछे और तीसरे स्थान की टीम मोनाको से केवल दो अंक आगे है। मोनाको ने एक अन्य मैच मे रीम्स को ।-0 से हराकर चैंपियन्स लीग मे जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी। उसकी तरफ से यह महत्वपूर्ण गोल इलियट मैटाजो ने 20वे मिनट मे किया।

पेट्रोल, डीजल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर, महाराष्ट्र में पेट्रोल 100 रुपए के पार

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक सप्ताह में पांचवीं बढ़ोतरी के साथ ही सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं, जिसके बाद राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र में भी पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के स्तर को पार कर गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल की कीमत 26 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत 33 पैसे प्रति लीटर बढ़ी। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के दौरान 18 दिनों तक कीमतों की समीक्षा नहीं की और चार मई से समीक्षा दोबारा शुरू की गई। तब से यह कीमतों में पांचवी बढ़ोतरी है। इस बढ़ोतरी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। दिल्ली में पेट्रोल अब 91.53 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है, जबकि डीजल की कीमत 82.06 रुपए प्रति लीटर है।

सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया का कोविड-19 के मामलों से निपटने के प्रयास जारी

नई दिल्ली। पूरे देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए सीएनएच इंडस्ट्रियल ने कोविड-19 की रोकथाम के कई कदम उठाये और इस कठिन समय में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहने को प्रतिबद्ध है। महामारी की शुरुआत से ही कम्पनी अपने ग्रेटर नोएडा, पुणे, पीथमपुर प्लांट और गुड़गांव कॉर्पोरेट कार्यालय में आवश्यक सावधानियां बरत रही है जैसे कि दैनिक तापमान की जांचए सामाजिक दूरी बनाए रखना, अरोग्य सेतु ऐप पर अनिवार्य पंजीकरण, कम्पनी के सभी केंद्रों पर मास्क और दस्ताने के साथ.साथ आंखों की सुरक्षा के उपकरणों का प्रावधान करना और फिर दैनिक स्वच्छता में नियमितता बरतना। सीएनएच इंडस्ट्रियल इस लिहाज से खास है कि इसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कई अतिरिक्त महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। सीएनएच इंडस्ट्रियलए इंडिया और सार्क के कंट्री मैनेजरए रौनक वर्मा ने उपरोक्त कदमों के बारे में कहा कि सीएनएच इंडस्ट्रियल में हमारे लिए सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा है। हम ने अपने कार्मिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा के सभी उपाय किए हैं। हमारी नेतृत्व टीम और मेरे द्वारा हमारे कार्य स्थलों की स्थिति की रियल टाइम सीधी निगरानी की जाती है ताकि यदि कोई कर्मचारी बीमार हो और अस्पताल में भर्ती हो तो समय से सेवा और सहायता दी जाए।

राज्यों को अंतरण के नाम वैक्सीन के बजट से केंद्र के वैक्सीन खरीदने पर कोई रोक नही

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 2021- 22 के बजट में राज्यों को अंतरण शीर्षक के तहत टीकाकरण के लिए आवंटित 35,000 करोड़ रुपए को कोविड19 के टीके पर इस्तेमाल करने में केंद्र पर कोई रोक नहीं है। अप्रैल से शुरू चालू वित्त वर्ष के लिए अनुदान मांगों की संख्या 40 में प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से राज्यों को अंतरण शीर्षक के तहत 35,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

सेंसेक्स, निफ्टी में लगातार चौथे दिन तेजी

● दवा कंपनियों, बेंक शेयरों में खरीदारी का जोर

भाषा। मुंबई

बंबई शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे दिन बढ़त दर्ज की गई। दवा, बिजली और बैंक शेयरों में लिवाली निकलने से सेंसेक्स 296 अंक चढ़ गया। एनएसई का निफ्टी भी 14,900 अंक के ऊपर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक संकेतों के सामने निवेशकों ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की चिंता को अधिक तवज्जो नहीं दी। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 295.94 अंक यानी 0.60 प्रतिशत चढ़कर 49,502.41 अंक पर और निफ्टी 119.20 अंक यानी 0.80 प्रतिशत सुधर कर 14,942.35 अंक पर बंद हुआ। पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स ।,248.90 अंक यानी 2.58 प्रतिशत चढ़ चुका है। इसी प्रकार निफ्टी में भी पिछले चार दिन में 445.85 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की जा चुकी है। सेंसेक्स में चार प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ लार्सन एण्ड टुब्रो सबसे अधिक लाभ में रहा। डा. रेड्डीज लैब, सन फर्मा, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, ओएनजीसी और महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के शेयरों में भी बढ़त रही। इसके विपरीत अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और एक्सिस बैंक में नुकसान हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से इन पांच में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई के धातु, पूंजीगत सामानों, स्वास्थ्य देखभाल, बिजली, जनोपयोगी और औद्योगिकी क्षेत्र के सूचकांक में 3.53 प्रतिशत तक वृद्धि रही। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र का सूचकांक गिरावट में रहा।

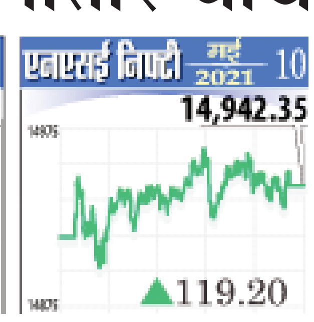

निवेशकों की संपत्ति 6.44 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजारों मे पिछले लगातार चार कार्यदिवस मे आई तेजी से निवेशको की संपत्ति 6,44,760.45 करोड़ रुपए बढ़ गई। पिछले चार कारोबारी सत्रों मे बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स ।,248.90 अंक यानी 2.58 प्रतिशत बढ़ गया। सोमवार को सेंसेक्स मे 295.94 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 49,502.41 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान, पांच मई के बाद से चार कारोबारी सत्र में बंबई शेयर बाजार मे सूचीबद्ध कंपनियो का बाजार पूंजीकरण 6,44,760.45 करोड़ रुपए बढ़कर 2 करोड़ 13 लाख 28 हजार 685 करोड़ 05 लाख रुपए पर पहुंच गया। विशेषज्ञो का कहना है कि वैश्विक बाजार से अनुकूल संकेत मिल रहे है, कंपनियो के मार्च तिमाही के परिणाम अनुकूल टिप्पणियो के साथ ठीक ठाक स्तर पर रहे, वही रिजर्व बैंक ने कारोबार वृद्धि के लिए तरलता समर्थन की घोषणा की है।

सरकार ने स्वास्थ्य, औषध मंत्रालयों, डीआरडीओ के लिए खरीद नियमों में ढील दी

नई दिल्ली। भारत मे कोविड-19 के बढ़ते कहर से स्वास्थ्य व्यवस्था के बुरी तरह प्रभावित होने के साथ सरकार ने विभागों के लिए चिकित्सीय आपूर्तियो की खरीद से जुड़े नियमो मे ढील दी है।

PUBLIC NOTICE
To be known to all that my client Mr. Surinder Madhok S/o Mr. K.L.Madhok, R/o House No. D-7/7492, Vasant Kunj, New Delhi-110070, have lost the Original Agreement to Sell Dated 31/01/2006 executed by Mrs. Swaraj W/o Mr. Prem Singh in favour of Mr. Surinder Madhok S/o Late Mr. K.L.Madhok in respect of Flat No.7, First Floor, Sector-8 Market, R.K.Puram, New Delhi.
Any Person Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original agreement to sell, may write/ contact with Mr. Surinder Madhok at the above mentioned address/phone No. 9810300689 within seven days from the date of publication of this notice.
Pawan Narula
Advocate
Enrl. ID: D/1138/2011
Office-Shop No.3, Ground Floor, BR-50-A, Shalimar Bagh, Delhi, Mb: 9811131770

kotak
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
PUBLIC NOTICE
We, Kotak Mahindra Bank Limited, (KMBL), for our Bank Branch and other related business (including setting up Automated Teller Machine -ATM), desire to take on Lease for the period of 18 (Eighteen) years the property, more particularly described in the schedule hereunder written, owned by owners as mentioned herein below.
Public at large and all the concerned, private individuals, government/ semi-government institutions / bodies / authorities, if have got any right, title, interest, or share in the property herein mentioned or anybody who has objection for the aforesaid transaction are herewith publicly informed to raise his/her/their objection/s in writing with copies of all the supportive documents to the undersigned within 7 (Seven) days from publication of this public notice. If the objections are not received by the undersigned in writing along with copies of all supportive documents within 7 (Seven) days from publication of this public notice, then it will be construed that the title to the said property are clear and that all such concerned have waived their rights and all such concerned shall be estopped from raising any objections thereafter and that we shall proceed thereafter further in the execution of the Lease Deed or such agreements and all such persons shall be estopped from raising any objections to such transaction thereinafter.

Description of the Property to be taken on Lease	Owner
ALL THAT the piece and parcel of commercial property being No/s. B-319 admeasuring about 1102.50 Sq. ft. Carpet / built-up area (approx.) on the Ground floor of the building situate lying at and being premises No. B-319, Chitranjan Park, Delhi-110019.	Madhu Gangwani and Lakhsman Gangwani Presently residing at: B-15, Greater Kailash Enclave-2, New Delhi-110048.

Legal Department
Kotak Mahindra Bank Limited.
Kotak Infinity, 5th Floor, Building No.21, Infiniti Park, off Western Express Highway, General AK Vaidya Marg, Malad (East), Mumbai 400 097

अप्रैल, मई में आर्थिक गतिविधियां घटीं, लेकिन 2020 से कम गंभीर असर : फिच

भाषा। नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की ताजा लहर से अप्रैल-मई में आर्थिक गतिविधियां घटी हैं, लेकिन ए झटका 2020 के मुकाबले कम गंभीर होगा। साथ ही फिच ने कहा कि इसके चलते सुधार में देरी होने की आशंका है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने कहा कि ऐसे संकेत बढ़ रहे हैं कि कोविड संक्रमण की ताजा लहर से वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं और अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्तीय क्षेत्र की मदद के लिए अतिरिक्त उपाय कर सकता है। फिच ने एक रिपोर्ट में कहा, हमें उम्मीद है कि भारत में महामारी की ताजा लहर से 2020 के मुकाबले आर्थिक गतिविधियों को कम नुकसान होगा, भले ही संक्रमण का प्रकोप पहले से अधिक है... फिर भी संकेतक अप्रैल-मई में गतिविधियों में कमी दर्शाते हैं, जिससे सुधार में देरी हो सकती है। लगातार चार दिन कोरोना वायरस संक्रमण के चार लाख से अधिक नए मामले सामने आने के बाद भारत में सोमवार को एक दिन में कोविड-19 के 3,66,161 मामले सामने आए और इसी के साथ देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,26,62,575 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, 3,754 और लोगों की संक्रमण के कारण मौत होने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 2,46,116 हो गई।

रुपए में तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी, डॉलर के मुकाबले एक माह के उच्च स्तर पर बंद हुआ

मुंबई। वैश्विक मुद्राओं के समक्ष डॉलर के कमजोर होने और घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रहने के बीच अमेरिकी मुद्रा के समक्ष रुपए में लगातार तीसरे दिन सोवमवार को सुधार रहा और रुपए की विनिमय दर 16 पैसे मजबूत हो 73.35 प्रति डॉलर पर बंद हुई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हालांकि, कच्चेतेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी संस्थागत निवेशकों की धन निकासी के कारण इस तेजी पर कुछ अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर-रुपया दर 73.34 पर खुली।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली
(Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in)
ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 06/ईटी./2021-22 दिनांक : 06.05.2021

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	04211178	पीआईपी ई 28x2.0एमएम इन लेंनथ ऑफ 6000एमएम	40631 एमटीआर	01.06.2021
02	04211179	पीआईपी ई 22x2.0एमएम इन लेंनथ ऑफ 6000एमएम	34813 एमटीआर	01.06.2021
03	04211180	पीआईपी ई 18x2.0एमएम इन लेंनथ ऑफ 6000एमएम	65525 एमटीआर	01.06.2021
04	04211181	पीआईपी ई 10x1.5एमएम इन लेंनथ ऑफ 6000एमएम	61925 एमटीआर	03.06.2021
05	03211412	सेट ऑफ साईड वाल पैनल फॉर एलडब्लूएसीसी एन कोचेज	140 सेट	02.06.2021

शुद्धि पत्र सं. 01

01	टेंडर नोटिस सं.38/ईटी/2020-21 दिनांक 05.04.2021	टैन्डर नं. 12211037	निविदा खुलने की तिथि – 04.05.2021 के स्थान पर 17.05.2021 पढ़े।
02	टेंडर नोटिस सं.02/ईटी/2020-21 दिनांक 13.04.2021	टैन्डर नं. 05211086	निविदा खुलने की तिथि – 10.05.2021 के स्थान पर 20.05.2021 पढ़े।

निविदा संख्या:- CAMC-BPL-2021-22-03, नियत तिथि:- 31.05.2021
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप. मुख्य यांत्रिक अभियंता/एम&पी, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली, लालगंज द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिये निविदा सूचना संख्या CAMC-BPL-2021-22-03, नियत तिथि:- 31.05.2021 के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है- यह निविदा एकल पैकेट प्रणाली पर आधारित है। कार्य का नाम: दो वर्ष (24 माह) हेतु 01 नग बोगी फ्रेम और बोगी बॉल्स्टर शॉट ब्लास्टिंग और पेंटिंग सिस्टम का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध कार्य। कार्य की अनुमानित लागत रूपया में : रु. 31,80,237.00, धरोहर राशि : शून्य, निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु. 3000.00 कार्य समापन की अवधि: दो वर्ष (24 माह) • निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.05.2021 को 15:30 बजे। • विस्तृत निविदा सूचना, टर्म्स एवं कंडीशन आदि की जानकारी भारतीय रेल के पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/एम&पी
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

छह लोगों की हत्या करने के बाद ली खुद की जान

- कोलोराडो में जन्मदिन समारोह के दौरान घटित हुई घटना
- इससे पहले, कोलोराडो के बाउल्डर सुपरमार्केट में 22 मार्च को एक बंदूकधारी की गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद से यह कोलोराडो में गोलीबारी की सबसे भयानक घटना है।

एपी। कोलोराडो स्प्रिंग्स (अमेरिका),

अमेरिका के कोलोराडो में एक जन्मदिन समारोह के दौरान एक बंदूकधारी ने छह लोगों की हत्या करने के बाद गोली मारकर खुद की भी जान ले ली। पुलिस ने बताया कि कोलोराडो स्प्रिंग्स में एक घर में रविवार आधी रात के कुछ देर बाद गोलीबारी हुई। कोलोराडो स्प्रिंग्स गजट के अनुसार, अधिकारियों को घटनास्थल पर छह लोग मृत मिले और एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति मिला, जिसने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर पार्टी में मौजूद एक युवती का मित्र था। पार्टी में बच्चे भी शामिल थे। बंदूकधारी भीतर आया और उसने गोलीबारी करने के बाद खुद को गोली मार ली। उसने बताया कि जिस व्यक्ति के लिए समारोह आयोजित किया गया था, गोलीबारी में उसकी भी मौत हो गई ।पड़ोसी एनिफर रेएस ने द डेनवेर पोस्ट को बताया कि वह गोलियां चलने की आवाज सुनकर उठ गई। रेएस ने कहा, मुझे लगा कि बिजली गिरी है। इसके बाद सायरन की आवाज सुनाई देने लगीं। प्राधिकारियों ने बताया कि कि इस गोलीबारी में कोई बच्चा हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने पीड़ितों या हमलावर की पहचान उजागर नहीं की है। प्राधिकारियों ने कहा कि हमले का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। इससे पहले, कोलोराडो के बाउल्डर सुपरमार्केट में 22 मार्च को एक बंदूकधारी की गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद से यह कोलोराडो में गोलीबारी की सबसे भयानक घटना है। गर्वनर जारेद पोलिस ने इस घटना में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया।

व्यक्ति ने पांच लोगों को चाकू घोंपा, तीन की हालत गंभीर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सुपरमार्केट में सोमवार को एक व्यक्ति ने लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में पांच लोग घायल हुए हैं जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने इस बारे में बताया ।पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। डुनिडन शहर के काउंटडाउन सुपरमार्केट में घटना के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। घायलों में सुपरमार्केट के दो कर्मचारी भी शामिल हैं। घटना के वक्त सुपरमार्केट में मौजूद लोगों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उस वक्त लोग चीख-पुकार मचा रहे थे और बाहर की ओर भाग रहे थे। उन्होंने बताया कि कुछ हिम्मती दुकानदारों ने हमलावर को रोकने की कोशिश की और उसे काबू में किया ।प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने कहा कि हमले की मंशा का पता लगाया जा रहा है हालांकि इसे घरेलू आतंकवाद बताने के लिए पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है ।आर्डर्न ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि ऐसे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं और मैं उन लोगों की सराहना करना चाहती हूं जिन्होंने लोगों की सुरक्षा के लिए हिम्मत दिखाते हुए हमलावर को काबू में किया।

यरुशलम: इज़राइली पुलिस के साथ झड़प में 153 फलस्तीनी घायल

- रमजान के पाक महीने में ऐसी कार्रवाई के लिए इज़राइल की लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की जा रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक प्रवक्ता ओफिर गेंदलमैन ने एक ट्वीट में दावा किया, फलस्तीनी चरमपंथी साजिश के तहत पवित्र स्थल दंगा करने आए थे

एपी। यरुशलम

यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद के पास सोमवार को फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इज़राइली पुलिस के बीच हुई झड़प में करीब 153 फलस्तीनी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मौके पर मौजूद एसोसिएट प्रेस (एपी) के एक छायाकार ने बताया कि अल-अक्सा मस्जिद के पास आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड के दर्जनों गोले आकर गिरे।

फलस्तीनी चिकित्सकों ने बताया कि अल-अक्सा मस्जिद परिसर में हुई इस हिंसा में करीब 215 फलस्तीनी घायल हुए और इनमें से 153 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फलस्तीन श्रद्धालुओं की शुक्रवार देर रात भी अल-अक्सा मस्जिद परिसर में इज़राइली पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। इसके बाद से ही फलस्तीनियों और इज़राइल के अधिकारियों के बीच झड़प जारी है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों फलस्तीनी और 20 से अधिक पुलिस अधिकारी हताहत हुए हैं। सोमवार सुबह करीब सात बजे के बाद एक बार फिर झड़प शुरू हुई। परिसर के अंदर मौजूद लोग बाहर पुलिस पर पत्थर फेंक रहे थे। वहीं, पुलिस आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागते हुए परिसर के अंदर दाखिल हुई। उस समय करीब 400 लोग अल-अक्सा मस्जिद में मौजूद थे। पुलिस ने मस्जिद के अंदर आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागे। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने वेस्टर्न वॉल के पास सड़क पर अधिकारियों पर पथराव किया, जहां हजारों इज़राइली यहूदी इबादत करने के लिए एकत्रित हुए थे। मुसलमानों के रमजान के पाक महीने में ऐसी कार्वाई के लिए इज़राइल की लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की जा रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक प्रवक्ता ओफिर गेंदलमैन ने एक ट्वीट में दावा किया, फलस्तीनी चरमपंथी साजिश के तहत पवित्र स्थल दंगा करने आए थे।

थाई यात्रियों में मिला कोरोना वायरस का भारतीय स्वरूप

बैंकाक (एपी)। थाइलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप के पहले मामले मिलने की पुष्टि हुई तथा पाकिस्तान से लौटी एक थाई महिला एवं उसके चार वर्षीय बेटे में इस वायरस का भारतीय स्वरूप मिला है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब थाईलैंड अप्रैल में शुरू हुई कोरोना वायरस की नई लहर से जूझ रहा है। इसकी शुरुआत बैंकाक के मनोरंजन स्थलों एवं भीड़भाड़ वाली झुग्गी बस्तियों से हुई थी। हाल के कई मामलों में इस वायरस का ब्रिटिश स्वरूप मिला है जो पिछले साल मिले मूल स्वरूप से अधिक संक्रामक है।

थाईलैंड ने इस मई से भारत से थाई नागरिकों के अलावा अन्य पर पाबंद लगा दी थी। भारत में भी कोरोना वायरस की दूसरी गंभीर लहर चल रही है और वहां 2.26 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और वह अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत में 246,000 से अधिक मौतें भी हुई हैं।

रूस में विजय दिवस के मौके पर आयोजित समारोह के दौरान तोप से गोले दागते सेना के जवान

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हिंसा के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने प्रदर्शन किए

- भाजपा ने आरोप लगाया कि नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसके अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी और अनेक कार्यकर्ताओं को घायल कर दिया

भाषा। ह्यूस्टन

भारत के राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणामों के बाद हुई हिंसा के खिलाफ अमेरिका के 30 से अधिक शहरों में बंगाली समुदाय के लोगों समेत अनेक प्रवासी भारतीयों ने प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि दो मई को विधानसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा के बाद पश्चिम बंगाल में हिंसा की अनेक घटनाएं हुईं। भाजपा ने आरोप लगाया कि नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसके अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी और अनेक कार्यकर्ताओं को घायल कर दिया ।ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य विधानसभा में शानदार जीत दर्ज की है ।चुनाव परिणामों के बाद हत्या की घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अमेरिका के विभिनन शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हाथों में प्लेकार्ड ले रखे थे जिन पर लिखा था, हिंदुओं की जिंदगियां भी मायने रखती हैं , हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं उद्यमी जुधाजीत सेन मजुमदार का बंगाल आना जाना लगा रहता है। वह कहते हैं, चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद ऐसे अनेक लोगों ने मेरे मित्रों और मुझ से मदद मांगी, जो निशाना बनाकर किए गए हमले के शिकार हुए थे। दुकानों को लूटा गया और घरों के भीतर बम फेंके गए। इन घटनाओं से क्षुब्ध प्रवासियों ने अमेरिका, ब्रिटेन के प्रमुख शहरों समेत कई स्थानों पर प्रदर्शन किए। उन्होंने बंगाल में बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के बाद न्याय और जांच की मांग की। ह्यूस्टन की रहने वाली सहाना सिंह ने कहा, जिस तरह से हिंदू महिलाओं को बाल पकड़कर घसीटा गया, जमीन पर पटका गया और बलात्कार की घटनाओं को अंजाम दिया गया उससे मुझे बहुत आघात पहुंचा है। भाजपा ने हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उसने दावा किया कि एक महिला समेत उसके कम से कम छह कार्यकर्ताओं और समर्थकों की कथित तौर पर तृणमूल द्वारा शुरू की गई हिंसा में हत्या कर दी गई। दूसरी ओर तृणमूल ने भी दावा किया है कि हिंसक घटनाओं में उसके तीन समर्थकों की हत्या हुई है।

क्विक न्यूज

कनाडा में हवाईअड्डे पर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रिचमॉन्ड (कनाडा)। वैंकूवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रविवार को 28 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने इसे गिरोहों के बीच रंजिश से जुड़ी घटना बताया है। संदिग्धों ने पुलिस पर भी गोली चलाई। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस बल के एक अधिकारी ने बताया कि मरने वाले व्यक्ति को पुलिस जानती थी और यह घटना क्षेत्र में गिरोहों के बीच संघर्ष से जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने पुलिसकर्मियो को भी निशाना बनाया था। पुलिस बल की ओर से बताया गया गोलीबारी की घटना के बाद जब अधिकारियों ने एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार लोगों ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्वाई नही की क्योंकि वहां पर कई अन्य लोग भी थे। वाहन में कम से कम दो व्यक्ति सवार थे। उन्होंने बताया कि घटना में कोई पुलिस अधिकारी घायल नही हुआ। पुलिस ने बताया कि बाद में, 28 किलोमीटर दूर एक जलती हुई कार बरामद हुई।संघीय लोक सुरक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने इसे गिरोहों के बीच रंजिश से जुड़ी घटना बताया।

पाकिस्तान से आए थाई यात्रियों में मिला कोरोना वायरस का भारतीय स्वरूप

बैंकाक। थाइलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप के पहले मामले मिलने की पुष्टि हुई तथा पाकिस्तान से लौटी एक थाई महिला एवं उसके चार वर्षीय बेटे में इस वायरस का भारतीय स्वरूप मिला है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब थाईलैंड अप्रैल में शुरू हुई कोरोना वायरस की नई लहर से जूझ रहा है। इसकी शुरुआत बैंकाक के मनोरंजन स्थलों एवं भीड़भाड़ वाली झुग्गी बस्तियों से हुई थी। हाल के कई मामलों में इस वायरस का ब्रिटिश स्वरूप मिला है जो पिछले साल मिले मूल स्वरूप से अधिक संक्रामक है। थाईलैंड ने इस मई से भारत से थाई नागरिकों के अलावा अन्य पर पाबंद लगा दी थी। भारत में भी कोरोना वायरस की दूसरी गंभीर लहर चल रही है और वहां 2.26 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए है और वह अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत में 246,000 से अधिक मौतें भी हुई हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टानी सांग्राट ने बताया इस वायरस के भारतीय स्वरूप को फैलने से रोकने के लिए सोमवार को थाईलैंड ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से आने वाले विदेशी यात्रियों पर पाबंदी लगा दी।

तालिबान ने ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्ष विराम की घोषणा की

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान ने मुस्लिम त्योहार ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की सोमवार को घोषणा की जोकि इस सप्ताह मनाया जाएगा। हालांकि, कुछ ही घंटे बाद पूर्वी अफगानिस्तान मे एक बस बम धमाके की चपेट में आ गई, जिसमे सवार 11 यात्रियो की मौत हो गई। किसी भी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नही ली है। संघर्षविराम की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए काबुल में सरकार ने स्थाई संघर्षविराम का आह्वान किया। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान मे देश मे बढ़ती हिसा के लिए तालिबान की आलोचना की। साथ ही कहा कि सरकार भी त्योहार के मद्देनजर लागू इस संघर्षविराम का पालन करेगी। तालिबान ने कहा कि यह सघर्षविराम बुधवार या बृहस्पतिवार से प्रभावी होगा जोकि त्योहार की शुरुआत के लिए चांद दिखाई देने पर निर्भर करेगा।उधर, गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक आरियन ने कहा कि तालिबान द्वारा किए गए संघर्षविराम उल्लंघन की घोषणा के कुछ ही घंटे बाद दक्षिणी जबूल प्रांत मे बम धमाके की चपेट मे आई एक बस मे सवार 11 यात्रियो की मौत हो गई जबकि 24 अन्य घायल हो गए।

ब्रिटेन ने कोविड-19 अलर्ट का स्तर चार से तीन किया

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य प्रमुख देश का कोविड-19 अलर्ट स्तर चार से तीन करने मे सोमवार को सहमत हो गए जिससे संकेत मिलता है कि कोरोना वायरस संचरण अब तेज़ी से नही बढ़ रहा है बल्कि इसका सामान्य प्रसार है। वायरस की रोकथाम के लिए जरूरी लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के स्तर का पता लगाने के लिए पिछले साल पांच स्तरीय अलर्ट व्यवस्था लाई गई थी।ब्रिटेन लॉकडाउन की पाबंदियों मे ढील दे रहा है और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अगले सोमवार से भीड़ जुटने पर लगी और रोकों को हटाने का ऐलान करने की तैयारी मे है। इस बीच ब्रिटेन के सभी चार क्षेत्रों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अलर्ट स्तर मे बदलाव पर सहमत हुए है।उन्होंने संयुक्त बयान मे कहा कि ज्वाइंट बायोसिक्यूरिटी सेंटर की सलाह और हालिया आंकड़ो की रोशनी मे ब्रिटेन के चिकित्सा अधिकारी और एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा), इंग्लैंड राष्ट्रीय चिकित्सा निदेशक इस बात पर सहमत हुए है कि ब्रिटेन के अलर्ट स्तर को चार स्तर से हटाकर तीन स्तर पर कर दिया जाना चाहिए।

भारत से लोगों के आने पर रोक के खिलाफ दायर याचिका खारिज

भाषा। मेलबर्न,

सिडनी की एक अदालत ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा कोविड-19 से प्रभावित भारत से आने वाले यात्रियों पर अस्थाई रोक लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका बेंगलुरु में फंसे 73 वर्षीय एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने दायर की थी। मामले की पहली सुनवाई में न्यायमूर्ति थॉमस थॉवले ने कहा कि कानून जैव सुरक्षा आपात स्थिति को देखते हुए बनाया गया है और भविष्य में इसके खतरे की जानकारी नहीं है। न्यायमूर्ति ने कहा, यह स्पष्ट है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सोचा कि और लोगों के प्रवेश को रोकने से ऑस्ट्रेलिया के पृथकवास संबंधी प्रयास को राहत मिलेगी, यहां तक उन लोगों को रोकने से जो परोक्ष रूप से ट्रांसजिट केंद्रों के जरिए आ रहे हैं। गैरी न्यूमैन की ओर से पिछले सप्ताह दाखिल आवेदन में स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट द्वारा पिछले महीने जैव सुरक्षा अधिनियम के तहत की गई आपात घोषणा को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। न्यूमैन पिछले साल मार्च से ही बेंगलुरु में फंसे हुए हैं। उन्होंने प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा यात्रा प्रतिबंध की घोषणा पिछले सोमवार को लागू हुई थी और इसमें गत 14 दिनों तक भारत की यात्रा कर स्वदेश लौटने पर पांच साल कारावास या 66 हजार डॉलर का जुर्माना या दोनों का प्रावधान किया गया है। सरकार के मुताबिक अस्थाई रोक का उद्देश्य भारत में कोविड-19 महामारी के चलते यहां जन स्वास्थ्य खतरे को कम करना है। इस फैसले की ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर आलोचना हुई है। ऑस्ट्रेलियाई-भारतीय समुदाय ने भी इसका विरोध किया।

अमेरिका में पाइपलाइन से साइबर वसूली के प्रयास के बाद गैसोलीन के दाम में वृद्धि

- कंपनी अपने नेटवर्क के संबंधित हिस्से को चालू करने में जुटी है। उसने रविवार को कहा कि उसकी मुख्य पाइपलाइन बंद है लेकिन छोटी पाइपलाइन चालू है

एपी। न्यूयॉर्क

खाड़ी तट से उत्तर पूर्व में ईंधन पहुंचाने वाली अमेरिका की अहम पाइपलाइन पर साइबर वसूली की कोशिश के बाद सोमवार को गैसोलीन के वायदा बाजार में तेजी नजर आई। यह कोलोनियल पाइपलाइन टेक्सास से लेकर न्यूजर्सी तक दस प्रांतों को गैसोलीन एवं अन्य ईंधनों को पहुंचाती है। कंपनी के अनुसार यह पूरे ईस्ट कोस्ट में करीब 45 ईंधन की आपूर्ति करती है।

कोलोनियल पाइपलाइन ने शनिवार को कहा था कि वह रैनसमवेयर हमले का शिकार हुआ है और उसने अपना परिचालन रोक दिया है। जांच से जुड़े दो लोगों ने बताया कि डार्कसाइड नामक एक आपराधिक गिरोह ने यह हरकत की है। इस गिरोह की एक ऐसे रॉबिनहुड की छवि है जो कॉरपोरेट घरानों से चोरी कर वह राशि परमार्थ कार्य के लिए देता है। कच्चे तेल एवं ईंधन का वायदा बाजार हर साल इस समय सीजन रहने के कारण बढ़ने लगता है। इसके तहत व्यापारी भविष्य में किसी खास समय पर आपूर्ति के वास्ते अनुबंध के लिए दाम का पहले ही भुगतान कर देते हैं। वैसे तो पिछले दो सप्ताह में नियमित ग्रेड गैसोलीन के औसत अमेरिकी दाम में वृद्धि हुई है। इस साइबर हमले का यदि निदान नहीं किया गया तो दाम पर दबाव बढ़ सकता है। सोमवार को उसके वायदा बाजार में डेढ़ फीसद वृद्धि हुई। कंपनी अपने नेटवर्क के संबंधित हिस्से को चालू करने में जुटी है। उसने रविवार को कहा कि उसकी मुख्य पाइपलाइन बंद है लेकिन छोटी पाइपलाइन चालू हैं। रैनसमवेयर हमला ऐसा मालवेयर (दुर्भावना से बनाया गया सॉफ्टवेयर) होता है जो किसी कंप्यूटर सिस्टम को ब्लॉक कर देता है और उसका डेटा वापस करने या कंप्यूटर को फिर से खोल सकने के लिए फिरौती की मांग करता है। आपराधिक हैकर ऐसे साइबर हमलों को अंजाम देते हैं। कोलोनियल पाइपलाइन कंपनी ने यह नहीं बताया कि किस चीज की मांग की गई और किसने मांग की है।

'इथियोपिया के शांतिरक्षकों को शरणार्थी शिविर भेजा गया'

काहिरा। सूडान के अधिकारियों ने दारफुर में संयुक्त राष्ट्र के मिशन में काम करने वाले इथियोपिया के करीब तीन दर्जन शांतिरक्षकों को रविवार को एक शरणार्थी शिविर में भेज दिया। सरकारी समाचार एजेंसी ने यह खबर दी ।समाचार एजेंसी एसयूएनए के अनुसार, उत्तर दारफुर प्रांत में शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख अल फतेह इब्राहिम मोहम्मद ने बताया कि ए सैनिक तिगरायन जातीय समूह से हैं और 120 इथियोपियाई बलों का हिस्सा है। इस साल की शुरुआत में सूडान में प्रवास की अवधि समाप्त होने के बाद इस जातीय समूह ने देश में शरण मांगी थी। उन्होंने कहा कि सैनिकों में 14 महिलाएं हैं जिन्होंने अपने देश इथियोपिया के वापस बुलाए जाने के बावजूद राजधानी आदिस अबाबा में संघीय सरकार द्वारा हिरासत में लिए जाने के डर से वापस जाने से इनकार कर दिया। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद ने तिगरे में क्षेत्रीय सरकार के खिलाफ नवंबर से युद्ध छेड़ दिया है।

एफएटीएफ की मांगों को लेकर नए नियम बनायेगा पाक

- धन शोधन रोधी अधिनियम 2010 (एएमएलए) की मौजूदा सूची में कुछ बदलाव के लिए नियम और संबंधित अधिसूचनाएं प्रशासकों और विशेष सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति के तुरंत बाद लागू होंगी

भाषा। इस्लामाबाद

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में से निकलने के लिए तत्पर पाकिस्तान धन शोधन रोधी मामलों के संबंध में नए नियम लाने और अभियोजन प्रक्रिया में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। मीडिया में आई एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गई है। धनशोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण करने के मामलों पर निगरानी करने वाली वैश्विक संस्था पेरिस स्थित एफएटीएफ ने जून 2018 में पाकिस्तान को ग्रे सूची में डाल दिया था और तब से देश इससे निकलने की कोशिश में लगा हुआ है। डॉन अखबार ने खबर दी है कि इन बदलावों में धन शोधन रोधी (एएमएल) मामलों की जांच और अभियोजन का जिम्मा पुलिस, प्रांतीय भ्रष्टाचार रोधी प्रतिष्ठान (एसीई) और अन्य एजेंसियों से लेकर विशिष्ट एजेंसियों को देना शामिल है। ये दो नियमों का हिस्सा है जिनमें एएमएल (ज़ब्त संपत्ति प्रबंधन) नियम 2021 और एएमएल (रेफरल) नियम 2021 शामिल हैं जो नेशनल पॉलिसी स्टेटमेंट ऑन फॉलो मनी के तहत आता है ।खबर में बताया गया है कि इसे कुछ दिन पहले संघीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। धन शोधन रोधी अधिनियम 2010 (एएमएलए) की मौजूदा सूची में कुछ बदलाव के लिए नियम और संबंधित अधिसूचनाएं प्रशासकों और विशेष सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति के तुरंत बाद लागू होंगी ।इन उपायों के आधार पर एफएटीएफ यह तय करेगा कि क्या 27 में से तीन शेष मानदंडों को पाकिस्तान ने पूरा किया है या नहीं , जिस वजह से पाकिस्तान इस साल फरवरी में ग्रे सूची से बाहर नहीं निकल सका था। एफएटीएफ की कई समीक्षा बैठकें जून के दूसरे हफ्ते में शुरू होनी हैं और उसका पूर्ण सत्र 21-25 जून को होगा ।अब सरकार ने दर्जनों प्रशासकों को नियुक्त करने का निर्णय किया है जिन्हें संपत्तियों के मूल्य को संरक्षित रखने के लिए जब्त करने, प्राप्त करने, प्रबंधन करने, किराए पर देने, नीलामी करने, हस्तांतरण करने या निपटान करने या अन्य उपाय करने के अधिकार दिए गए हैं।

पाक में सुरक्षा चौकी पर सशस्त्र हमलावरों ने किया हमला, तीन जवानों की मौत

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें अर्द्धसैन्य बल के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हमला बोलान जिले के मोराट क्षेत्र में रविवार को हुआ। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि अज्ञात सशस्त्र लोगों ने क्वेटा से करीब 70 किलोमीटर दूर मोराट में चौकी पर रविवार को हमला किया। अधिकारी ने कहा, हमले में फ्रंटियर कोर्प्स के तीन जवानों की मौत हो गई और एक जवान घायल हो गया। चौकी पर तैनात जवानों ने जवाबी कार्वाई की, लेकिन हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। घटना के बाद जवानों ने इलाके को घेर लिया और निकटवर्ती पर्वतीय इलाकों में तलाश अभियान चलाया, लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जवानों के शवों और घायल जवान को अस्पताल ले जाया गया है। इस हमले से मात्र चार दिन पहले अफगानिस्तान में सीमा पार से आतंकवादियों के हमले में प्रांत के झोब जिले में चार जवानों की मौत हो गई थी।

कोरोना वायरस पर खबर को चीन ने झूठा करार दिया

बीजिंग (भाषा)। चीन ने सोमवार को मीडिया में आई उन खबरों को एकदम झूठ करार दिया, जिनमें कहा गया है कि उसके सैन्य वैज्ञानिकों ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप से पांच साल पहले कोरोना वायरस को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के बारे में जांच की थी। चीन ने कहा कि यह अमेरिका द्वारा देश को बदनाम करने का प्रयास है। गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग को प्राप्त हुए दस्तावेजों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि चीन के वैज्ञानिकों ने कोविड-19 महामारी से पांच साल पहले कथित तौर पर कोरोना वायरस को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के बारे में जांच की थी और उन्होंने तीसरा विश्व युद्ध जैविक हथियारों से लड़े जाने का पूर्वानुमान लगाया था। ब्रिटेन के द सन अखबार ने द ऑस्ट्रेलियन की तरफ से सबसे पहले जारी रिपोर्ट के हवाले से कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग के हाथ लगे विस्फोटक दस्तावेज कथित तौर पर दर्शाते हैं कि चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) के कमांडर यह घातक पूर्वानुमान जता रहे थे।

सीओल में बुद्ध के जन्मदिन को लेकर सजे बाजार के बीच से मास्क पहनकर निकलते लोग

कलर्स डाँस दीवाने प्रतियोगी उदय ने हृदयस्पर्शी डाँस परफॉर्मेंस के जरिए सुनाई मार्मिक कहानी

कलर्स डाँस दीवाने का आगामी एपिसोड सशक्त परफॉर्मेंस के साथ मदर्स डे के अवसर पर सभी माताओं को समर्पित होगा। जज तुषार कालियाए धर्मेश येलंडे और मेहमान नोरा फ्तेही के साथ कुछ विशेष मेहमानए सभी प्रतियोगियों की माताएं शामिल होकर बच्चों की परफॉर्मेंस देखेंगे। यह वक्त भावनाओं से सराबोर होगा। उदय सिंह अपने खुद के जीवन की एक कहानी पर परफॉर्म करेंगे और यह कहानी सबको सुनाएंगे। इस कहानी में बताया गया है कि उनके साथ उनकी माँ ने किस प्रकार जीवन के सबसे मुश्किल चरणों को पार किया।

यह एक्ट उदय की माँ को समर्पित होगा। इस एक्ट में बताया गया कि उनके पिता ने किस प्रकार उनकी माँ की गंभीर दुर्घटना के बाद उसके इलाज के लिए कर्ज लिया। दैनिक मजदूर होने के चलते उनके पिता रिकवरी एजेंट्स को पैसा नहीं लौटा पाए और उनके इस अपमान का असर उनके दिमाग पर हो गया और उन्होंने आत्महत्या कर ली। भारी वित्तीय संकट के बीच उदय और उसकी माँ अकेले रह गए। जैसे जैसे यह एक्ट आगे बढ़ता हैए हर कोई भावनाओं में डूब जाता है और सबकी आंखों में आँसू आ जाते हैं। मां और बेटे के बीच का यह अनकहा प्यार हर किसी के दिल को छू लेगा। उदय अपनी माँ को धन्यवाद देंगे कि वह सदैव से उनकी सबसे बड़ी सपोर्ट बनी रही। उदय के संघर्षों को सुनकर जज तुषार कालिया ने उन्हें हर संभव मदद देने का वादा किया। तुषार कालिया ने कहा मैं नहीं जानता कि यह सुनने के बाद क्या कहूँ। इन संघर्षों से गुजरना बहुत मुश्किल है और केवल आप ही समझ सकते हो कि आपने किन संघर्षों का सामना किया है। यह बहुत मर्मस्पर्शी है। मैं आपको एक चीज कहना चाहता हूँए मुझे नहीं पता कि आप इस शो में कितना आगे जाएंगे, लेकिन जो कुछ भी होए जब आपको मेरी जरूरत पड़े तो मैं आपको हर संभव मदद दूंगा।

अमेज़न प्राइम वीडियो ने शो मार्केट डाउन है की घोषणा की

मुंबई। अमेज़न प्राइम वीडियो ने लोकप्रिय स्टैंड.अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता द्वारा पेश किए जाने वाले अपने आगामी अमेज़न फनीज स्टैंड.अप स्पेशल मार्केट डाउन है का टीजर जारी करते हुए आज इस शो की घोषणा कर दी है। दुनिया भर के दर्शकों को हंसी की जबर्दस्त खुराक देने का वादा करने वाले इस शो का प्रीमियर 14 मई, 2021 को होगा। इस टीजर में गौरव गुप्ता हमें हंसी के उस सफर पर ले जाते दिख रहे हैं, जहां वह एक पिता, पति, बेटे, एक दिल्लीवाला और इस सबके ऊपर एक बनिया होने के हास्यप्रद अनुभव सुनाएंगे!स्टैंड.अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता ने बताया, अमेज़न प्राइम वीडियो जैसे एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म से जुड़ कर मैं बेहद खुश हूं और अपने कॉमेडी स्पेशल के जरिए दुनिया भर के स्टैंड.अप प्रेमियों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हूं। उनकी ही बदौलत ढेर सारे कॉमेडियन लाइमलाइट हासिल कर पाए हैं और मैं भी एक व्यापक दर्शक.वर्ग तक पहुंचने तथा नए प्रशंसक बनाने हेतु उत्सुक हूं। अगर लोगों को पता चले कि कोई शो अमेज़न प्राइम वीडियो पर मौजूद है, तो हर कोई उसे देखना चाहता है। इतना कहने के बावजूद मार्केट डाउन है मेरे लिए वाकई एक बेहद खास शो है, क्योंकि अमेज़न प्राइम वीडियो पर यह मेरा पहला स्टैंड.अप स्पेशल है। इसमें मैंने अपने जीवन के असली हास्यप्रद अनुभवों को पेश किया है। मैं एक बनिया हूं और बनिया बिरादरी पर चुटकुले छोड़ना मुझे कभी पुरानी बात नहीं लगती। मुझे पूरी उम्मीद है कि मार्केट डाउन है को दर्शक उतना ही पसंद करेंगे जितना कि उन्होंने मेरे दूसरे स्टैंड.अप परफॉर्मेंस को प्यार दिया है। मार्केट डाउन है का अमेज़न प्राइम वीडियो पर 14 मई 2021 को विशेष प्रीमियर होगा।

भोजपुरी लोकगीतों के मर्मज्ञ और रचयिता जितेन्द्र नाथ सिंह का निधन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

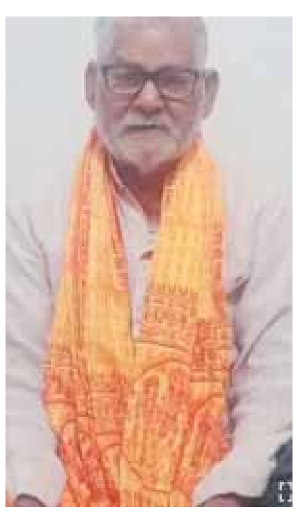

भोजपुरी लोकगीतों के मर्मज्ञ एवं रचयिता जितेंद्र नाथ सिंह जीत का रविवार को कोरोना से निधन हो गया। वह 76 साल के थे। सांस की तकलीफहोने पर उन्हें बीएचयू में भर्ती कराया गया था। दो हफ्ते पहले कोविड संक्रमण से उनकी पत्नी लीलावती सिंह का निधन हो गया था। उनके परिवार में पुत्र शमशेरए दो पुत्रियां और नाती पोतों का भरापूरा परिवार है। गाजीपुर के पातेपुर निवासी जितेंद्र नाथ सिंह जीत ने भारतीय सेना में सिग्नल ऑपरेटर के पद पर रहते हुए 1965 और 71 की लड़ाई में हिस्सा लिया था। वहां से सेवानिवृति होने के बाद आकाशवाणी वाराणसी में सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात हुए। वे आकाशवाणी के बी हाई ग्रेड के कलाकार और गीतकार थे। उनके गीतों को मनोज तिवारीए महुआ बनर्जीए रेवती साकलकर जैसे कलाकारों ने गाया है। उन्होंने जइब देवी के दुअरियाए गीत गुंजनए बाजे मेरी वीणा के तारए चटक चांदनीए लोक संगीत सागर आदि पांच पुस्तके लिखी हैं।

चीन अब माउंट एवरेस्ट के शिखर पर भी खींचेगा सीमा की लकीर

बीजिंग। चीन दुनिया की सबसे उंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सीमा रेखा खींचेगा ताकि नेपाल से आने वाले पर्वतरोहियों को अपने इलाके में आने से रोका जा सके। चीन के सरकारी मीडिया ने इस कदम के लिए कोरोना वायरस महामारी को वजह बताया है। इस कार्य के तिब्बती पर्वतारोहियों का समूह बनाया जाएगा।

सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन की ओर से पर्वतरोहियों के चोटी पर पहुंचने से पहले रेखा बनाई जाएगी। हालांकि, आभी यह स्पष्ट नहीं है कि चीन द्वारा यह विभाजन रेखा किस चीज से बनाई जाएगी। उत्तर में चीन की ओर से चोटी की चढ़ाई करने वाले पर्वतरोहियों को इस विभाजन रेखा को पार करने से रोका जाएगा ताकि वे दक्षिण की ओर से चढ़ाई करने वाले किसी व्यक्ति या वस्तु या नेपाली के संपर्क में नहीं आएं। नेपाल सरकार या पर्वतारोहण अधिकारियों ने इस विभाजन रेखा को लेकर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि पिछले साल कोरोना वायरस महामारी के चलते नेपाल और चीन ने माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर रोक लगा दी थी लेकिन इस साल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नेपाल ने 408 विदेशियों को माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह करने की अनुमति दी थी। शिन्हुआ के मुताबिक, 21 चीनी पर्वतरोहियों को उत्तरी हिस्से से एवरेस्ट की चढ़ाई करने की अनुमति दी गई है। चीन में जहां कोरोना वायरस के संक्रमण पर काफी हद तक लगाम लगी हुई है वहीं नेपाल में इस बीमारी के मामलों में इन दिनों तेजी आई है।

कश्मीर में जीवन का अक्स दिखाती है लाइफ इन द क्लॉक टावर वैली

नई दिल्ली। प्रेम कहानियों के माध्यम से एक नए उपन्यास में कश्मीर घाटी में रोजर्मा की जिंदगी और भावनाओं को दर्शाया गया है। लाइफ इन द क्लॉक टावर वैली प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के पत्रकार शकूर राथेर की पहली किताब है। किताब का प्रकाशन स्पीकिंग टाइगर ने किया है। इसमें कश्मीर के सुन्दर अतीत, तकलीफदेह वर्तमान और हमेशा अनिश्चित रहने वाले भविष्य के बारे में बात की गई है। इसमें कश्मीर के इतिहास और राजनीति के अलावा पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर भी चर्चा की गई है, जिनपर सामान्य रूप से कोई बात नहीं करता। घाटी में जीवन के विभिन्न पहलुओं के अलावा लेखक अपनी किताब में रोज-रोज के जीवन में उभरने वाले अलग-अलग किरदारों पर भी चर्चा करता है। प्रेम कहानियों की बात करें तो लेखक बताता है कि कैसे मेटाडोर, कैम्पस कॉरिडोर और शहर के ऐतिहासिक विरासतों में

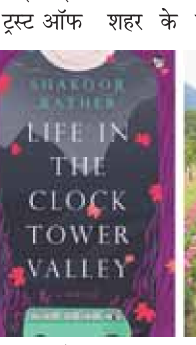

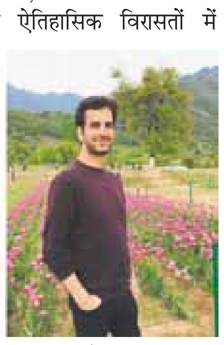

घूमते-घूमते समर और राबिया एक-दूसरे को जानते हैं और करीब आते हैं। लेकिन साथ ही घाटी में बार-बार लगने वाले कर्फ्यू और अपने परिवारों के राजनीतिक झुकाव के कारण उनके प्रेम पर संकट के बादल भी मंडराते हैं। इसके अलावा भी कई अन्य प्रेम कहानियां इस उपन्यास का हिस्सा हैं।

कोविड से जंग हार गये यूट्यूबर राहुल वोहरा

नई दिल्ली। अभिनेता-यूट्यूबर राहुल वोहरा का कोविड-19 के कारण यहां एक अस्पताल में रविवार को निधन हो गया। थिएटर निर्देशक-नाटककार अरविंद गौड़ ने इसकी पुष्टि की।वोहरा (35) ने एक फेसबुक पोस्ट पर इस हफ्ते की शुरूआत में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की खबर दी थी। उन्हें राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर में भर्ती कराया गया था और शनिवार शाम को द्वारका के आयुष्मान हॉस्पिटल में ले जाया गया था। गौड़ ने वोहरा के निधन की खबर की फेसबुक पर पुष्टि की। उन्होंने लिखा, राहुल वोहरा चला गया। मेरा होनहार अभिनेता अब नहीं रहा। कल ही राहुल ने कहा था कि मुझे अच्छा इलाज मिल जाता तो मैं भी बच जाता। कल शाम ही उसे राजीव गांधी अस्पताल से आयुष्मान, द्वारका में स्थानांतरित किया गया था। राहुल हम तुम्हें नहीं बचा पाए, मुआफ करना, हम तुम्हारे अपराधी हैं। आखिरी नमन। वोहरा ने शनिवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को टैग किया था और उनसे बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए कहा था। वोहरा ने लिखा था, अगर मुझे भी बेहतर इलाज मिल जाता तो मैं भी बच जाता। दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 से 332 लोगों की मौत हो गई थी और 17,364 नए मामले आए।

कोरोना वायरस संक्रमण से और एक संत की मृत्यु

देहरादून। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर श्रीमहंत विमल गिरि की कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु हो गई है। संक्रमित होने के बाद 45 वर्षीय महंत को यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां बृहस्पतिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। जूना अखाड़ा के थानापति रवींद्रानंद सरस्वती ने बताया कि हाल में संपन्न हुए हरिद्वार कुंभ के दौरान आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमहंत अवधेशानंद गिरि ने उनका पट्टाभिषेक किया था। वह पिछले 20 वर्षों से वह अखाड़े से जुड़े थे। शनिवार को उन्हें हरिद्वार के कांगड़ी ग्राम स्थित श्रीमहंत प्रेम गिरि आश्रम में भूसमाधि दे दी गई। हाल में संपन्न कुंभ के दौरान कई संत कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं जिनमें से छह से ज्यादा साधुओं की मृत्यु हो गई है।

उच्च हिमालई घाटियों में जाने वाले लोगों के लिए आरटी-पीसीआर जांच जरूरी

पिथौरागढ। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला उप मंडल की दारमा, व्यास और चौदास की उच्च हिमालई घाटियों में प्रवेश से पहले आदिवासी ग्रामीणों तथा अन्य लोगों के लिए आरटीपीसीआर जांच अनिवार्य कर दी गई है।

धारचूला के उपजिलाधिकारी ए के शुक्ला ने सोमवार को बताया कि आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही किसी व्यक्ति को इन घाटियों में प्रवेश करने दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रशासन ने इस संबंध में स्थानीय लोगों से बात की थी और उन्होंने इस बात पर अपनी सहमति व्यक्त की है। शुक्ला ने कहा, उच्च हिमालई घाटियों में कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए हमने यह कदम उठाया है।

पुलिस के अभियान के बाद कोटा में एक दिन में 75 शादियां स्थगित

कोटा। राजस्थान में कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन का अनुपालन कराने के अभियान के तहत कोटा ग्रामीण जिले की पुलिस ने उन परिवारों से संपर्क किया जहां शादी होनी थी और एक दिन में ही 75 शादियां स्थगित कराई।

पुलिस उपाधीक्षक और इटावा के सीओ विजयशंकर शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) रविदत्त गौड़ के इलाके के दौरे के दौरान आश्रम दिगोड पुलिस थाने के दो बीट सिपाहियों और कैथुन पुलिस थाने के नवनीत ने बताया कि उन्होंने तीन परिवारों से संपर्क किया और इस महीने होने वाली शादी को स्थगित करने के लिए मनाया। उन्होंने बताया कि उक्त सिपाहियों को।,100 रुपए का पुरस्कार दिया गया है। शर्मा ने बताया कि डीआईजी ने इसके बाद अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावशाली लोगों और जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में परिवारों के साथ बैठक करने और उनके यहां होने वाली शादी को स्थगित करने के लिए मनाने का निर्देश दिया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि कोटा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी के मार्गदर्शन में शनिवार सुबह ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाया गया जिसमें बीट कांस्टेबल और थाना प्रभारियों ने परिवारों से संवाद किया और एक दिन में ही 75 शादियां स्थगित कराई। गौरतलब है कि राजस्थान मंत्रिमडल ने बृहस्पतिवार को 10 मई से 24 मई के बीच राज्य में सख्त लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है।

परमार्थ कार्यों को लेकर अनुचित टिप्पणियों का अमिताभ ने ब्लॉग लिखकर दिया जवाब

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने महामारी के दौरान उनके द्वारा किए जा रहे परमार्थ कार्यों को लेकर उठ रहे सवालों पर सोमवार को ब्लॉग लिखकर जवाब देते हुए बताया कि वह परोपकार के अपने काम का ज्यादा जिक्र नहीं करना चाहते। उन्होंने हालांकि ऐसे कुछ परोपकारी कामों का जिक्र ब्लॉग में किया है, जो उन्होंने कोविड के इस दौर में किए।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर बताया था कि नई दिल्ली के गुरुद्वारा रकाब गंज में श्री गुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र के लिए अमिताभ बच्चन ने दो करोड़ रुपए दान दिए हैं। इसके कुछ घंटों बाद 78 वर्षीय अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर परोपकार के लिए अपने योगदान का जिक्र करते हुए लंबी पोस्ट लिखी।

इस पोस्ट में बच्चन ने कहा कि पिछले साल देश में जब महामारी का प्रकोप बढ़ा था तबसे उन्होंने जहां तक संभव हो सका लोगों की मदद की। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा फिल्मी सितारों की तरफ से कोविड-19 महामारी से उबरने की दिशा में योगदान न करने को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर बच्चन ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने परमार्थ कार्यों का प्रचार करना शर्मिंदा करने वाला लगता है।

इस पोस्ट में बच्चन ने कहा कि पिछले साल देश में जब महामारी का प्रकोप बढ़ा था तबसे उन्होंने जहां तक संभव हो सका लोगों की मदद की। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा फिल्मी सितारों की तरफ से कोविड-19 महामारी से उबरने की दिशा में योगदान न करने को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर बच्चन ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने परमार्थ कार्यों का प्रचार करना शर्मिंदा करने वाला लगता है।

उन्होंने ब्लॉग में लिखा, हां मैं परमार्थ कार्य करता हूं, लेकिन हमेशा से मानना रहा है कि यह किया जाना चाहिए, न कि इसके बारे में बोला जाना चाहिए। आत्म चेतना में भी ऐसा करना शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूदगी दिखाने में शर्म महसूस होती है।

बच्चन ने कहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत कोष से अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को मास्क और

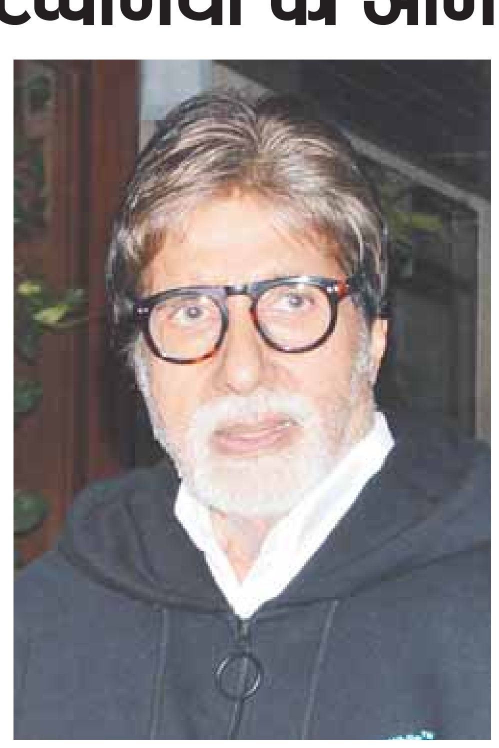

पीपीई किट मुहैया कराया जबकि रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में दान के जरिए 250-450 बिस्तरों वाले देखभाल केंद्र की स्थापना में मदद की तथा दिल्ली और मुंबई में दान देने के लिए विदेशों से ऑक्सीजन सांद्रक खरीदे।

उन्होंने कहा, दिल्ली में आज रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में 250-450 बेड के केयर सेंटर की स्थापना की गई है और जल्द उनके लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का इंतज़ाम किया जाएगा। इसका सीमित स्टॉक है , इसलिए जहां ज़रूरत है वहां दिल्ली और मुंबई में दिया जाएगा।

उन्होंने आगे लिखा है, 15 मई तक उनमें से 50 पोलैंड से आ रहे हैं जबकि 150 संभवत: अमेरिका..अन्य जगहों से। कुछ आ गए हैं और उन्हें अस्पतालों को दिया गया है। अभिनेता ने कहा कि जब वायरस का प्रसार हो रहा था तो

उन्होंने ब्लॉग में लिखा, हां मैं परमार्थ कार्य करता हूं लेकिन हमेशा से मानना रहा है कि यह किया जाना चाहिए न कि इसके बारे में बोला जाना चाहिए। आत्म चेतना में भी ऐसा करना शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूदगी दिखाने में शर्म महसूस होती है। बच्चन ने कहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत कोष से अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को मास्क और पीपीई किट मुहैया कराया।

उन्होंने दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारा में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के जरिए एक पूरा डायग्नोस्टिक सेंटर दान किया था। यह उन्होंने अपनी मां और सामाजिक कार्यकर्ता तेजी बच्चन तथा उनके माता-पिता के सम्मान में किया था। अभिनेता ने कहा कि वह और उनका परिवार इंटरनेट पर रोजाना उनके बारे में की जाने वाली भद्दी बातों से कभी दबाव महसूस नहीं करता और चुपचाप लोगों की मदद करता है। बच्चन ने अपने कुछ और परमार्थ कार्यों का जिक्र किया जिनमें 1500 किसानों का कर्ज चुकाकर उनकी आर्थिक मदद करना शामिल है। अभिनेता ने यह भी साझा किया कि उन्होंने पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को आतंकी हमले में मारे गए सीआरपीएफ के 40 कर्मियों के परिवार की भी मदद की। बच्चन ने कहा कि पिछले साल उन्होंने देश भर में एक महीने तक चार लाख से ज्यादा दिहाड़ी मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराया जबकि शहर में रोजाना करीब पांच हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की।